Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 11 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 293 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जो व्यक्ति श्रम नहीं करता, देवता भी उसका भला नहीं कर सकते हैं।

मैंने वह काम किया जिसने मुझे एक...

SHARE

सेंसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भाजपा ने जारी की तेलंगाना के उम्मीदवारों की पांचवीं सूची

NEW DELHI : तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी । इसमें आलमपुर से महिला मीराम्मा समेत 14 उम्मीदवारों के नाम हैं। राज्य की 119 सीटों के लिए अब तक भाजपा 114 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है। गुरुवार को कांग्रेस ने भी अपने सारे उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए थे। उल्लेखनीय है कि राज्य की 119 विधानसभा सीट के लिए 30 नवंबर को वोटिंग होनी है और 3 दिसंबर को नतीजे आने हैं। भाजपा की पांचवीं सूची में बेल्लमपल्ली से कोयाला इमाजी, पेड्डापल्ली से दुग्याला प्रदीप, संगारेड्डी से देशपांडे राजेश्वर राव, मेडचल से येनिगु सुदर्शन रेड्डी, मल्काजगिरी से रामचंद्र राव, सेरीलिंगमपल्ली से रवि कुमार यादव, नामपल्ली से राहुल चंद्रा, सिकंदराबाद कैंटोनमेंट से गणेश नारायण, नरसमपेट से पुल्ला राव और मधिरा से पेरूमरपल्ली विजया राजू को उम्मीदवार घोषित किया गया है।

अवैध जॉब रैकेट मामले में देश में नौ जगहों पर चली छापेमारी

NEW DELHI : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने देश के कई राज्यों में चल रहे एक अवैध जॉब रैकेट का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी नौकरी के लिए 10 से 20 लाख रुपये ले रहे थे। उन्होंने कई नौकरी चाहने वालों से किश्तों में भी पैसे लिये थे। सीबीआई ने पटना, मुंबई, बेंगलुरु, मंगलोर और धनबाद सहित 9 स्थानों पर तलाशी के दौरान यह गिरफ्तारी की हैं।

दिल्ली के मुख्य सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप

NEW DELHI : दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चीफ सेक्रेटरी नरेश कुमार के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत मिली है। आरोप है कि नरेश कुमार ने द्वारका एक्सप्रेसवे के लिए 19 एकड़ भूमि अधिग्रहण सौदे में हेरफेर किया है, जिससे एक कंपनी को 315 करोड़ रुपए का फायदा हुआ। इस कंपनी में नरेश कुमार का बेटा करन चौहान काम करता है। सीएम केजरीवाल ने मामले की जांच विजिलेंस मंत्री आतिशी को सौंप दी है। नरेश कुमार ने अप्रैल 2022 में दिल्ली के मुख्य सचिव बने। इसके 40 दिन बाद हेमंत कुमार ने साउथ वेस्ट जिले में डीएम का पद संभाला। उन्होंने द्वारका एक्सप्रेसवे के लिए 19 एकड़ भूमि अधिग्रहण के लिए मुआवजा 41.50 करोड़ से बढ़ाकर 353 करोड़ रुपए करने का आदेश दे दिया। इससे पहले तीन जिलाधिकारियों ने इस जमीन का मुआवजा बढ़ाने से इनकार कर दिया था।

धनतेरस पर धन की वर्षा, झारखंड में 1.98 करोड़ का हुआ कारोबार

देर रात तक लोगों ने की खरीदारी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची समेत पूरे राज्य में धनतेरस पर शुक्रवार को जमकर धन की वर्षा हुई। लोगों ने जमकर खरीदारी की। मान्यता है कि इस दिन खरीदारी से घर में सुख-समृद्धि आती है। इस दिन का लोग इंतजार करते हैं। बाजार में सोना-चांदी, ऑटोमोबाइल सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन बाजार उछाल पर रहे। अनुमान है कि पूरे राज्य में करीब 1 करोड़ 98 लाख रुपये का कारोबार हुआ। हालांकि चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री की माने तो धनतेरस का बाजार पूरे राज्य में ढाई हजार करोड़ तक पहुंच सकता है। राजधानी रांची में भी लोगों में धनतेरस पर गजब का उत्साह दिखा। सुबह से ही दुकानों में भीड़ लगने लगी थी। दोपहर होते-होते राजधानी की सड़कों की सांसें फूलने लगी।

रांची में गुलजार रहा बाजार, सोना-चांदी, ऑटोमोबाइल सेक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, बर्तन बाजार उछाल पर रहा

रांची में करीब 600 करोड़ रुपये का हुआ कारोबार

रांची के बाजार में देर रात तक लोगों ने खरीदारी की। राजधानी की सड़कों पर कई वाहन उतरे। अपर बाजार, चर्च रोड, मेन रोड समेत अन्य इलाकों में भी हुई जमकर खरीदारी हुई। रांची से करीब 600 करोड़ का कोरोबार हुआ है। रियल एस्टेट के क्षेत्र में इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में 38 प्रतिशत ज्यादा कारोबार हुआ। इस बार रांची के पांच रजिस्ट्री कार्यालयों को मिलाकर कुल 163 दस्तावेजों की रजिस्ट्री हुई। जिसमें 21 फ्लैट की रजिस्ट्री शामिल हैं। जबकि पिछले वर्ष महज 138 दस्तावेजों का ही निबंधन हुआ था। अगर राज्य भर में धनतेरस के मौके पर रियल एस्टेट कारोबार की बात करें तो शुक्रवार को 657 रजिस्ट्री हुई, पिछले वर्ष यह आंकड़ा 452 था। सबसे ज्यादा दस्तावेजों का निबंधन रांची में ही हुआ है। राज्य भर में जमीन, घर और फ्लैट की रजिस्ट्री से सरकार को पांच करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

इलेक्ट्रॉनिक बाजार में 150 करोड़, 724 करोड़ के आभूषन, ऑटोमोबाइल सेक्टर में 500 करोड़, 200 करोड़ के फर्नीचर, बर्तन बाजार में 38 करोड़ का हुआ व्यापार

धनतेरस पर झाड़ू खरीदने की परंपरा का भी लोग निर्वाह करते दिखे। जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग, पलामू, लोहरदगा, चाईबासा, दुमका, देवघर समेत सभी शहरों में जमकर लोगों ने खरीदारी की। दो पहिया व चार पहिया वाहन, सोना-चांदी, हीरा, इलेक्ट्रानिक्स व इलेक्ट्रिकल सामान, बर्तन, कंप्यूटर, लैपटॉप, मोबाइल, वाशिंग मशीन, एलईडी टीवी, स्मार्ट टीवी, माइक्रोओवन, फर्नीचर और प्रॉपर्टी समेत जरूरी सामानों की लोगों ने खरीदारी की। कई कंपनियों ने आफर के जरिए ग्राहकों को लुभाया। ग्राहकों ने भी इसका भरपूर लाभ उठाया। रांची में बर्तन बाजार में 16 करोड़ का व्यापार हुआ। वहीं, पूरे राज्य में 38 करोड़ रुपये तक आंकड़ा पहुंच गया। ज्वेलरी की दुकानों में सोने और चांदी, हीरे के आभूषण के साथ सिक्कों की खूब मांग रही। पूरे राज्य 724 करोड़ का और राजधानी में दो सौ करोड़ का व्यापार हुआ। लोगों ने अधिकांश निवेश सोने में किया। सिक्कों के लिए अलग से काउंटर लगाए गए थे। इलेक्ट्रॉनिक बाजार में डेढ़ सौ करोड़ राज्य भर में और राजधानी में पचास करोड़ का व्यापार हुआ। ऑटोमोबाइल सेक्टर भी बूम पर रहा। धनतेरस पर वाहन बाजार में भी उछाल दिखा। पूरे राज्य में ऑटोमोबाइल सेक्टर में 500 करोड़ का व्यापार हुआ। वहीं, रांची में दो सौ करोड़ के वाहन सड़कों पर उतरे। मंदिरों में गाड़ी और बाइक पूजा के लिए लाइन लगी रही। फर्नीचर का बाजार भी रांची में दो सौ करोड़ तक पहुंच गया। इसके अलावा जमीन और फ्लैटों की भी रजिस्ट्री हुई।

दो करोड़ के लाइट्स का हुआ कारोबार, दो लाख का बिका सबसे महंगा झूमर

धनतेरस पर राजधानी में लगभग दो करोड़ के लाइट का कारोबार हुआ है। राजधानी में सबसे मंहगा दो लाख का झूमर बिका है। रंग-बिरंगे लाइटों से बाजार जगमगा रहा है। बाजार में पांच हजार से लेकर दो लाख तक का झूमर उपलब्ध है। मार्केट में लड़ी लाइट की कीमत 50 रुपये से शुरू होकर पांच सौ तक है। अलग-अलग डीजाइन में लड़ी लाइट को पसंद आ रहा है। क्रिसमस ट्री, बबल डिजाइन, हनी बी, फ्लावर डिजाइन, हर्ट डिजाइन के लड़ी लाइट भी लोग जमकर खरीद रहें। इसके साथ ही दर्जनों डिजाइन के झूमर भी लोग पसंद कर रहे है। लैंप लाइट भी लोग पसंद कर रहे है। पंद्रह सौ रुपये में अलग-अलग डिजाइन के लैंप उपलब्ध है। दुकानदारों का कहना है कि धनतेरस के दिन बाकी चीजों के साथ काफी लोग लड़ी भी खरीदते हैं।

साहिबगंज एसपी नौशाद आलम को ईडी का समन

गवाह को प्रभावित करने में शामिल होने का आरोप

22 नवंबर को पूछताछ के लिए हाजिर होने को कहा

CRIME REPORTER RANCHI : ईडी की रडार पर अब साहिबगंज एसपी नौशाद आलम आ गए हैं। उन्हें ईडी ने शुक्रवार को समन भेजकर आगामी 22 नवंबर को ईडी के रांची जोनल ऑफिस में हाजिर होने को कहा है। ईडी की जांच में नौशाद आलम को अवैध खनन मामले में महत्वपूर्ण गवाह विजय हांसदा को प्रभावित करने में शामिल पाए जाने के ईडी ने यह समन भेजा है। बताते चलें कि ईडी का महत्वपूर्ण गवाह विजय हांसदा कोर्ट में अपने पूर्व के बयान से मुकर गया था। विजय हांसदा बिना किसी पूर्व सूचना के अचानक गवाही देने कोर्ट पहुंच गया था। जबकि ईडी ने उसको गवाही के लिए समन भी नहीं किया था। मामले की सुनवाई ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में चल रही है। हालांकि विजय हांसदा की गवाही भी पूरी नहीं हो सकी थी। इस मामले में पहले ही दो गवाहों की गवाही दर्ज हो चुकी है।

आईपीएस नौशाद आलम।

अवैध खनन का मामला

1000 करोड़ रुपये के अवैध खनन मामले में पंकज मिश्रा के साथ ही प्रेम प्रकाश, बच्चू यादव, पशुपति यादव व कृष्णा साहा ट्रायल फेस कर रहे हैं। पंकज मिश्रा बीते 19 जुलाई 2022 से जेल में बंद है। इसी मामले में विजय हांसदा ईडी का महत्वपूर्ण गवाह है।

बचाव पक्ष के कहने पर गवाही देने कोर्ट पहुंचा था ईडी का गवाह

जानकारी के अनुसार, विजय हांसदा बचाव पक्ष के कहने पर गवाही देने पहुंचा था, जबकि ईडी ने गवाही कराने के लिए राजमहल के सब-रजिस्ट्रार को बुला रखा था। सब-रजिस्ट्रार गवाही बॉक्स में चढ़ते, उससे पहले ही अचानक विजय हांसदा गवाही देने आ गया। कोर्ट के निर्देश पर हांसदा की गवाही शुरू हुई। इससे ईडी के वकील की परेशानी बढ़ गई। क्योंकि ईडी ने गवाह सब-रजिस्ट्रार को तैयार कर रखा था। गवाही के दौरान विजय हांसदा ने पलटी मार दी, जिसके आधार पर ईडी ने केस दर्ज किया है। वह अदालत में गवाही के दौरान अपने बयान से मुकर गया।

कौन है विजय हांसदा

विजय हांसदा ने ही साल 2022 में नींबू पहाड़ी पर अवैध खनन की शिकायत की थी। कोर्ट में शिकायतवाद में उसने बरहेट विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा समेत अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत की थी। मामले में दिसंबर 2022 में केस दर्ज किया था। वहीं आर्म्स एक्ट के एक केस में जेल जाने के बाद विजय हांसदा ने अवैध खनन की जांच सीबीआई से कराने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका डाली थी। हालांकि उसने बाद में याचिका वापस लेने के लिए एक और पिटीशन डाल दिया था। वहीं ईडी के ही दो गवाहों के खिलाफ उसने नामजद प्राथमिकी दायर करा दी थी। इसी केस में 164 के तहत बयान में ईडी के अधिकारी पर भी जातिसूचक शब्दों के प्रयोग का आरोप विजय ने लगाया था।

करप्शन : ईडी के बाद अब एसीबी का चल रहा तलवार

540 एकड़ वन भूमि की हेराफेरी करने वाला सुधीर कुमार गिरफ्तार

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के तत्कालीन अमीन निरीक्षक सुधीर कुमार सिन्हा को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस पर निगरानी थाने में 42/2010 के तहत मामला दर्ज है। इसके विरूद्ध भूमाफियाओं और स्थानीय लोगों की मिलीभगत से अपने पद से दुरुपयोग कर 540 एकड़ वन भूमि की बंदोबस्त करने का आरोप है। इससे वन विभाग का करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ है। अनुसंधान में इसके विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध होने पर एसीबी ने गिरफ्तारी की है। सुधीर कुमार सिन्हा पर आधा दर्जन प्राथमिकी दर्ज हैं। सुधीर कुमार सिन्हा पर निगरानी थाना में 16 सितंबर 2010 को मामला दर्ज हुआ था। इस पर वन भूमि के नक्शे में छेड़छाड़ और ओवरराइटिंग कर जमीन को स्थानीय लोगों व भूमाफियाओं के नाम बंदोबस्त कराया था। यह कार्य आरोपी सुधीर कुमार सिन्हा ने अंचल कर्मचारीयों से मिलकर किया था।

सुधीर कुमार सिन्हा

अंचलाधिकारी की मिली भगत से पहुंचाया नुकसान

आरोपी सुधीर कुमार सिन्हा ने हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के प्रमंडलीय नक्शा में छेड़छाड़, ओवरराइटिंग एवं हेराफेरी कर वन भूमि को वन सीमा से बाहर दिखाकर स्थानीय व्यक्तियों के द्वारा अवैध रूप से अतिक्रमण करने एवं भूमाफियाओं द्वारा अंचलाधिकारी एवं अंचल कर्मचारियों की मिलीभगत से 540 एकड़ भूमि की बंदोबस्ती कर वन विभाग को नुकसान पहुंचाया है।

रातू सीओ प्रदीप कुमार और व एसीबी कोर्ट में पेश, भेजे गए जेल

RANCHI : जमीन म्यूटेशन के लिए घूस लेने के आरोपी रातू अंचल के सीओ प्रदीप कुमार को एसीबी ने कोर्ट के समक्ष पेश किया। उन्हें रांची सिविल कोर्ट स्थित एसीबी की विशेष न्यायालय में कड़ी सुरक्षा के बीच प्रस्तुत किया गया। जिसके बाद न्यायालय ने उन्हें और अन्य अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार भेज दिया है। बता दें कि गुरुवार को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीबी की टीम ने गुरुवार को रातू अंचल कार्यालय में छापेमारी की थी। इस दौरान एसीबी के अधिकारियों ने रातू सीओ प्रदीप कुमार, हलका कर्मचारी सुनील सिंह और एक दलाल को 25 हजार घूस लेते गिरफ्तार किया था।

दिल्लीवासियों को भगवान भरोसे नहीं छोड़ सकते : SC

कोर्ट ने सरकार से कहा- जिम्मेदारी समझें

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली में बारिश हो रही है, जिसकी वजह से प्रदूषण कुछ कम है। लेकिन क्या दिल्ली के लोग यह प्रार्थना करते रहेंगे कि आज बारिश हो जाए या फिर हवा चल जाए, ताकि उन्हें प्रदूषण से राहत मिले। बारिश के लिए ईश्वर का धन्यवाद, लेकिन सरकार को कोई शुक्रिया अदा नहीं की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट के जज संजय किशन कौल ने उक्त टिप्पणी आज दिल्ली के वायु प्रदूषण पर सुनवाई के दौरान की।

पंजाब गवर्नर से सुप्रीम कोर्ट बोला- आप आग से खेल रहे

NEW DELHI : पंजाब में भगवंत मान सरकार और राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित में गतिरोध चल रहा है। मामला विधानसभा में पास बिलों पर गवर्नर के दस्तखत नहीं होने का है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष कोर्ट ने गवर्नर से कहा कि आप आग से खेल रहे हैं। लोकतंत्र सही मायने में मुख्यमंत्री और राज्यपाल के हाथों से चलता है। सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर राज्य सरकार और राज्यपाल में डेडलॉक बना हुआ है तो यह चिंता का विषय है। राज्य में जो भी घटनाक्रम चल रहा है, उससे हम खुश नहीं हैं।

चंदन डैम की सफाई व मरम्मती पर केंद्र ने झाड़ा पल्ला कहा- इसपर बिहार और झारखंड सरकार लेगी निर्णय

SPECIAL REPORTER RANCHI : बिहार के चंदन डैम से सिंचाई के लिए झारखंड को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे जनहित याचिका की सुनवाई शुक्रवार को झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में केंद्र सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि चंदन डैम की मरम्मती एवं इस डैम के गाद को हटाने पर उसकी कोई भूमिका नहीं है, बिहार सरकार और झारखंड सरकार ही लगी इसपर निर्णय लेने में सक्षम है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के जवाब पर बिहार सरकार एवं झारखंड सरकार को जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई फरवरी 2024 निर्धारित की है।

डैम में 75% भरा है गाद

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में केंद्र सरकार से पूछा था कि चंदन डैम में जो सिल्ट (गाद) जमा हो गए हैं, उसे हटाने के लिए बिहार सरकार के साथ संयुक्त अभियान चलाने के संबंध में लिखे गए पत्र पर केंद्र सरकार ने क्या निर्णय लिया है। इससे पहले बिहार सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम से गाद हटाने के संबंध में भारत सरकार के साथ ज्वाइंट ऑपरेशन चलाया जाना है। इसे लेकर भारत सरकार को वर्ष 2022 में बिहार सरकार द्वारा एक पत्र लिखा गया है लेकिन उसका अब तक केंद्र सरकार द्वारा बिहार सरकार के पत्र पर कोई जवाब नहीं आया है। पूर्व की सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया कि चंदन डैम में 75 प्रतिशत गाद भर गया है। इससे इस डैम की पानी की जमा रखने क्षमता मात्र 25 प्रतिशत ही रह गई है। दरअसल, बिहार सरकार ने चंदन डैम से झारखंड को पानी देने में असमर्थता जताई है। वही झारखंड सरकार का कहना है कि उसे इस डैम से पानी मिलना चाहिए, ताकि गोड्डा में सिंचाई हो सके। पूर्व की सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि चंदन डैम में 6 कैनाल सिस्टम है, जिनमें 4 कैनाल सिस्टम झारखंड में आते हैं तथा दो बिहार में आते हैं।

द्विपक्षीय बातचीत में व्यापक रक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर हुई चर्चा

भारत-अमेरिका के बीच बढ़ेगा रक्षा औद्योगिक सहयोग

AGENCY NEW DELHI : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों मंत्रियों ने व्यापक रक्षा और रणनीतिक विषयों पर चर्चा की। बातचीत में रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने तथा दोनों पक्षों के रक्षा उद्योगों को एक साथ मिल कर सह-विकास और रक्षा प्रणालियों का सह-उत्पादन करने पर विशेष फोकस किया गया। दोनों देशों के मंत्रियों ने महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान के साथ रक्षा प्रौद्योगिकी सहयोग को आगे बढ़ाने के उपायों और साधनों पर चर्चा की। उन्होंने भारत-अमेरिका रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम, इंडस-एक्स की प्रगति की समीक्षा की, जिसे इस वर्ष जून में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य भारत और अमेरिका की सरकारों, व्यवसायों और अकादमिक संस्थानों के बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग का विस्तार करना है। अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन ने बहरीन स्थित मुख्यालय वाली बहुपक्षीय संरचना, संयुक्त समुद्री बलों की पूर्ण सदस्यता बढ़ाने के भारत के निर्णय का स्वागत किया।

संयुक्त कार्य करने का एजेंडा तैयार

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी रक्षा पीओडब्ल्यू एमआईए अकाउंटिंग एजेंसी मिशन के हिस्से के रूप में असम में बरामद कुछ वस्तुओं को प्रतीकात्मक रूप से अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन को सौंपा। इन वस्तुओं में द्वितीय विश्व युद्ध के समय की अमेरिकी सेनाओं के पैराशूट, वर्दी और हवाई जहाज के हिस्से शामिल हैं। दोनों देशों के मंत्रियों ने बातचीत के अंत में अपनी टीमों के लिए भविष्य के संयुक्त कार्य के लिए एक एजेंडा तैयार किया। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने वार्ता के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दोनों पक्षों ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग और विकसित हो रही नवीन तकनीकी, आपूर्ति श्रृंखला, अंतरिक्ष सहयोग और दुर्लभ खनिजों के बारे में भी विचार-विमर्श किया।

आप सांसद संजय सिंह की ज्यूडिशियल कस्टडी 24 नवंबर तक बढ़ी

NEW DELHI : दिल्ली शराब घोटाला केस में आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद संजय सिंह की ज्यूडिशियल कस्टडी 24 नवंबर तक बढ़ गई है। दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में शुक्रवार (10 नवंबर) को उन्हें पेश किया गया था। कोर्ट से बाहर निकलते हुए संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फंसाने की साजिश हो रही है। उन्हें गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। केजरीवाल के साथ कोई बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी चल रही है। दिल्ली शराब घोटाला केस में ईडी ने संजय सिंह को 4 अक्टूबर को अरेस्ट किया था। वे पिछले 38 दिन से हिरासत में हैं। उन्हें 5 अक्टूबर को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 10 अक्टूबर तक रिमांड पर भेजा गया था।

ट्रैक्टर को आईईडी से उड़ाने वाले तीन नक्सली गिरफ्तार

PHOTON NEWS CHAIBASA : चाईबासा पुलिस ने सुरक्षाबलों के लिए राशन ले जा रहे ट्रैक्टर को आईईडी से उड़ाने में शामिल तीन नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इस घटना में ट्रैक्टर के खलासी की मौत हो गयी थी। गिरफ्तार नक्सलियों में टोटो थाना क्षेत्र के हस्पी टोला निवासी देबाय पूर्ति उर्फ लेगेसी पूर्ति, हुसीपी निवासी जुरिया बढांदा उर्फ माटा बढांदा और गोईलकेरा थाना क्षेत्र स्थित बोईपाईससांग निवासी लेबिया बोर्डपाई के नाम शामिल हैं। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि चाईबासा एसपी आशुतोष शेखर को गुप्त सूचना मिली कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के सक्रिय सदस्य डेबाय पुरती उर्फ लेगेसे पुरती, जुरिया बहांदा उर्फ माटा बांदा और लेबिया बोईपाई चाईबासा रेंगड़ा स्थित अपने घर आये हुए हैं, जो कई नक्सली घटनाओं में सम्मिलित हैं, जिन्हें तत्काल छापामारी करने पर गिरफ्तार किया जा सकता है एवं उनसे माओवादी से संबंधित बहुत सारी जानकारी प्राप्त की जा सकती है। सूचना पर चाईबासा एसपी ने एक संयुक्त टीम गठित कर छापामारी का निर्देश दिया। इसके बाद छापेमारी टीम दुसीपी गांव में पहुंचकर तीनों नक्सली को गिरफ्तार किया। पकड़े गए नक्सलियों ने अपना-अपना अपराध स्वीकार किया है।

महालक्ष्मी सम्पूर्ण जगत का वैभव और ऐश्वर्य प्रदान करने वाली परम शक्ति हैं। इन्ही की कृपा से जीव-जन्तु समृद्धि को प्राप्त करते हैं और अन्न, जल ग्रहण कर अपना जीवनयापन करते हैं। ऐसे ही महालक्ष्मी के अनेक रूप पुराण, तन्त्र इत्यादि ग्रंथों में प्रचलित हैं। प्रस्तुत लेख में महालक्ष्मी के ऐसे ही रूपों को स्पष्ट किया गया है।

अद्भुत स्वरूप हैं महालक्ष्मी के

1. लक्ष्मी : लक्ष्मी नाम से प्रसिद्ध ऐश्वर्य एवं कल्याण की वृष्टि करने वाली यह देवी सर्वविदित है। इनका लक्ष्मी नाम से वर्णन पुराण एवं कई तन्त्र ग्रंथों में हुआ है। लक्ष्मीतंत्र नाम के तंत्र ग्रंथ में इनका मूल स्वरूप लक्ष्मी नाम से प्रकट किया गया है।

2. महिषमर्दिनी : माँ लक्ष्मी का महिषमर्दिनी रूप मार्कण्डेय पुराण में उल्लिखित है। मार्कण्डेय पुराण के अध्याय दुर्गासप्तशती के नाम से भी जाने जाते हैं। दुर्गासप्तशती में मध्यचरित की देवी महालक्षी हैं, जिन्होंने महिष नामक दैत्य का अन्त किया था और समस्त देवताओं तथा सामान्यजन को पीड़ा से छुटकारा दिलाया था। इनका प्राकट्य त्रिशक्ति और सभी देवताओं के शरीर से हुआ था।

3. कमला : कमला दशमहाविद्याओं में से अंतिम महाविद्या है। कमल पर आसीन होने के कारण इन्हें कमला कहा जाता है। यह महालक्ष्मी का ही एक रूप है। इन्हें विभिन्न प्रकार के सुख, द्रव्य, समृद्धि प्रदान करने वाली देवी के रूप में माना जाता है।

4. भृगुतनया: विष्णु पुराण में माँ लक्ष्मी को भृगु ऋषि और ख्याति की पुत्री बताया गया है। इसलिए माँ लक्ष्मी को भृगुतनया कहा जाता है।

5. समुद्रतनया : दुर्वासा ऋषि के शाप से माँ लक्ष्मी समुद्र में विलीन हो गई थीं। पुनः इनका प्राकट्य समुद्र से होने के कारण इन्हें समुद्रतनया कहा जाता है।

6. रमा : माँ लक्ष्मी कामदेव की माँ हैं। उनकी सृष्टि के नियमों का पालन करवाने में कामदेव का प्रमुख योगदान था। वे अपनी मां लक्ष्मी जी के आदेश के अनुसार दण्ड भी दिया करते थे। माँ लक्ष्मी को पुत्र कामदेव से अत्यधिक स्नेह था। माँ लक्ष्मी का यह रूप रमा नाम से जाना जाता है।

7. श्री : श्री नाम माँ लक्ष्मी का भी है और ललिता बालत्रिपुर सुन्दरी का भी। एक बार लक्ष्मी जी ने कुल की अधिष्ठात्री देवी ललिता की कई वर्षों तक उपासना की थी। इस उपासना से प्रसन्न होकर ललिता ने अपना घर और नाम अर्थात् श्री और श्रीयंत्र दोनों माँ लक्ष्मी को प्रदान कर दिए तभी से माँ लक्ष्मी श्री के नाम से प्रसिद्ध हुईं।

8. कीर्ति : लक्ष्मीतंत्र में माँ लक्ष्मी इन्द्र से अपने प्रमुख चार रूपों का वर्णन करते हुएएकहती हैं कि चार रूपों में विभक्त हूं। इनमें से कीर्ति नाम का द्वितीय रूप है, जो यश प्रदान करने वाला है।

9. जया : लक्ष्मीतंत्र में उल्लिखित कीर्ति रूप के समान ही जया रूप भी है। माा लक्ष्मी जया रूप में विजय प्रदान करती हैं।

10. माया : कीर्ति एवं जया के समान ही चतुर्थ रूप माया है। माया रूप में माँ लक्ष्मी सभी सुखों को प्रदान करती है।

11. वैष्णवी : माँ लक्ष्मी भगवान विष्णु की अर्धांगिनी हैं। भगवान विष्णु उन्हीं की शक्ति से सभी लीलाओं को रचते हैं। समुद्र से प्रकट होने पर माँ लक्ष्मी ने उनके वक्षस्थल में अपना निवास बनाया था। भगवान विष्णु को धारण करने के कारण ही वे वैष्णवी कहलाईं।

12. सीता : त्रेतायुग में जब भगवान विष्णु राम के रूप में प्रकट हुए, तो उनकी अर्धांगिनी के रूप में लक्ष्मी ने सीता के रूप में जन्म लिया था।

13. राधा एवं रुक्मणी : द्वापरयुग के अंत में जब भगवान विष्णु ने श्रीकृष्ण के रूप में जन्म लिया था, तब माँ लक्ष्मी ने उनकी शक्ति के रूप में राधा के रूप में जन्म लिया। रुक्मणी को भी माँ लक्ष्मी का रूप और श्रीकृष्ण की शक्ति माना जाता है।

14. आदिलक्ष्मी : आदिलक्ष्मी अष्टलक्ष्मी में से एक है, जिनके एक हाथ में कमल है तो दूसरे हाथ में सफेद झंडा है और अन्य दो हाथों में अभयमुद्रा एवं वरमुद्रा है।

15. ऐश्वर्य लक्ष्मी : ऐश्वर्य लक्ष्मी अष्ट लक्ष्मी मूर्तियों में द्वितीय लक्ष्मी हैं। ये भी चार भुजाओं वाली हैं और सफेद वस्त्र धारण करती हैं।

16. धन लक्ष्मी : धनलक्ष्मी छह हाथों वाली है और लाल वस्त्र धारण करती है। इनके हाथ में चक्र, दूसरे में शंख, तीसरे में अमृत कलश, चौथे में धनुष-बाण, पांचवें में कमल तथा छठा हाथ अभयमुद्रा रूप में है। ये निरंतर मुद्राओं की वर्षा करती हैं।

17. धान्यलक्ष्मी : धान्यलक्ष्मी आठ भुजाओं वाली है। हरे वस्त्र धारण करती है। इनके हाथों में क्रमशः कमल, गदा, फसल, गन्ना, केला, अभय एवं वरमुद्रा है।

18. गज लक्ष्मी : गजलक्ष्मी अष्टलक्ष्मी में से एक है। इनके चार भुजाएं हैं और ये लाल वस्त्र धारण करती हैं। इनके पीछे दो हाथी होते हैं, जो जल कलशों से इन पर वर्षा कर रहे हैं।

19. सन्तान लक्ष्मी : सन्तान लक्ष्मी छह हाथों वाली हैं। इनके हाथ में क्रमशः कलश, तलवार, ढाल, वर मुद्रा और एक भुजा में बच्चा है। बच्चे के हाथ में एक कमल है। इनकी उपासना श्रेष्ठ सन्तति प्रदान करने वाली है।

20. वीर लक्ष्मी : वीर लक्ष्मी आठ भुजाओं वाली हैं और लाल वस्त्र धारण करती हैं। इनके हाथों में क्रमशः शंख, चक्र, धनु-बाणष त्रिशूल, पुस्तक, अभयमुद्रा और वरमुद्रा है।

21. विजयलक्ष्मी : विजयलक्ष्मी अष्ट लक्ष्मियों में से एक हैं। ये आठ भुलाओं वाली हैं, जो लाल वस्त्रों को धारण करती हैं। इनके हाथों में चक्र, शंख, तलवार, ढाल, कमल, पाश और अभयमुद्रा है।

श्री महालक्ष्मी का पूजन क्यों?

लक्ष्मी जी के पूजन के साथ अन्य देवी-देवताओं का भी पूजन क्यों किया जाताहै, यह प्रश्न एक बार कुछ महर्षियों और मुनियों ने सनत कुमार से पूछा तो सनत कुमार ने बताया कि लक्ष्मी जी जब समस्त देवी-देवताओं के साथ राजा बलि के यहां बंधक थीं, तब भगवान विष्णु ने उन्हें सभी देवताओं के साथ दीपावली के दिन ही बलि की कैद से मुक्त कराया था और बलि की कैद से मुक्ति पाकर लक्ष्मी तथा सभी देवता जाकर क्षीरसागर में सो गए।

श्री महालक्ष्मी के साथ अन्य देवी-देवताओं के भी पूजन का यही उद्देश्य है कि क्षीरसागर को छोड़कर हमारे घर समस्त देवी-देवताओं के साथ पधारें और लक्ष्मी के साथ-साथ अन्य देवी-देवताओं की कृपा दृष्टि भी हम पर सदैव बनी रहे।

ऐसे करें लक्ष्मी पूजन

दीपावली के दिन जहां व्यापारी वर्ग अपनी दुकान या प्रतिष्ठान पर दिन में लक्ष्मी का पूजन करता हैं, वहीं दूसरी ओर गृहस्थ सांय प्रदोष काल में महालक्ष्मी का आह्वान करते हैं। गोधूलि लग्न में पूजा आरंभ करके महानिशीथ काल तक अपने-अपने अस्तित्व के अनुसार महालक्ष्मी के पूजन को जारी रखा जाता है। इसका अभिप्रायः यह है कि जहां गृहस्थ और वाणिज्य वर्ग के लोग धन की देवी लक्ष्मी से समृद्धि और वित्तकोष की कामना करते हैं, वहीं साधु-संत और तांत्रिक कुछ विशेष सिद्धियां अर्जित करने के लिए रात्रिकाल में अपने तांत्रिक षटकर्म करते हैं।

पूजन की सामग्री

महालक्ष्मी पूजन में केशर, रोली, चावल, पान, सुपारी, फल, फूल, दूध, खील, बताशे, सिंदूर, सूखे, मेवे, मिठाई, दही, गंगाजल, धूप, अगरबत्ती, दीपक, रूई तथा कलावा नारियल और तांबे का कलश चाहिए।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक स्वास्तिक

सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के तरीकों में स्वस्तिक का महत्वपूर्ण स्थान है। इसीलिए स्वास्तिक ने मंगल चिन्हों में प्रतिष्ठा प्राप्त की है। मंगल प्रसंगों के अवसर पर पूजा स्थान तथा दरवाजे की चौखट और प्रमुख दरवाजे के आसपास स्वास्तिक चिन्ह बनाने की परंबरा है। वे स्वास्तिक कतई परिमाण नहीं देते, जिनका संबंध प्लास्टिक, लोहा, स्टील या लकड़ी से हो। सोना, चांदी, तांबा अथवा पंचधातु से बने स्वास्तिक प्राण प्रतिष्ठित करवाकर चौखट पर लगवाने से सुखद परिणाम देते हैं, जबकि रोली-हल्दी-सिन्दूर से बनाए गए स्वास्तिक आत्मसंतुष्टि ही देते हैं।

अशांति दूर करने तथा पारिवारिक प्रगति के लिए स्वास्तिक यंत्र रवि-पुष्य, गुरू-पुष्य तथथ दीपावली के अवसर पर लक्ष्मी श्रीयंत्र के साथ लगाना लाभदायक है। अकेला स्वास्तिक यंत्र ही एक लाख चौबीस धनात्मक ऊर्जा उत्पन्न करने में सक्षम है। वास्तुदोष के निवारण में भी चीनी कछुआ 700 चौबीस भर देने की क्षमता रखता है, जबकि गणेश की प्रतिमा और उसका वैकल्पिक स्वास्तिक आकार एएलाख चौबीस की समानता रहने से प्रत्येक घर में स्थापना वास्तु के कई दोषों का निवारण करने की शक्ति प्रदान करता है।

गाय के दूध, गाय के दूध से बने हुएएदही और घी, गोनीत, गोबल जिसे पंचगव्य कहा जाता है, को समानुपात से गंगाजल के साथ मिलाकर आम अथवा अशोक के पत्ते से घर तथा व्यावसायिक केंद्रों पर प्रतिदिन छिड़काव करने से ऋणात्मक ऊर्जा का संहार होता है। तुलसी के पौधे के समीप शुद्ध घी का दीपक प्रतिदिन लगाने से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

सरकार देखे कि साइबर फ्रॉड को कैसे कंट्रोल किया जाए : हाईकोर्ट

सीआईडी डीजी ने फ्रॉड रोकने के लिए उठाए जा रहे कदम की कोर्ट को दी जानकारी

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों के पैसे की वापसी मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान पर शुक्रवार को सुनवाई की। हाई कोर्ट के जस्टिस एस चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने झारखंड में साइबर फ्रॉड की घटनाओं पर गंभीरता दिखाते हुए सरकार से पूछा है कि क्या सरकार साइबर ठगी के शिकार लोगों को तात्कालिक राहत के लिए उनके पैसे वापसी के लिए फंड बनाने पर विचार रखती है? सुनवाई के दौरान सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता कोर्ट के समक्ष हाजिर हुए। उन्होंने कोर्ट को झारखंड में साइबर क्राइम की जांच प्रणाली, साइबर सेल सहित साइबर फ्रॉड रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। वही महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार साइबर क्राइम की घटनाओं को लेकर चिंतित है। उन्होंने बताया कि गुजरात में साइबर क्राइम के शिकार लोगों के पैसे वापस करने को लेकर एक मॉडल तैयार किया है, लेकिन उसमें कई कानूनी अड़चनें हैं। झारखंड सरकार गुजरात मॉडल से भी बेहतर एक मॉडल बनाने को लेकर प्रयासरत है, जिससे साइबर फ्रॉड के शिकार लोगों को पैसा वापसी से राहत मिले। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मौखिक कहा कि सरकार यह देखे कि साइबर फ्रॉड को कैसे कंट्रोल किया जाए, उसके शिकार लोगों के अकाउंट में पैसा कैसे भेजा जाए, इसके लिए एक स्कीम तैयार किया जाना चाहिए। सरकार इस संदर्भ में एक प्रपोजल तैयार कर शपथ पत्र के माध्यम से उसे प्रस्तुत करें। कोर्ट ने मौखिक कहा कि साइबर फ्रॉड के लिए झारखंड के जामताड़ा इलाका काफी चर्चित है, इसलिए इसके रोकथाम एवं साइबर क्राइम के पीड़ितों को पैसा वापस देने के लिए झारखंड से एक बेहतर पहल होनी चाहिए। कोर्ट ने मामले में इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर से भी सुझाव मांगा है। उससे पूछा है कि साइबर क्राइम रोकने के लिए क्या प्रणाली है, लोगों की पैसे वापसी में उसकी क्या भूमिका हो सकती है। अगली सुनवाई 5 दिसंबर को होगी। मामले में एमिकस क्यूरी सौम्या एस पांडे ने पक्ष रखा।

खंडपीठ ने मामले में इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर, होम सेक्रेटरी एवं आईटी सेक्रेटरी झारखंड, डीजी सीआईडी, एसपी सीआईडी, स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी को मामले में प्रतिवादी बनाया है। दरअसल, सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने साइबर क्राइम फ्रॉड रोकथाम एवं इसके शिकार लोगों की पैसा वापसी को लेकर एक पत्र हाई कोर्ट को लिखा था। जिस पर कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है।

देवघर एम्स के मामले में प्रार्थी सांसद निशिकांत दुबे के जवाब पर राज्य सरकार से हाईकोर्ट ने मांगा प्रतिउत्तर

याचिका में देवघर एम्स में बुनियादी सुविधाओं का बताया था आभाव

मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने की । अगली सुनवाई 1 दिसंबर को होगी। मामले में पूर्व की सुनवाई में राज्य के मुख्य सचिव एवं एम्स, देवघर के डायरेक्टर कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए थे। प्रार्थी सांसद निशिकांत दुबे ने देवघर एम्स में इलेक्ट्रिक सबस्टेशन बनने, अप्रोचिंग रोड बनने, फ्लाईओवर बनने, आवश्यकतानुसार पानी की व्यवस्था होने, फायर सेफ्टी की पर्याप्त व्यवस्था आदि की सुविधा मुहैया कराने का आग्रह राज्य सरकार से किया गया है। याचिका में सांसद की ओर से कहा गया है देवघर एम्स में कई बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। उनकी ओर से कोर्ट से देवघर एम्स के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, पहुंच सड़क, फायर ब्रिगेड वाहन आदि की सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह कोर्ट से किया गया है।

RANCHI : देवघर एम्स में बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर सांसद निशिकांत दुबे की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को हुई। मामले में कोर्ट ने देवघर एम्स के मामले में प्रार्थी सांसद निशिकांत दुबे के जवाब पर राज्य सरकार से मांगा प्रतिउत्तर मांगा है। सांसद निशिकांत द्वारा मामले में राज्य के चीफ सेक्रेटरी के जवाब पर अपना शपथ पत्र दाखिल किया गया। इसमें संसद की ओर से कहा गया है कि चीफ सेक्रेटरी ने देवघर एम्स के पावर सबस्टेशन के लिए 64 करोड रुपए की लागत आने की बात कही है, जिसके लिए कैबिनेट की अप्रूवल जरूरी बताया है। सांसद का कहना है कि विगत एक माह में दो-तीन बार कैबिनेट की बैठक हो गई है लेकिन देवघर एम्स के लिए सरकार 64 करोड रुपए स्वीकृत करने पर दिलचस्पी नहीं दिख रही है। वही देवघर एम्स को पानी देने के सवाल पर प्रार्थी की ओर से कहा गया है की देवीपुर मल्टी विलेज स्कीम के तहत देवघर एम्स को पानी देने की बात कहीं जा रही है इससे पंचायतो को मात्र दो-तीन दिन ही पानी मिलती है। ऐसे में देवघर एम्स के लिए पुनासी डैम से जोड़कर पानी की व्यवस्था की जाए। चीफ सेक्रेटरी ने अपने जवाब में बताया था कि देवघर एम्स में फायर फाइटिंग के लिए एक अग्निशमन वाहन उपलब्ध करा दिया गया है। जिसके जवाब में प्रार्थी निशिकांत दुबे की ओर से कहा गया है कि यह अग्निशमन वाहन मात्र चार-पांच तल्ला में आग बुझाने मैं सक्षम है। जबकि देवघर एम्स 24 मंजिला है ,ऐसे में इस अग्निशमन वाहन से काम नहीं होगा। देवघर एम्स के लिए शेष बचे 20 एकड़ जमीन उपलब्ध अब तक उपलब्ध नहीं होने मामले में चीफ सेक्रेटरी ने बताया है कि इस संदर्भ में उपयुक्त द्वारा जमीन अधिग्रहण के लिए प्रयास किया गया है। जिसमें सांसद का कहना है कि देवघर एम्स को 237 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी लेकिन अब तक उसे मात्र 217 एकड़ जमीन ही मिली है ,शेष 20 एकड़ दिलाने के लिए राज्य सरकार को एक समय सीमा निर्धारित करनी चाहिए। सांसद निशिकांत की ओर से यह भी कहा गया है कि देवघर एम्स के में कार्यरत कर्मियों के बच्चों के लिए वहां सेंट्रल स्कूल बनाने के लिए केंद्र सरकार तैयार है ,लेकिन राज्य सरकार इसके लिए जमीन उपलब्ध नहीं कर रही है।

गैंगस्टर हत्याकांड : सजायाफ्ता विशाल को नहीं मिली जमानत

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट ने शुक्रवार को गैंगस्टर सुशील श्रीवास्तव हत्याकांड में शामिल सजायाफ्ता विशाल सिंह को जमानत देने से इनकार कर दिया है। विशाल सिंह ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जमानत याचिका दायर की थी। जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की बेंच ने पिछली सुनवाई के दौरान सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। विशाल सिंह की ओर से वरीय अधिवक्ता अंजना प्रकाश ने बहस की थी। विशाल सिंह की जमानत अर्जी का अधिवक्ता कुमार हर्ष ने पुरजोर विरोध किया था। उन्होंने अपनी बहस के दौरान अदालत को बताया कि हाई कोर्ट पूर्व में भी विशाल सिंह की ओर से दो बार जमानत दाखिल की गयी थी, जिसे अदालत खारिज कर चुका है।

रांची सिविल कोर्ट में जिला जज रैंक के पदाधिकारी की पोस्टिंग

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने जिला जज रैंक के दो न्यायिक पदाधिकारियों और एक मजिस्ट्रेट रैंक के न्यायिक पदाधिकारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग की है। इसकी नॉटिफिकेशन जारी कर दी है है। ट्रांसफर-पोस्टिंग का नॉटिफिकेशन जारी होने के बाद इन न्यायिक पदाधिकारियों को अविलंब नये पदस्थापन वाली जगह पर योगदान देने का निर्देश दिया गया है। जिला जज रैंक के न्यायिक पदाधिकारी संतोष कुमार (1) को प्रधान जिला जज बोकारो के पद पर नियुक्त किया गया है। फिलहाल यह झालसा में सचिव के पद पर कार्यरत थे। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रैंक के न्यायिक पदाधिकारी सचींद्र बिरुआ को रांची सिविल कोर्ट में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पद पर नियुक्त किया गया है, यह फिलहाल लोकपाल के सचिव के पद पर कार्यरत थे।

BRIEF NEWS

अलबर्ट एक्का चौक पर बनेगा देश का पहला गोल फुट ओवरब्रिज

RANCHI : अलबर्ट एक्का चौक पर देश का पहला गोल फुट ओवरब्रिज बनेगा। इसे बनाने में करीब 18 करोड़ रुपये खर्च होंगे। छह महीने में काम कंप्लीट करने की डेडलाइन है। फुट ओवरब्रिज के निर्माण का काम पश्चिम बंगाल के अलिपुरद्वार की बीआरबीए कंपनी को दी गई है। कंपनी ने अलबर्ट एक्का चौक पर मार्किंग और नापी का काम शुरू कर दिया है। यह फुट ओवरब्रिज काफी आकर्षक तरीके से बनाया जाएगा। अलबर्ट एक्का चौक पर बने गोलंबर के चारों तरफ गोल फुट ओवरब्रिज बनाया जाएगा। सबसे पहले चौक बने शहीद अलबर्ट एक्का की प्रतिमा के लिए नया प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा।

तूफान क्लब काली पूजा समिति काल्पनिक पंडाल का कर रहा निर्माण

RANCHI : राजधानी के करम टोली स्थित अहीर टोली स्थित तूफान क्लब काली पूजा समिति इस साल काल्पनिक पंडाल का निर्माण कर रही है। इसमें मां काली की प्रतिमा के साथ लगभग 300 मूर्तियां पंडाल में विराजमान होंगे, जो आकर्षण का केंद्र होगा। पंडाल के चारों तरफ देवी-देवताओं और राक्षसों की मूर्तियां स्थापित की जाएगी। क्लब के मीडिया प्रभारी संदीप कुमार ने शुक्रवार को बताया कि पंडाल की ऊंचाई 35 फीट और चौड़ाई 40 फीट है। बंगाल के कारीगरों के जरिये पंडाल का निर्माण किया जा रहा है।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

रिम्स में इलाजरत महिला कैदी की मौत, 4 अगस्त से थी भर्ती

मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम कराने का आग्रह

CRIME REPORTER RANCHI : हत्या के प्रयास समेत तीन अन्य मामलों में जेल में बंद महिला कैदी सावित्री कर्मकार की इलाज के दौरान रिम्स में मौत हो गई। मृतका साहिबगंज जिले के रांगा थाना कल्याणपुर की रहने वाली थी। साहिबगंज सदर अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड की अनुशंसा पर उसे 4 अगस्त को रिम्स में भर्ती किया गया था। 3 महीने तक इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। कैदी की मौत के बाद राजमहल उपकारा के अधीक्षक ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी रांची को पत्र लिखकर मृतका का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराने का आग्रह किया है।

खूंटी के महिला कैदी के नवजात बच्चे की मौत

वहीं खूंटी उपकारा में बंद कैदी लक्ष्मी को 6 नवंबर को प्रसव पीड़ा होने पर सदर अस्पताल खूंटी लाया गया। जहां उसने लड़के को जन्म दिया। अस्पताल के चिकित्सक ने पाया कि बच्चे की स्थिति गंभीर है। जिसके बाद 7 नवंबर को उसे रिम्स रेफर कर दिया गया। यहां इलाज के दौरान शुक्रवार को नवजात की मौत हो गई। खूंटी उपकारा के अधीक्षक ने सदर अनुमंडल पदाधिकारी रांची को पत्र लिखकर बच्चे के शव का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की निगरानी में कराने का आग्रह किया है।

21 सूत्री मांगों के लिए 26 से 28 तक ट्रेड यूनियन करेगा महापड़ाव का आयोजन

बैठक करते संयुक्त किसान मोर्चा और स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त मंच के सदस्य।

PHOTON NEWS RANCHI : संयुक्त किसान मोर्चा और स्वतंत्र फेडरेशनों के संयुक्त मंच की बैठक शुक्रवार को हुई। जहां 26 से 28 नवंबर तक आयोजित होनेवाले तीन दिवसीय राज्य स्तरीय महापड़ाव की तैयारी की समीक्षा की गयी। राजधानी में भी तीन दिवसीय महापड़ाव का आयोजन किया जायेगा। बैठक की जानकारी देते हुए संयोजक अशोक यादव ने कहा कि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर राज्य में भी प्रचार अभियान चलाये जा रहे हैं। प्रचार अभियान नयी दिल्ली में आयोजित मजदूरों-किसानों के अखिल भारतीय संयुक्त सम्मेलन की घोषणा के अनुसार आयोजित किया जा रहा है। जहां मजदूरों, किसानों, आम जनता के जीवन और आजीविका के साथ-साथ जनता के लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष, सद्भावपूर्ण जीवन पर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। बैठक में इंटक, एटक, सीटू, एआईसीसीटीयू, एचएमएस, झारखंड राज्य किसान सभा, एआईकेएम समेत अन्य नेताओं ने हिस्सा लिया। श्री यादव ने बताया कि केंद्र सरकार की नीति और योजनाओं के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसमें 21 सूत्री मांग है। जिसके लिए राज्य में भी अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें चार मजदूर लेबर संहिताओं को समाप्त करना, किसानों के लिए वैधानिक एमएसपी सुनिश्चित करना, विनिवेश और एनएमपी के प्रयासों को समाप्त करना, बिजली संशोधन विधेयक एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति वापस करना, समान काम के लिए समान वेतन, शहरी क्षेत्रों के लिए रोजगार गारंटी समेत अन्य मांग है।

दिवाली में शराब को पहुंचाना था बिहार, पेटी में नीचे शराब व उपर से हवा भरा हुआ रहता था चिप्स

31 पेटी अवैध शराब के साथ एक गिरफ्तार

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते रांची के सिटी एसपी राजकुमार मेहता।

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी में आए दिन अवैध शराब कारोबारियों को पकड़कर पुलिस जेल भेज रही है। लेकिन बार-बार शराब तस्कर तस्करी के नए तरीके निकाल ले रहे हैं। इस बार पुलिस को ऐसा तस्कर मिला जो पेटी पहले अवैध शराब रख देता था और ऊपर से वैसा चिप्स का पैकेट जिसमें सिर्फ हवा भरी रहती थी ताकि शराब की बोतल तस्करी करने के दौरान टूटे नहीं। सिटी एसपी राजकुमार मेहता को अवैध शराब कारोबारी बालमुकुंद निराला के बारे में सूचना मिली कि वह बडे पैमाने पर बिहार में अवैध शराब खपाने वाला है। यह सूचना उन्होंने बरियातू थानेदार सुरेश मंडल को दी। सुरेश मंडल ने वाहन चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान बालमुकुंद निराला बाइक से आ रहा था लेकिन पुलिस को देखते ही वह भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ा और बाइक में लगे दो पेटी की तलाशी ली तो उसमें से चिप्स का पैकेट निकला। लेकिन चिप्स के पैकेट में सिर्फ हवा भरी थी। पुलिस ने आरोपी से चिप्स के बारे में पूछा तो उसने बताया कि कंपनी से उसे ऐसा ही मिला है। पुलिस ने पेटी की पूरी तलाशी ली तो उसमें से अवैध शराब बरामद हुई। इसके बाद पुलिस आरोपी के घर पहुंची और तलाशी ली तो 31 पेटी अवैध शराब और सैकड़ों चिप्स के पैकेट मिले जिसमें हवा भरी थी। वहीं एक पेटी में बिना सील 766 पीस शराब की बोतल बरामद हुई। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह चिप्स निकालकर उसमें हवा भर देता था इसके बाद पैकेट को पैक कर देता था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ा तो उसने बताया कि वह बाइक से अवैध शराब लेकर बिहार पहुंच जाता था। बाइक में चारों तरफ चिप्स के पैकेट होने की वजह से पुलिस को कोई शक नहीं होता था। वह कई बार बिहार जाकर शराब खपा चुका है। आरोपी को कहना है कि बिहार में उसे शराब का अधिक दाम मिलता था। इसके अलावा आरोपी ने सैकडों बोतल नकली शराब भी खपा चुका है।

दीपावली के दिन छाये रह सकते हैं बादल

RANCHI : दीपावली के दिन राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रह सकते हैं। इस संबंध में मौसम विज्ञान केंद्र ने जानकारी दी है। मौसम विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 12 नवंबर से 16 नवंबर तक राज्य के कुछ हिस्सों में बादल छाये रहने की संभावना है। हालांकि इस दौरान मौसम शुष्क रहेगा। बारिश की संभावना नहीं है। वहीं राजधानी रांची की बात करें तो 12 नवंबर से लेकर 16 नवंबर तक राजधानी में भी बादल छाये रह सकते हैं। इसके साथ ही इस दौरान राजधानी के आस पास के जिलों जिसमें रामगढ़, गुमला, खूंटी, जमशेदपुर, हजारीबाग समेत अन्य हिस्सों में भी बादल का असर देखा जा सकता है। वहीं, अन्य जिलों में सुबह और शाम के वक्त कोहरा छाये रह सकते हैं। जिससे लोगों को ठंड का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र की मानें तो 20 नवंबर के बाद ठंड बढ़ने की संभावना है।

NEWS OF ROURKELA

पोस्टर पीस प्रतियोगिता की विजेता बनीं अनन्या पाड़ी

ROURKELA : लोरेटो इंग्लिश स्कूल मे शुक्रवार को पीस पोस्टर ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यार्थियों द्वारा शांति का संदेश पूरे संसार में फैलाया जा रहा है, जिसको हर इंसान को ग्रहण करके विश्व शांति के लिए काम करना चाहिए। लायंस क्लब का भी यही उद्देश्य भी रहता है। कार्यक्रम में 100 से ज्यादा बच्चों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। इसके विजेता दिल्ली पब्लिक स्कूल की अनन्या पाड़ी रही। द्वितीय पुरस्कार के विजेता आदर्श कुमार साह रहे, तृतीय पुरस्कार भव्य पंडा को दिया गया। कार्यक्रम में लोरेटो स्कूल के निदेशक एवं प्रिंसिपल इंचार्ज सुरेश केजरीवाल के अलावा लायंस क्लब राउरकेला वेदव्यास की अध्यक्ष लाइन सुषमा शारदा, सचिव उषा संघवी, कोषाध्यक्ष शशि अग्रवाल एवं कार्यक्रम की संयोजक चंद्र बंसल, सहसंयोजक सरिता केजरीवाल एवं पूर्व अध्यक्ष हरिओम बंसल उपस्थित रहे।

पटाखें जलाने को लेकर लोगों में संशय, सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद प्रशासन सक्रिय

ROURKELA : दीपावली में पटाखें जलाने को लेकर संशय की स्थिति है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने 125 डेसिबल से अधिक शोर पैदा करने वाले पटाका पर प्रतिबंध लगा दिया है। बताया गया है कि बोर्ड ने इस नियम का सख्ती से पालन कराने के लिए राज्य के सभी जिलाधिकारियों और एसपी को पत्र लिखा है। बेरियम और नाइट्रेट युक्त पटाका पर कानून के मुताबिक प्रतिबंध रहेगा। आमतौर पर लोग सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक पटाखा चला सकते हैं। शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य केंद्रों और धार्मिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में पटाका चलाना प्रतिबंधित है। प्रदूषण के स्तर की जांच के लिए जिला प्रशासन की ओर से एक दल का गठन किया गया है। वहीं बाजार में तरह-तरह के पटाखें आए है। झरझरी, चकरी, कुम्पी, टिकली पटाखा को बिक्री की अनुमति दी गई है। इसी तरह टाइगर बम, सुतुली बम, ताल फोटका और तेज आवाज वाले पटाका पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। दिन के उजाले के दौरान वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण का स्तर बढ़ने के कारण ऐसे उपाय किये जा रहे हैं।

एनआईटी राउरकेला के वार्षिक खेल उत्सव 'वृद्धि-2023' का हुआ आगाज

ROURKELA : एनआईटी, राउरकेला का तीन दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव 'वृद्धि' शुक्रवार से शुरू हुआ। इस खेल महोत्सव में फुटबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, शतरंज, कबड्डी, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, खो-खो और टेबल टेनिस टूर्नामेंट शामिल हैं। स्टूडेंट एक्टिविटी सेंटर, एनआईटी राउरकेला के तहत गेम्स एंड स्पोर्ट्स सोसाइटी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में ओडिशा और झारखंड के 11 कॉलेजों के लगभग 700 छात्र भाग ले रहे हैं। इस वर्ष लगभग 150 महिला खिलाड़ियों के पंजीकरण के साथ वृद्धि 2023 को महिला प्रतिभागियों की जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि, प्रो. के. उमामहेश्वर राव, (निदेशक, एनआईटी राउरकेला) ने प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रतिभागियों को टीम भावना और एकता के साथ खेल भावना को बरकरार रखते हुए सकारात्मक दृष्टिकोण रखना चाहिए। भारतीय पैरा-तीरंदाज शीतल देवी द्वारा दिया गया उत्कृष्ट प्रदर्शन हम सभी के लिए प्रेरणा का एक ताजा उदाहरण है। उन्होंने हाथों की तरह अपने पैरों का उपयोग कर-के पैरा एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीते और ऐसा करने वाली वह पहली महिला तीरंदाज बन गईं। प्रोफेसर सिद्धार्थ एस जेना (डीन छात्र कल्याण) ने कहा, ‘वृद्धि 2023 विश्वविद्यालय स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने, छात्रों को उनकी क्षमता को उजागर करने और उभरते खिलाड़ियों के बीच खेल भावना को प्रोत्साहित करता है। राउरकेला शहर सर्दियों का स्वागत कर रहा है और इसलिए खिलाड़ियों को मैदान पर अपने प्रदर्शन के दौरान अपना 100 प्रतिशत देने के लिए अनुकूल अवसर मिल रहा है। प्रोफेसर रमेश कुमार महापात्र और डॉ. मयंक यादव (गेम्स एंड स्पोर्ट्स सोसाइटी के उपाध्यक्ष), डॉ. टी. आर. पटनायक (वरिष्ठ छात्र गतिविधि और खेल अधिकारी) कार्यक्रम के आयोजक हैं। प्रो रोहन धीमान (रजिस्ट्रार), प्रो कौस्तव चौधरी, प्रो तीर्थंकर सरकार, प्रो अनिल सिंह, प्रो जे शिवरामन और डॉ अन्वेषा सेनगुप्ता भी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उद्घाटन अवसर पर शामिल हुए। एनआईटी राउरकेला के अलावा, केआईआईटी विश्वविद्यालय, श्री श्री विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी प्रौद्योगिकी संस्थान (आईजीआईटी), रांची विश्वविद्यालय, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग- कालाहांडी (जीसीईके), ट्राइडेंट एकेडमी ऑफ टेक्नोलॉजी, वीएसएसयूटी, जीआईईटी विश्वविद्यालय, ओडिशा कृषि विश्वविद्यालय और प्रौद्योगिकी (ओयूएटी), सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्र इस वार्षिक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

दीपावली को लेकर खुला टेराकोटा दीप स्टॉल

SUNDARGARH : सुंदरगढ़ जिला परिषद कार्यालय में क टेराकोटा दीप स्टॉल खोला गया है। ओरमास और जिला परिषद, सुंदरगढ़ द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी और जिला परिषद के कार्यकारी अधिकारी मनोज महाजन ने किया। मिट्टी से बनी विभिन्न वस्तुएँ जैसे दीपक, धूपदानी,इसमें कैंडल स्टिक्स, अगरबत्ती, फूलदान, घरेलू उपकरण, विभिन्न प्रकार की घरेलू सजावट की वस्तुएं आदि हैं। यह स्टॉल श्रीक्षत्र उत्पाद ग्रुप के सदस्यों द्वारा चलाया जाता है। स्टॉल उद्घाटन कार्यक्रम में ओरमास के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी केशव झा, परियोजना प्रबंधक (आजीविका), ओम्बाडसी के अभियंता एवं अन्य विभागीय अधिकारी एवं जिला परिषद के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदूषण विभाग ने शीबा ग्रीन एनर्जी प्लांट को किया सील

ROURKELA : राउरकेला के कलूंगा औद्योगिक क्षेत्र के जियाबहल स्थित शीबा ग्रीन एनर्जी प्लांट को प्रदूषण विभाग ने सील कर दिया है। इस फैक्ट्री में पुराने वाहनों के टायर जलाकर काली तेल निकाला जाता था। इलाके में प्रदूषण फैलने का शिकायत मिलने के बाद राउरकेला क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी रजत कुमार सेठी गुरुवार को वहां पहुंचे और निरीक्षण के बाद फैक्ट्री को सील कर दिया। इस छापामारी में लाठीकाटा के तहसीलदार आत्योत्रान पाठी, ब्राह्मणी तरंग थाना प्रभारी क्षितीश चंद्र पात्रों व बिजली विभाग के अधिकारी शामिल थे।

मांझी पर सीएम के बयान को लेकर परिषद में हंगामा

पटना। विधान परिषद की कार्यवाही शुरू होने से पहले बीजेपी एमएलसी ने पोर्टिको में नारेबाजी की। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के अपमान को लेकर सीएम नीतीश कुमार से इस्तीफा मांगा। बीजेपी एमएलसी जनक राम ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री ने सभी समाज को शर्मशार किया है। कभी महिला को कभी पिछड़े समाज को। गुरुवार को तो हद हो गई। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी को बोलने से मना करना तो अलग बात है, जिस तरह से अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया।

दलित समझकर उनको अपमान करने की मानसिकता झलक रही है। दलितों को धोखा देकर सत्ता में बैठे हुए हैं। अब माफी मांगने से नहीं चलेगा। इनको इस्तीफा दे देना चाहिए। विधान परिषद में बीजेपी के एमएलसी वेल में आ गए और उसके बाद विधान परिषद की कार्यवाही 12:30 बजे तक स्थापित कर दी गई है। जिस जीतनराम मांझी को नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री बनाया अब उन्हीं के बारे में गुरुवार को सदन में कह दिया कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाकर उन्होंने गलत किया। नीतीश कुमार ने तुम-ताम की भाषा में उन्हें काफी कुछ कहा। 13 जून को जीतन राम मांझी के पुत्र संतोष मांझी ने यह कहकर नीतीश मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था कि नीतीश कुमार चाहते हैं कि हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा का विलय जेडीयू में कर दिया जाए, लेकिन हम अपनी

पार्टी का विलय करने को तैयार नहीं इसलिए इस्तीफा दे दिया। कुछ दिन बाद मांझी की 'हम' पार्टी एनडीए की घटक दल बन गई। तब नीतीश कुमार ने आरोप लगाया था कि जीतन राम मांझी भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए महागठबंधन के सहयोगियों की जासूसी कर रहे थे, ऐसे में महागठबंधन से उनका बाहर निकलना अच्छी ही बात है। नीतीश कुमार ने यह भी कहा कि मैंने उन्हें अपनी पार्टी हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा का विलय जेडीयू में करने को कहा था, विलय नहीं करने की स्थिति में मंत्री पद छोड़ने को कहा था। संतोष सुमन के इस्तीफे के बाद नीतीश कुमार ने रत्नेश सदा को मंत्री पद की शपथ दिलवाई थी। बिहार में जाति गणना के बाद दलितों की आबादी 20 फीसदी सामने आई है। दलितों राजनीति से जुड़े दो बड़े नेता चिराग पासवान और जीतन राम मांझी दोनों ही बीजेपी के नजदीक हैं। चिराग पासवान पहले ही नीतीश कुमार के खिलाफ तेज बयानबाजी करते दिखते हैं। वे बीजेपी के साथ मिलकर पिछले विधान सभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी को कई सीटों पर नुकसान पहुंचा चुके हैं। अब जीतन राम मांझी की पार्टी भी ज्यादा मुखर होगी नीतीश कुमार का विरोध करेगी। जीतन राम मांझी भी खूब वोकल दिखने वाले हैं। ऐसा नहीं है कि नीतीश कुमार की पार्टी में दलित नेता नहीं हैं लेकिन चिराग पासवान और जीतन राम मांझी जैसे कद के दलित नेता नहीं दिखते। - बिहार सचिवालय सेवा (संशोधन) विधेयक 2023 -बिहार माल और सेवा कर (वित्तीय संशोधन) विधेयक, 2023 -बिहार पंचायत राज (संशोधन) विधेयक 2023 - बिहार पदों और सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के लिए)संशोधन विधायक 2023 -बिहार (शैक्षणिक संस्थाओं में नामांकन में) आरक्षण संशोधन विधेयक 2023

संक्षिप्त डायरी

छात्रा का अपहरण कर भाग रहा था..भीड़ ने की पिटाई

मुजफ्फरपुर । लड़की का अपहरण कर भाग रहे बदमाश को लोगों ने पकड़ लिया। भीड़ ने जमकर पिटाई की। इसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान 2 बदमाश मौके से भाग निकले। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मामला जिले के कांटी थाना क्षेत्र का है। लड़की मैनेजमेंट की पढ़ाई कर रही है। दरअसल जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र के बैरिया निवासी गोलू दुबे ने अपने साथियों के साथ माड़ीपुर से एक लड़की का अपहरण कर लिया था। लड़की को कार से लेकर वो कांटी की तरफ जा रहा था। इसी बीच लड़की कांटी थाना क्षेत्र के समस्तपुर में चीखने चिल्लाने लगी। शोर सुनकर आस पास के लोगों ने कार को घेर लिया। मौके का फायदा उठा कर गोलू दुबे के साथी मौके से फरार हो गए, लेकिन भीड़ ने गोलू दुबे को पकड़ लिया। उसकी जमकर पिटाई की। लोगों ने पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची। हिस्ट्रीशीटर गोलू दुबे को हिरासत में ले लिया। बुधवार को लड़की का अपहरण किया गया था। उसी दिन शाम में लोगों ने पकड़ा था। गुरुवार को लड़की के परिजन ने प्राथमिकी दर्ज करवाई, जिसके बाद उसे न्यायियक हिरासत में भेजा गया। इस मामले में ऊढ पश्चिमी अभिषेक आनंद ने बताया कि लड़की के परिजनों ने गोलू दुबे के खिलाफ कांटी थाने में अपहरण का मामला दर्ज करवाया है। जिसके बाद पुलिस ने गोलू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं उसके फरार साथियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की कर जा रही है। बता दें कि गोलू दुबे पर कई मामले दर्ज हैं। गोलू दुबे के खिलाफ लूट, गोलीबारी और रंगदारी जैसे कई मामले दर्ज हैं, जिसमें वो वांटेड था। पुलिस उसके गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही थी।

चाचा ने 5 साल की भतीजी से रेप किया, फिर कर दी हत्या

सीतामढ़ी । चाचा (28) ने अपनी 5 साल की भतीजी से पहले रेप किया फिर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद उसने शव गांव से आधा किलोमीटर दूर गन्ने के खेत में फेंक दिया। पुलिस को एसएसबी की डॉग स्क्वॉड की टीम की मदद से शव मिला। वारदात जिले के मेजरबंज थाना क्षेत्र के एक गांव की है। बच्ची बुधवार शाम से ही लापता थी। मामले में पुलिस ने एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। युवक ने हत्या की बात कबूल कर ली है। वो रिश्ते में बच्ची का चाचा है। उसकी पहचान पूर्वी चंपारण जिले के पताही थाना क्षेत्र के रंगपुर गांव निवासी रमेश मांझी के रूप की गई है। बताया गया कि आरोपी के चाचा का ससुराल गांव में है और वह यहीं आकर बस गया है। बुधवार की शाम से गायब बच्ची का पता नहीं चलने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले में रमेश मांझी से पूछताछ की। शुरू में वह झूठ बोलता रहा, लेकिन बाद में सदर एसडीपीओ रामकृष्णा की पूछताछ में उसने बच्ची की हत्या की बात स्वीकार करते हुए शव को गन्ने की खेत में फेंकने की जानकारी दी। बच्ची की मां के बयान पर स्थानीय थाने में एफआईआर की गई है। इसमें आरोपी के खिलाफ रेप कर हत्या किए जाने का आरोप लगाया गया है। आरोपित दो दिन पहले यहां उसके घर आया था। बुधवार की शाम को उसे बच्ची के साथ देखा गया। बच्ची को वह बिस्किट खिला रहा था। बहला-फुसलाकर उसे गन्ने की खेत में ले जाकर उसके साथ रेप किया और फिर मार दिया। सदर डीएसपी रामकृष्ण ने बताया कि पूरे मामले में जांच की जा रही है। घटनास्थल और आरोपी का फॉरेंसिक सैंपल कलेक्ट कर जांच के लिए भेजा गया है। प्रथम दृष्टया मामला रेप कर हत्या करने का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही रेप का पता चल सकेगा। सदर डीएसपी ने बताया कि बुधवार की देर रात 5 साल की बच्ची के लापता होने की सूचना मिली थी। मामले की जांच कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर पूछताछ की। गिरफ्तार व्यक्ति बच्ची का रिश्तेदार लगता है। पूछताछ में उसने बच्ची की हत्या की बात स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर बच्ची के शव को बरामद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

करंट लगने से युवक की मौत

नालंदा । शुक्रवार के दिन करंट के संपर्क में आने से एक युवक की मौत हो गई। मामला चण्डी थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मपुर गांव का है। युवक की पहचान धर्मपुर गांव निवासी महेंद्र प्रसाद के (26) वर्षीय पुत्र राजमणि कुमार के रूप में किया गया है। घटना के संबंध में मृतक के परिजन ने बताया कि राजमणि कुमार सुबह शौच के लिए खेतों की ओर गए थे। तभी गांव के खंधा में स्थित ट्रांसफार्मर के समीप करंट के संपर्क में आ गए। आसपास के लोगों ने किसी तरह से उन्हें करंट से मुक्त कराया और घर लेकर आए। जहां घरेलू उपचार के बाद उन्हें निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के क्रम में उनकी मौत हो गई। मौत की पुष्टि के उपरांत परिजनों में कोहराम मच गया परिवार वालों के चित्कार से गांव का माहौल गमगीन हो गया। मृतक अपने पीछे एक पुत्र एवं पुत्री से भरा पूरा परिवार छोड़ गया है। चण्डी थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि करंट से मौत की सूचना पर पुलिस गांव पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया। यूडी केस दर्ज कर पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

बिहार की 95% आबादी के पास कोई गाड़ी नहीं

पटना। बिहार सरकार की तरफ से जारी जातीय और आर्थिक आंकड़ों के मुताबिक राज्य की 95.49 फीसदी आबादी के पास किसी प्रकार की कोई गाड़ी नहीं है। वहीं, 0.44 प्रतिशत लोगों के पास ही चार पहिया वाहन हैं। 0.11 प्रतिशत आबादी के पास तीन पहिया वाहन हैं तो दो पहिया वाहन 3.80 फीसदी लोगों के पास है। आर्थिक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार राज्य में छह पहिया या उससे अधिक पहिया वाहन सिर्फ 0.03 प्रतिशत लोगों के पास हैं। राज्य में 0.13 प्रतिशत आबादी के पास ट्रैक्टर है। रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ 49.68 लाख लोग दोपहिया के मालिक हैं। 5.72 लाख लोगों के पास कार हैं। सबसे अमीर सामान्य वर्ग की कुल आबादी 2.01 करोड़ में से मात्र 11.99 प्रतिशत लोगों के पास ही अपनी दोपहिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बिहार के सिर्फ सवा प्रतिशत लोग ही प्रवासी हैं। बाकी लोग बिहार में ही रहते हैं। जातीय और आर्थिक गणना रिपोर्ट के मुताबिक, 1.22 प्रतिशत बिहारी अन्य राज्यों में काम करते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 94 प्रतिशत से अधिक बिहारी अपने गांव और घरों से जुड़े हैं। बिहार में गणना के समय 94.28 प्रतिशत लोग स्थायी रूप से रहते हैं। इसके अलावा बिहार में ही अन्य जगहों पर शिक्षा के लिए गए लोग 0.39 प्रतिशत हैं। बिहार की कुल आबादी का 0.17 प्रतिशत लोग दूसरे देशों में काम करते हैं। वहीं, अन्य राज्यों में शिक्षा ग्रहण करने वालों की संख्या 0.42 प्रतिशत है। इन सबसे में जो सबसे चौंकाने वाला आंकड़ा है, वो प्रवासी बिहारियों को लेकर किया गया सरकारी दावा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 94.28 फीसदी लोग बिहार में रह रहे हैं, जो कुल आबादी का सिर्फ 1.22 फीसदी हैं।

मोतिहारी में सिलेंडर से आग लगी,15 झुलसे, 1 मौत

मोतिहारी । गैस सिलेंडर में आग लगने से 15 लोग झुलस गए। 9 लोगों का इलाज जीएमसीएच में चल रहा है। 3 लोगों का इलाज रक्सौल के डंकन अस्पताल में चल रहा है। जबकि 3 लोगों की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने बीरगंज रेफर कर दिया है। इलाज के दौरान GMCH में एक महिला की मौत हो गई है। मृतका की पहचान गंगामती देवी के रुप में हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। छानबीन की जा रही है। घटना रामगढ़वा प्रखंड के पखनहिया गांव की है। बताया जा रहा है कि

सिलेंडर से गैस लीकेज कर रहा था, जो पूरे घर में फैल गया। ग्रामीणों ने ठीक करने की कोशिश की। चेक करने के दौरान जैसे ही माचिस जलाई गई तो आग पूरे घर में फैल गई। घायलों के परिजनों ने बताया कि अच्छे लाल के घर गुरुवार शाम से ही एक गैस सिलेंडर लीकेज कर रहा था। जिससे घर में गैस चारो तरफ फैल गया था। जिसके बाद गैस सिलेंडर को घर से बाहर कर दिया था। बाहर लाकर लीकेज को रोकने की कोशिश की गई थी। करीब 1 घंटा बाद फिर उसे घर में लाकर रख दिया। ग्रामीणों ने बताया कि उस वक्त तक घर से गैस नहीं निकल पाया था। कुछ घंटों के बाद जांच के क्रम में माचिस जलाया गया, जिससे आग लग गई और वहां मौजूद और आस-पास के लोग झुलस गए। ग्रामीणों ने बताया कि आग ऐसी लगी कि किसी को संभालने का मौका तक नही मिला। पखनहिया गांव के लोगों ने बताया कि घर में दो सिलेंडर रखा था, जिसमें एक से पहले गैस लीक कर रहा था। दूसरे में रेगुलेटर लगा था वो ठीक था। हल्ला होने पर पहुंचे तो पता चला की गैस लीकेज होने की वजह से आग लग गई है। फिर घायल लोगों को वहां से बाहर निकाले और आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाए। रक्सौल के डंकन हॉस्पिटल के डॉ. प्रभु ने बताया कि गैस सिलेंडर ब्लास्ट किया है। इसमें घायल 6 लोग यहां आए थे। सबका चेहरा झुलसा हुआ था। इसमें 3 लोगों को रेफर किया है और बाकी का इलाज चल रहा है।

ट्रेन के सामने कूदकर प्रेमी जोड़े ने दी जान

समस्तीपुर। समस्तीपुर-दरभंगा रेल खंड पर रामभद्रपुर हायाघाट स्टेशन के बीच प्रेमी जोड़े का शव मिला है। दोनों बचपन से एक-दूसरे से प्यार करते थे। शादी भी करना चाहते थे, लेकिन परिवार को स्वीकार नहीं था। छठ के बाद लड़की की शादी होने वाली थी। कुसैया रेलवे गुमटी के पास दोनों की डेड बॉडी मिली है। बताया जा रहा है कि ट्रेन के सामने कूदकर दोनों ने अपनी जान दे दी। शुक्रवार सुबह प्रेमी युगल का क्षत विक्षत शव लोगों ने देखा। दोनों कल्याणपुर थाना क्षेत्र के रामभद्रपुर पंचायत के कपरपट्टी गांव में रहते थे। लड़की गांव के ही बटून राय की 18 साल की बेटी भोली कुमारी और लड़का पवन राय का 20 साल का बेटा मनीष कुमार है। परिवार के लोग

इस मुद्दे पर कुछ भी बोलने से परहेज कर रहे हैं। गांव वालों ने बताया कि दोनों बचपन से ही एक-दूसरे प्यार करते थे। इस बीच लड़की की शादी उसके परिवार वालों ने दरभंगा में तय कर दी थी। छठ बाद तिलक था। लोगों का कहना है कि लड़की इस शादी को लेकर तैयार नहीं थी। परिवार के लोग गांव में ही शादी को लेकर राजी नहीं थे। इस कारण दोनों ने ट्रेन के सामने कूदकर खुदकुशी कर ली। परिवार के लोगों ने बताया कि लड़का और लड़की आसपास के ही रहने वाले हैं। दोनों रात करीब 10 बजे से अचानक घर से लापता हो गए थे। परिवार के लोग दोनों की खोजबीन कर ही रहे थे, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। सुबह लोगों को जानकारी मिली कि धनहर रेलवे गुमटी के पास लड़का और लड़की का शव पड़ा हुआ है। परिवार के लोग वहां पहुंचे तो देखा कि वह उन्हीं के बेटा और बेटी हैं। इसके बाद पारिवार के लोगों के बीच कोहराम बच गया। इस बीच घटना की सूचना पर पहुंची वारिसनगर थाने की पुलिस ने प्रेमी युगल का शव जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। घटना को लेकर अभी प्राथमिक दर्ज नहीं कराई गई है। थानाध्यक्ष निरंजन कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

चाइनीज झालरों ने कुम्हारों की आजीविका पर बढ़ाया संकट

मिट्टी के दिए छोड़ लाइटों का इस्तेमाल कर रहे लोग, बोले- दिया बनाने का भी नहीं निकलता खर्च

पटना। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दिए की जगह चाइनीज झालरों ने अपना स्थान बना लिया है। जिससे कुम्हारों की चाक थम सी गई है। कुम्हारों के चेहरे की लकीर और जुबान से निकल रही बातो से यह अंदाजा लगाया जा सकता है की आधुनिकता के इस दौर में बिजली के झालरों ने अपना स्थान लेकर इन कुम्हारों के रोजगार पर प्रहार किया है। जिसके कारण कुम्हारों के सामने आजीविका का संकट गहराता जा रहा हैं। 12 अक्तूबर को पूरे देश में दीपावली पर्व धूम धाम से मनाई जाएगी। इस पर्व पर मिट्टी के दीयों से घर को रोशन करने की परंपरा सदियों पुरानी है। इसका अपना महत्व भी है। ऐसे में दीपावली के नजदीक आते हीं कुम्हार दीये बनाने के काम में तेजी से जुट गए हैं। उन्हें उम्मीद है कि इस बार उनकी दीवाली भी रोशन रहेगी। हालांकि वर्ष भर दीपावली के त्योहार की प्रतीक्षा करने वाले कुम्हारों की दीवाली अब पहले की तरह रोशन नहीं हो रही है। बावजूद मिट्टी के दीपक, मटकी आदि बनाने के लिए माता-पिता के साथ उनके बच्चे भी हाथ बंटा रहे हैं। कोई मिट्टी गूंथने में लगा है तो किसी के हाथ चाक पर मिट्टी के बर्तनों को आकार दे रहे हैं। पहले दीपों के त्योहार दीपावली पर घर-घर में मिट्टी के दीपक में तेल और बाती से जगमग रोशनी हुआ करती थी, लेकिन अब वह रौशनी धीरे धीरे खत्म होने की कगार पर है। अब लोग मिट्टी के दीयों की जगह चाइना के इलेक्ट्रॉनिक आइटमों की तरफ आकर्षित हो रहे हैं। लोग झालर और मोमबत्ती का ज्यादा प्रयोग करते हैं।

जबकि, पहले दीपावली पर दीयों की मांग अधिक रहती थी। कुम्हारों ने बताया कि शुरूआत में दीयों की कीमत कम होती है। मगर जैसे-जैसे त्योहार नजदीक आता है और डिमांड बढ़ती जाती है लेकिन दीयों के रेट में कोई बढ़ोतरी नहीं होती है। अन्य दिनों की तरह ही दीपावली में 100 रुपए सैकड़ों तक दीए बिकते हैं। कुम्भकार उमा शंकर ने बताया कि मिट्टी लाने और दीए बनाने से लेकर पकाने में जो खर्च होता है। उसके हिसाब से लाभ नहीं हो पाता। दीए पकाने के लिए लकड़ियां भी अब जल्दी नहीं मिलती। जो ईंधन लगता है, वह काफी महंगा हो चुका है। ऐसे में लागत ही निकल आए, वहीं हमारे लिए बेहतर होता है, लाभ कमाने की तो बात ही नहीं। कम बनने लगे मिट्टी के दीए अब दीपावली पर लाखों की संख्या में बनने वाले दीए हजारों की संख्या में बनने लगे हैं। पहले दीपावली पर मिट्टी के दीये की बाजार में डिमांड भी हुआ करती थी, लेकिन अब वह डिमांड धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। अब कुम्हार का व्यापार और कला खत्म होती जा रही है। अगर कुम्हार समाज का ये व्यापार खत्म हो जाता है, तो वह अपने परिवार का पालन-पोषण भी नहीं कर पाएंगे। ऐसे में जो दीपावली उनके लिए पहले खुशियां लेकर आती थी, उसी दीपावली पर अब कुम्भकारों के चेहरे पर मायूसी दिखाई देती है अब आसानी से मिट्टी भी नहीं मिलती। कुम्भकार चंदन ने बताया कि, पहले शहर के बाहर निकलते ही मिट्टी मिल जाया करती थी, लेकिन अब शहरों की आबादी बढ़ने के साथ खाली जगह पर घर बन गई है। ऐसे में अब खाली जगह नहीं रहने से कुम्भकार को मिट्टी की समस्या से जूझना पड़ता है। मिट्टी के बर्तन बनाने के लिए मिट्टी बाहर से मंगानी पड़ती है, जो मिट्टी की ट्राली पहले 600 रूपए में मिल जाती थी। अब वही मिट्टी की ट्रॉली 4000 रुपए की आती है। इसके अलावा दीयों को पकाने के लिए गोबर के उपलों की जरूरत पड़ती है, जिसका उन्हें अब पहले की अपेक्षा ज्यादा दाम देना पड़ता है। लोग अपना पुश्तैनी काम भी छोड़ रहे छोड़कर आधुनिक जमाने में जी रहे है।

मिट्टी के बर्तन के जगह प्लास्टिक के गिलास और दोना ने ले ली है। इसलिए कुम्भकार समाज के युवा अपना पुश्तैनी कार्य मिट्टी के बर्तन, खिलौना, दीपक आदि बनाना छोड़ कर अन्य मेहनत मजदूरी के काम करने लगे हैं। कुछ ऐसे कुंभकार है जो अपना पुस्तैनी काम को जिंदा रखे हुए हैं।

लड़की बोली-शादी का वादा किया, प्रेग्नेंट हुई तो भाग गया

नवादा । आरोप है कि युवक ने एक लड़की को प्यार का झांसा देकर पांच महीने की गर्भवती होने के बाद छोड़कर फरार हो गया है। गुरुवार को पीड़िता ने महिला थाना में आवेदन देकर न्याय की

गुहार लगाई है। पांच महीने की गर्भवती लड़की ने महिला थाना में आवेदन देकर कहा है कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेलधारा गांव के रहने वाले राजेंद्र रविदास के बेटे शत्रुघ्न रविदास ने मेरे साथ एक साल पहले प्यार का झांसा देकर शादी का वादा किया था। फिर मेरे का शारीरिक संबंध बनाए। जब मैं गर्भवती हुई तो लड़के ने कहा शादी करेंगे और फिर परिवार के लोगों से भी मिलवाया था। परिवार के लोग पहले शादी के लिए राजी हो गए। वहीं, बाद में शादी करने से लड़का मुकर गया और फिर हमें छोड़कर फरार हो गया। अंत में थाना पहुंचकर आवेदन देकर लड़का के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। लड़की ने बताया कि लड़का अपनी बहन से मिलने के लिए बहन के ससुराल आता था। इस दौरान हमें प्यार का झांसा देकर शादी का वादा किया और फिर मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाकर गर्भवती होने के बाद छोड़कर फरार हो गया है। बता दें कि इस पूरे मामले पर महिला थाना प्रभारी अंशु प्रभारी ने कही कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

'जातिगत गणना की आर्थिक रिपोर्ट फर्जी

पटना। जन सुराज पदयात्रा के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने बिहार सरकार की ओर से पेश किए गए जातिगत जनगणना की आर्थिक रिपोर्ट के आंकड़ों को फर्जी बताया हैं। उन्होंने कहा कि मैं पदयात्रा करते समय रोज अपनी सभा में कहता हूं कि बिहार में 80% लोग यानी कि 100 में 80 आदमी दिन में 100 रुपए नहीं कमाते हैं। सरकार ने जो आंकड़े जारी किए हैं, वो जनता को बेवकूफ बनाने वाली बात है। हाउसहोल्डिंग कम है, ये इंडीविजुअल इनकम नहीं है। आगे उन्होंने कहा कि वर्ल्ड बैंक के आंकड़े उठाकर देख लीजिए, 80% बिहार के लोग दिन का 100 रुपया भी नहीं कमाते हैं। ये जानने

के लिए नीतीश कुमार के सर्वे की रिपोर्ट को देखने की जरूरत नहीं है। इंटरनेट पर ये डेटा पड़ा है। दुनिया के जो सबसे ऑथेंटिक डेटा सोर्स हैं वो इस सच्चाई को बता रहे हैं। नीतीश कुमार का फर्जी डेटा और क्लेम पढ़ने की जरूरत नहीं है। प्रशांत किशोर ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि भैया दिन की मजदूरी 300 रुपया है तो 100 रुपया कैसे है? मान लीजिए कि किसी परिवार में एक आदमी को मजदूरी मिली 300 रुपए और उस परिवार में 5 सदस्य हैं तो हर सदस्य के दिन में पड़ा 60 रुपए। इतना ही नहीं, आदमी को महीने में सिर्फ 15 दिन मजदूरी मिली तो 1 व्यक्ति की प्रति व्यक्ति आय मात्र 30 रुपए हुई। जब यहां के आदमी को समझ ही नहीं है तो क्या कहा जाए। उन्होंने कहा कि बिहार में नेता वही है जिसे न भाषा का ज्ञान हो न विषय का ज्ञान हो। जो शर्ट के ऊपर गंजी पहने उसी को समाज जमीनी नेता मानता है। जो जीवन में कभी स्कूल नहीं गया, फेल हुआ, सबसे पिछली बेंच पर बैठा, वही यहां का नेता है। विडंबना देखिए कि वही बताता है कि विकास हो रहा है। नेता को भले "विकास" में हरसई और दीर्घ ई की मात्रा लिखनी न आती हो, मगर वो विकास पर लंबा-चौड़ा भाषण दे रहा है।

बदायूं में प्रधान की सोते वक्त घर में हत्या

बदायूं । एक प्रधान की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी गई। गुरुवार देर रात इस हत्याकांड को अंजाम दिया। शुक्रवार सुबह परिवार को वारदात का पता चला। मौके पर पहुंची पुलिस ने फोरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को बुलाकर जांच कराई। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। ररढ डॉ. ओपी सिंह समेत कई सीनियर अफसर मौके पर पहुंचे। मौके पर जांच पड़ताल की। वारदात वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव लखनपुरा की है। प्रधान शिव चरण (60) गुरुवार रात को घर के आगे बने हुए कमरे में सोए हुए थे। कमरे का हाल ही में निर्माण हुआ था। ऐसे में इसमें दरवाजा नहीं लगा था। सुबह प्रधान के बेटे उठकर आए तो देखा कि चारपाई पर शिव चरण का खून से लथपथ शव देखा। इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक, रात में खाना खाने के बाद प्रधान कमरे में जाकर सो गए। प्रधान हर रोज सुबह जल्दी उठ जाते थे। आज जब वह नहीं उठे, तो घर वाले उन्हें जगाने पहुचे। जहां फर्श पर खून ही खून देख सभी के होश उड़ गए। चारपाई पर शिवचरण का शव पड़ा हुआ था। गर्दन धड़ से अलग थी। यह सबसे पहले बेटे ने देखा, इसके बाद वो चिल्लाते हुए दौड़ पड़ा। हत्या किसने, कब और क्यों की? इसका पता नहीं चल पाया। पुलिस प्रधान शिव चरण के दो बेटे-कृष्ण पाल और राकेश से पूछताछ कर रही है। कृष्ण पाल ने बताया कि पिता से कल रात को बात हुई थी। उनकी हाल-फिलहाल में किसी से कोई अनबन नहीं थी। उसके कमरे से करीब 20 फीट की दूरी पर पिता का कमरा है। यह अभी ही बनवाया गया था। पुलिस के मुताबिक, शिव चरण जिस कमरे में सोए थे, उसमें दरवाजा नहीं लगा था। सड़क से सीधे कोई भी उस कमरे में आ सकता था। ऐसे में पुलिस सभी एंगल पर जांच कर रही है। आशंका जताई जा रही है कि प्रधान की हत्या किसी करीबी ने ही की है। वहीं, परिवार ने गांव के ही नन्हे लोधी पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना के पीछे पुरानी रंजिश बताई है। ररढ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि जिस कमरे में शिव चरण की हत्या हुई है। उससे चंद कदम की दूरी पर ही बेटों के कमरे हैं। ऐसे में उनको आवाज तक सुनाई न देने की बात समझ में नहीं आ रही है।

नई दिशा: लाडली सिद्धि ने बच्चों को भेंट की शिक्षण सामग्री

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नपा कुशीनगर के वार्ड नं. 12 शहीद वीर अब्दुल हमीद नगर के भलुही मदारीपट्टी स्थित जूनियर हाईस्कूल में शुक्रवार को वार्ड वासी बुद्ध पीजी कॉलेज कुशीनगर में हिंदी के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ0 गौरव तिवारी की बिटिया लाडली सिद्धि ने अपने जन्मदिन पर नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान के सहयोग से चलाए जा रहे पढ़ेगा भारत : बढ़ेगा भारत अभियान को गति देते हुए बच्चों को शिक्षण सामग्री जैसे कॉपी, कलम इत्यादि भेंट कर पढ़ने और आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान बच्चों के साथ बिटिया ने केक भी काटा।अध्यक्षता कर रही प्रधानाध्यापिका सुधा कुमारी ने कहा कि ज्ञान दान सभी दान में श्रेष्ठ है। इस कार्य की जितनी सराहना की जाय कम है। बच्चों को शिक्षण सामग्री का लाभ उठाकर पढ़ने और आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने बिटिया को जन्मदिन की बधाई देते हुए आयोजन हेतु नयी दिशा और तिवारी परिवार को धन्यवाद दिया। डॉ0 गौरव तिवारी ने सभी का आभार प्रकट करते हुए बच्चों से शिक्षा के संदर्भ में किसी भी जरूरत हेतु निःसंकोच संपर्क करने का आग्रह किया। संचालन संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ0 प्रतिभा तिवारी, उत्सव, सुदर्शन, सुमित्रा देवी, रमावती देवी, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र उपस्थित रहे।

'डिंपल को भारतीय संस्कृति की मयार्दा का ध्यान नहीं': केशव प्रसाद मौर्य

झांसी। सपा सांसद डिंपल यादव के बिहार सीएम के विवादित बयान के समर्थन करने पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सपा पर तीखा हमला बोला है। डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा,"नीतीश कुमार के बयान की जितनी निंदा की जाए, जितनी आलोचना की जाए, वह कम होगी। उनका बयान असहनीय है। भाजपा उनके त्यागपत्र की मांग करती है। अगर उस बयान का डिंपल यादव समर्थन कर रही हैं तो मैं समझता हूं कि वह भारतीय संस्कृति की मान मयार्दा का ध्यान नहीं कर रही हैं।" केशव प्रसाद झांसी पहुंचे थे। डिंपल यादव के सेक्स एजुकेशन पर दिए बयान पर उन्होंने कहा,"जब उन्हें 2047 के बाद सरकार बनाने का मौका मिले तो इस पर बात करें। अभी 2047 तक बीजेपी है। सपा, बसपा और कांग्रेस हमारी विरोधी दल हैं। तीनों के खिलाफ हम लड़ाई लड़ रहे हैं। तीनों के खिलाफ हम 2014 से जीत रहे हैं। 2023 तो जीत ही रहे हैं, 2024 भी जीतेंगे।" डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा,"2023 में 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश समेत 4 जगहों पर कमल खिल रहा है। मध्य प्रदेश में बीजेपी की सरकार लगातार बन रही है और फिर से बनाने जा रहे हैं। राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस से छीन रहे हैं। 2023 सेमीफाइनल है। 2024 के फाइनल के लिए तैयारी उत्तर प्रदेश तो पहले से ही शुरू करके रखा है। यूपी की 80 लोकसभा सीटों पर बीजेपी विजयी प्राप्त करेगी। भाजपा की लहर और आंधी चल रही है। जनता ने मन बनाया है कि तीसरी बार मोदी सरकार।"

वनटांगिया गांव में दीपावली मनाएंगे सीएम योगी, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

गोरखपुर। जिले में जंगल तिनकोनिया नंबर तीन के वनटांगिया गांव में सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को दिवाली मनाएंगे। इसे लेकर प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। सीएम के आगमन की सूचना पर लोग अपने घरों को सजाने संवारने में जुटे हैं। वनटांगिया गांव में योगी आदित्यनाथ वर्ष 2009 से दिवाली मना रहे हैं। गोरखपुर-महराजगंज के 23 गांवों में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। वर्ष 1998 में योगी आदित्यनाथ पहली बार गोरखपुर के सांसद बने। तब उन्हें पता चला कि वनटांगिया गांवों में नक्सली अपनी गतिविधियों को अंजाम देना चाहते हैं। इस पर रोक लगाने के लिए वनटांगिया गांवों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाया गया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की संस्थाओं एमपी कृषक इंटर कॉलेज व एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ और गोरखनाथ मंदिर की तरफ से संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ अस्पताल की मोबाइल मेडिकल सेवा शुरू हुई। 2009 में जंगल तिकोनिया नंबर तीन में योगी के हस्तक्षेप से अस्थायी स्कूल बना। इसे हिंदू विद्यापीठ नाम दिया गया। तभी से यहां पर दीपोत्सव मनाने की परंपरा शुरू हुई। इसके बाद से हर साल सीएम योगी यहां पहुंचकर दीपावली मनाते हैं। बच्चों को मिठाई, कॉपी-किताब और आतिशबाजी का उपहार देकर पढने के लिए प्रेरित करते हैं।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रदेश पदाधिकारियों की मुख्यमंत्री के साथ बैठक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। पुरानी पेंशन बहाली ,शिक्षकों को कैसलेश चिकित्सा सुविधा , विशिष्ट बीटीसी 2004 बैच के शिक्षकों को केंद्र के समान मेमोरेंडम जारी करके पुरानी पेंशन से आच्छादित करने सहित अन्य शिक्षक समस्याओं पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ गुरुवार को बैठक की।मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ल व जिलाध्यक्ष अविनाश शुक्ल ने एक विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि महासंघ के पांच सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश प्रभारी महेंद्र कुमार के नेतृत्व में पुरानी पेंशन बहाली, शिक्षकों को राज्य कर्मचारियों की भांति कैसलेश चिकित्सा सुविधा , विशिष्ट बीटीसी 2004 बैच को पुरानी पेंशन से आच्छादित करने, प्राथमिक/उच्च प्राथमिक में पदोन्नति के बाद 17140/ 18150 का न्यूनतम वेतनमान देने, शिक्षकों को 20 लाख रुपए का सामूहिक तथा 40 लाख रुपए का दुर्घटना बीमा देने, शिक्षकों को प्रतिवर्ष 15 ईएल देने एवं परिषदीय विद्यालयों की अवकाश तालिका में पितृ विसर्जन, नवरात्र के प्रथम दिन एवं अष्टमी के अवकाश को शामिल करने, उच्च शिक्षा तथा माध्यमिक शिक्षा से सम्बंधित समस्याओं सहित अन्य मांगों पर उनके कालिदास मार्ग स्थित कार्यालय पर मुलाकात कर सकारात्मक वार्ता की।मुख्यमंत्री के द्वारा समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया गया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष निर्मला यादव, प्रदेश अध्यक्ष प्राथमिक संवर्ग अजीत सिंह, महामन्त्री भगवती सिंह व जोगेंद्र पाल सिंह उपस्थिति रहे।

निःशुल्क जांच शिविर में 300 मरीजों के नेत्रों की हुई जांच

संवाददाता

कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के गांव डुमरी चुरामनछपरा में शुक्रवार को राज कोकिल सेवा संस्थान के तत्वाधान में राज आई एवं हेल्थ केयर के डॉक्टर आलोक उपाध्याय अब्दुल आशुतोष चौधरी व अभिमुन्यु चौधरी की टीम द्वारा ग्रामीणों को निः शुल्क नेत्र जाँच व निदान केंद्र का आयोजन किया गया जिसमें 300 से अधिक मरीजों के आँखों की जाँच की गई। जिसमें 100 मरीज के आँखों में मोतियाबिंद की शिकायत मिली। जिसको संस्था द्वारा अपने साधनों के द्वारा बुलाकर निः शुल्क ऑपरेशन के लिए कहा गया । मरीजो की आंख की जांच कर दवा उपलब्ध कराने के साथ साथ उनको जरूरी सुझाव दिया गया और चस्मा उपलब्ध कराने की बात कही गई। डा0 उपाध्याय ने बताया कि आंख की मरिजो को हमेशा आंख की सफाई रखनी चाहिए और धुप में चस्मा का प्रयोग करें और धुल से बचाव करने की सुझाव दिया। इस दौरान आयोजन समिति के सदस्य राजकुमार मदेशिया, जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि सतवंत यादव, राजेश कुमार, सत्यम, शिवम, प्रमोद कुमार, महेश जयसवाल, रमेश कुमार, राजेश प्रताप सिंह मौजूद रहे।

बौद्ध धर्मगुरु ज्ञानेश्वर का धूमधाम से मना जन्मदिन

संवाददाता

कुशीनगर। बौद्ध धर्मगुरु, भिक्षु संघ के अध्यक्ष, म्यांमार बुद्ध बिहार के प्रमुख भदंत ज्ञानेश्वर का 88 वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। बौद्ध भिक्षुओं ने बुद्ध का विशेष पूजन अर्चन धम्म पाठ के साथ किया। केक काटा, गुलाब के लाल फूलों की वर्षा कर अपने गुरु के दीघार्यु की कामना की। जन्म दिवस के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शुक्रवार की सुबह भिक्षुओं ने बौद्ध धर्म गुरु के जन्मदिन पर महापरिनिर्वाण मन्दिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा के समक्ष पूजन अर्चन किया और चीवर दान किया। इसके पश्चात थाई, तिब्बत, श्रीलंका, जापान, कोरिया, ताईवान, कंबोडिया, म्यांमार आदि बुद्ध बिहारों के देशी, विदेशी भिक्षुओं, उपासकों व स्कूली छात्रों में जन्म दिवस पर म्यांमार मन्दिर से शोभायात्रा निकाली। शोभायात्रा नेशनल हाईवे होते हुए गांधी चौक पहुंची जहां से देवरिया मार्ग होते हुए दीवानी कचहरी, रामा भार पुल, बुद्धा मार्ग होते हुए म्यांमार मन्दिर पहुंची। इस अवसर पर जगह जगह यात्रा का स्वागत फूल बर्षा कर किया गया। श्रद्धालुओं ने पेयजल की बोतलें बांटी। यात्रा में लीन्ह सन इंटरमीडिएट कालेज, कुशीनगर पब्लिक स्कूल, मरजादी देवी इंटर कालेज आदि स्कूल शामिल रहे। जहां भन्ते ज्ञानेश्वर के जन्मदिन समरोह का आयोजन हुआ। अतिथियो सहित भिक्षुओं और उपासकों ने भन्ते ज्ञानेश्वर को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर परित्राण पाठ हुआ तथा उपासकों को त्रिशरण पंचशील दिया गया। इस अवसर पर विशाल भोज का आयोजन हुआ। इस दौरान भारत मे म्यांमार के राजदूत ऊ मोचो आऊ जी, माता जी दा ता तेन, भन्ते महेंद्र, भन्ते डा0 नन्द रतन, भन्ते शील प्रकाश,भन्ते नंदिका,भन्ते उपाली, भन्ते विश्वकीर्ति, विनय कीर्ति, भन्ते कबीर, भन्ते तेजेन्द्र, नपाप अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश कुमार जायसवाल, सभासद केशव सिंह, कमलेश शर्मा, राम आधार यादव, राम नगीना, टीके राय, शौकत अंसारी, दिनेश कुमार यादव, अम्बिकेश त्रिपाठी, विवेक गोंड, राजेश कुमार सिंह, ओमप्रकाश कुशवाहा, मनोज प्रजापति, किशोर निषाद, पीएन सिंह, आमोद सिंह मौजूद रहे।

गैंगस्टर में लिप्त महिला की 15 लाख की संपत्ति कुर्क

हापुड़। यूपी के जनपद हापुड़ में गैंगस्टर एक्ट के मामले में पुलिस ने आरोपी महिला की 15 लाख रुपए की संपत्ति को कुर्क कर दिया है। पुलिस ने एनाउंस कर संपत्ति को कुर्क किए जाने की घोषणा की है। पुलिस की कार्रवाई से कुख्यात अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है। सीओ आशुतोष शिवम ने बताया कि गांव देवली में दो अक्तूबर 2022 की सुबह करीब साढ़े छह बजे बाइक सवार बदमाशों ने निमार्णाधीन फैक्ट्री के पास बैठकर बात कर रहे वीरेंद्र भाटी पर फायरिंग की थी। जिसमें वीरेंद्र के अलावा शरफुद्दीन गोलियां लगने से घायल हो गए थे। जिनमें शरफुद्दीन की उपचार के दौरान मौत हो गई। विवेचना के दौरान घटना में मंयक उर्फ मिथुन निवासी गांव अटोरा, हिमांशु उर्फ शाका निवासी गांव मीवा, अंकित निवासी गांव रछौती, पूनम और नवीन फौजी निवासी गांव गोविंदपुरी जनपद मेरठ के नाम प्रकाश में आए थे। सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं उच्चाधिकारियों के निर्देश पर इन सभी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है। सीओ ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट के निर्देश पर मुख्य आरोपी पूनम का मेरठ में स्थित 139 वर्ग मीटर कुर्क किया गया है। जिसकी कीमत करीब 15 लाख रुपए है। इस अवसर पर सीओ आशुतोष शिवम, तहसीलदार सीमा सिंह, बहादुरगढ़ थाना प्रभारी संदीप मलिक आदि मौजूद रहे।

कांग्रेस के कुछ नेताओं को राम से नफरत: प्रमोद कृष्णम

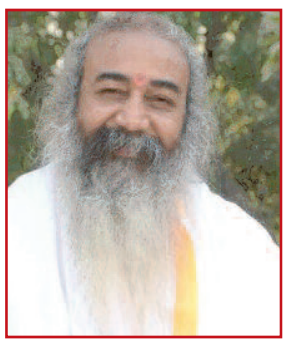

गाजियाबाद। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शुक्रवार को गाजियाबाद में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें राम मंदिर से नहीं, राम से भी नफरत है। हिन्दुत्व से नहीं, हिन्दू शब्द से नफरत है। वो हिन्दू धर्मगुरुओं का अपमान करना चाहते हैं। उनको अच्छा नहीं लगता कि कोई हिन्दू धर्मगुरु पार्टी में रहे।' गाजियाबाद के साहिबाबाद में शुक्रवार को अपने आवास पर अठक से बातचीत में प्रमोद कृष्णम ने कहा, 'जीसस को न मानने वाला ईसाई नहीं हो सकता। मोहम्मद को न मानने वाला मुसलमान नहीं हो सकता। ठीक उसी प्रकार जो राम से नफरत करता हो, वो हिन्दू नहीं हो सकता। सारी दुनिया जानती है राम मंदिर को रोकने के जो प्रयास हुए हैं, उससे करोड़ों सनातन धर्म को मानने वालों की आस्था को ठेस पहुंची है। मुझे नहीं लगता कि अब इस रहस्य पर कोई पर्दा गिरा रह गया है कि राम से नफरत कौन करता है।'

प्रमोद कृष्णम ने कहा कि 'मैं कांग्रेस पार्टी का हिस्सा हूं। इसका मतलब ये नहीं कि सच को सच और झूठ को झूठ न कहा जाए। कांग्रेस हिन्दू विरोधी नहीं है। वो महात्मा गांधी की पार्टी है। जिनकी हर प्रार्थना सभा की शुरूअत रघुपति राघव राजा राम...से होती थी। कांग्रेस अगर हिन्दू विरोधी होती तो महात्मा गांधी की फॉलोअर नहीं होती। राजनीति में भाषा सांकेतिक होती है। मेरी किसी से निजी दुश्मनी नहीं है। लेकिन जो मैंने महसूस किया है, वो ये कि कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें राम मंदिर से नहीं, राम से भी नफरत है। हिन्दुत्व से नहीं, हिन्दू शब्द से नफरत है।' पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने प्रमोद कृष्णम को स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल नहीं किया है। इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नाराजगी का तो कोई कारण नहीं है। हो सकता है कि उन्हें हिन्दुओं के समर्थन की जरूरत ना हो। किसी हिन्दू धर्मगुरु को स्टार प्रचारक बनाने का जो मकसद होता है, उन्हें उसमें कुछ कमी नजर आ रही हो। ये पार्टी का फैसला है।'

संक्षिप्त डायरी

बड़े बुजुर्गों की सेवा ईश्वर की सेवा है: राकेश जायसवाल

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के वार्ड संख्या 17 मणिपुरम नगर के सभासद विनय प्रताप राव ने अपने जन्मदिन पर यूपी भारत ग्रामीण विकास संस्थान व समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित वृद्ध जन आवास गृह में रह रहे बुजुर्गों को फल व खाद्य सामग्री भेंट किया गया। नगरपालिका कुशीनगर अध्यक्ष प्रतिनिधि ने इस अवसर पर कहा कि बड़े बुजुर्गों की सेवा ईश्वर की सेवा है। बुजुर्गों का सेवा व सहयोग अनुकरणीय है। हमें अपने माता पिता और बुजुर्गों की देख भाल करने के लिए जागरूक होना होगा। उन्होंने बुजुर्गों को हर तरह की सुबिधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। सभासद श्री राव व उनके मित्रों ने बुजुर्गों को फल व खाद्य सामग्री देकर उनका आशिर्बाद लिया। इस अवसर पर अभय सिंह, अंकुश, शैलेन्द्र राव, गिरिजेश सिंह, सभासद पवन जायसवाल, मनोज दीक्षित, अशोक कुमार सिंह, संतोष सिंह, राजू जायसवाल, पप्पू यादव सहित आश्रम परिवार के विकास श्रीवास्तव, रागिनी सिंह, सुजीत कुमार दास, मनोज पाण्डेय, रामा प्रजापति, अनिल पाण्डेय मौजूद रहे।

ए. एस. एम मॉडल एकेडमी खाता में दीपावली पर छात्र-छात्राओं ने बनाई रंगोली

संवाददाता

अमरोहा। ए. एस. एम मॉडल एकेडमी खाता में दीपावली का त्यौहार अत्यंत धूमधाम के साथ मनाया गया जिसमें छोटे बच्चों ने राम लक्ष्मण सीता और हनुमान जी की झांकी द्वारा श्री रामचंद्र के अयोध्या वापस आने की अत्यंत आकर्षक प्रस्तुत दी। साथी विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने पूर्ण उत्साह के साथ प्रतिभा किया बच्चों द्वारा एक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों ने वेस्ट पदार्थ द्वारा बहुत से संदर्भ में तैयार की रंगोली प्रतियोगिता को दो ग्रुप ए और बी में बांटा गया ग्रुप ए कक्षा तीन से पांच तक प्रथम स्थान कक्षा 4 के लव के ग्रुप में प्राप्त किया। द्वितीय स्थान कक्षा 3 के ध्रुव ने तथा तृतीय स्थान प्रथम3 स्थान पर कक्षा 6 के आदित्य सिंह के के ग्रुप में द्वितीय स्थान कक्षा 7 के दुष्यंत के ग्रुप में तथा तेरे स्थान कक्षा 6 के ग्रुप के ग्रुप में बुशरा के ग्रुप ने प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य आभा रस्तोगी ने बच्चों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। प्रबंधक वीरेंद्र कुमार गुप्ता ने बच्चों को उनके उत्कर्ष प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामनाएं के कार्यक्रम व संचालन चेतन सागर द्वारा एवं उर्मिला ने किया।

महिलाओं व बालिकाओं ने दीप प्रज्वलित कर दीपों की बनाई रंगोली

संवाददाता

हापुड़। जनपद हापुड़ में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल जागरूकता के लिए गांव दादरी स्तिथ ओवर हेड टैंक परिसर में जल दीपोत्सव हर्षोल्लास के साथ उत्साह से मनाया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत पानी समिति की महिलाओं व बालिकाओं ने दीप प्रज्वलित कर दीपों की रंगोली बनाई। कार्यक्रम का शुभारंभ आईएसए कॉर्डिनेटर विजेंद्र कुमार द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। गांव दादरी स्तिथ ओवर हेड टैंक परिसर में सायं पांच बजे ग्राम प्रधान रतन लाल सिंह व ग्राम पंचायत पानी समिति की महिलाओं व बालिकाओं ने दीप प्रज्वलित कर दीपों की रंगोली भी बनाई। किए। वहीं आईएसए कॉर्डिनेटर ने रंगोली बनाने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर ग्रामीण विकास ट्रस्ट के सदस्य बलजीत सिंह, कुसुम शर्मा, रजनी बाला, ज्योति कुमारी, उपेंद्र सिंह व सौरभ मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने फूंका नीतीश का पुतला

मुरादाबाद । भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारियों ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ कमिश्नर कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। नारेबाजी करते हुए नीतीश के पुतले को आग लगाई। भाजपा किसान मोर्चा पश्चिमी यूपी के महामंत्री दिनेश सिंह की अगुवाई में भाजपा कार्यकताओं ने प्रदर्शन किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के प्रति की गई अमर्यादित टिपणी से गुस्साए भाजपाइयों ने जमकर नाराबाजी की। भाजपा कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और साथ ही नारेबाजी करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी कमिश्नर को सौपा। इसमें नीतीश कुमार के इस्तीफे की मांग की गई है। दो दिन पूर्व विधानसभा में अपने भाषण के दौरान सेक्स को लेकर की गई नीतीश कुमार की अमर्यादित टिपणी को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है।

और नजदीकियां

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पांचवें भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के बीच बातचीत में भारत और भूटान ने बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। यह ज्यादा द्विपक्षीय ढंग से संचालित क्षेत्रीय पहलकदमियों की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेतक है। संयुक्त बयान भूटान को असम से जोड़ने वाले कोकराझार-गेलेफू रेल लिंक का सर्वेक्षण पूरा करने, और भूटान व पश्चिम बंगाल के बीच एक और रेल लिंक पर चर्चा शुरू करने, साथ ही एक अन्य रेल लिंक के जरिए भूटान-बांग्लादेश व्यापार को आसान बनाने, और भारत-भूटान सीमा पर चेक नाकों को उन्नत बनाने की बात करता है। ये योजनाएं उस भविष्य की अग्रसूचना देती हैं जिससे इस क्षेत्र, जिसमें पश्चिम बंगाल व पूर्वोत्तर और भूटान का दक्षिणी व पूर्वी जोंगखा (जिले) शामिल हैं, के विकास की कहानी काफी बदल सकती है। भूटान की अर्थव्यवस्था पनबिजली और पर्यटन से होने वाली आमदनी पर निर्भर रही है और इसे कोविड-19 महामारी के अलावा ग्लोबल वॉर्मिंग को लेकर चिंताओं ने खास तौर पर नुकसान पहुंचाया है। मौकों की कमी की वजह से शिक्षित युवाओं और पेशेवरों ने देश से पलायन भी किया है। असम से लगी भूटान की दक्षिणी सीमा पर विशेष आर्थिक क्षेत्र, और गेलेफू में हवाई अड्डा बनाने के लिए, नरेश द्वारा प्रस्तावित नयी परियोजना से देश में विकास और निवेश बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, 2020 में बांग्लादेश के भूटान के साथ हुए तरजीही व्यापार समझौते से भूटान के स्थानीय उपजों का निर्यात बढ़ सकता है और इस उप-क्षेत्र में भारतीय व बांग्लादेशी उत्पादकों के लिए और ज्यादा बाजार निर्मित हो सकता है। भारत का ऊर्जा एक्सचेंज और ज्यादा संख्या में भूटानी और नेपाली पनबिजली आपूर्तिकताओं को ऑनलाइन ला रहा है। अब वह बांग्लादेश और श्रीलंका में ऊर्जा वितरण की योजना बना रहा है, जिससे इस इलाके में आर्थिक वृद्धि और आमदनी बढ़ेगी। इससे पूर्वोत्तर के साथ आर्थिक खाई को पाटने की नयी दिल्ली की कोशिश को भी ताकत मिलेगी। इस दौरान वह विश्व बैंक जैसे विकास-में-भागीदारों और जापान जैसे दाता देशों को एक उप-क्षेत्रीय हब के सृजन में साथ ले सकेगी। लिहाजा, दक्ष और समयबद्ध क्रियान्वयन ऐसी महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए सबसे अहम है। पाकिस्तान के साथ भारत के मसलों और 2021 के तख्तापलट के लिए म्यांमार पर लगे प्रतिबंधों ने पूरब के साथ व्यापार और जमीनी कनेक्टिविटी की राह रोक रखी है। इसे देखते हुए, भारत की परिधि पर स्थित दूसरे देशों के साथ कनेक्टिविटी, बाजार और ऊर्जा लिंक बनाने के लिए काम करना, सबसे टिकाऊ तरीका हो सकता है। लंबी अवधि की बात करें तो, भू-राजनीतिक संघर्ष और भूमंडलीकरण-विरोधी रुझान क्षेत्रीय समूहों को ज्यादा एकजुट बनने पर मजबूर कर रहे हैं। लेकिन दक्षिण एशिया अभी तक यह चीज हासिल नहीं कर पाया है। चूंकि दक्षिण एशियाई व्यापार, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और रणनीतिक संबंधों में चीन के जोर लगाने से भारत चिंतित है, जिसमें डोकलाम और भारत के चिकेन नेक (सिलीगुड़ी कॉरिडोर) पर लटकी भूटान-चीन सीमा समझौते की तलवार की चिंता भी शामिल है, इसलिए ये ऐसी योजनाएं हैं जो इसमें शामिल देशों के लिए ज्यादा सुरक्षा और समृद्धि की राह खोलेंगी।

नो पॉलिटिक्स प्लीज

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पंजाब सरकार की ओर से दायर एक याचिका की सुनवाई करते हुए राज्यपालों की भूमिका पर जो कुछ कहा, वह सभी संबंधित पक्षों के लिए चेतावनी की तरह है। भले ही सुप्रीम कोर्ट ने अभी उन सबको आत्मावलोकन की सलाह भर दी हो, लेकिन यह स्थिति सचमुच चिंताजनक है कि राज्यपालों से सामान्य जिम्मेदारी का निर्वाह कराने के लिए भी राज्य सरकारों को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। आखिर विधानसभा में पारित विधेयकों को मंजूरी देना राज्यपाल का संवैधानिक दायित्व है। उसकी प्रक्रिया भी पहले से तय है। राज्यपाल या तो उसे राज्य सरकार को दोबारा विचार के लिए लौटा सकते हैं या फिर उसे राष्ट्रपति के पास भेज सकते हैं। किसी भी स्थिति में उन बिलों को लटकाए रखने का भला क्या औचित्य हो सकता है। और यह अकेले पंजाब का मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में तेलंगाना की सरकार भी राज्यपाल के खिलाफ ऐसी ही शिकायत लेकर सुप्रीम कोर्ट आई थी। केरल और तमिलनाडु दो और राज्य हैं, जो इसी कतार में खड़े नजर आते हैं। केरल की ओर से सीनियर एडवोकेट केके वेणुगोपाल ने सीजेआई की बेंच के सामने अर्जेंट लिस्टिंग की अर्जी डाल रखी है जबकि तमिलनाडु के मामले पर इसी महीने की 10 तारीख को सुनवाई होनी है। गौर करने की बात यह है कि इन सभी राज्यों में गैर बीजेपी दलों की सरकार है। स्वाभाविक ही पहला संदेह यही होता है कि कहीं राज्यपालों की इस भूमिका के पीछे राजनीतिक समीकरणों की तो कोई भूमिका नहीं है। यह भूमिका हो या न हो, ऐसा विवाद पैदा होना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस तरह के मामलों में तो सभी पक्षों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए ताकि गलती से भी यह संकेत न जाए कि देश में संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में राजनीति आड़े आ रही है। साफ है कि इस कसौटी पर शासन तंत्र अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं दिखा पा रहा। हालांकि इसके लिए किसी भी एक पक्ष पर पूरा दोष नहीं डाला जा सकता। अगर पंजाब की ही बात करें तो बिलों को मंजूरी मिलने में हुई देरी का सवाल अपनी जगह जायज हो सकता है, लेकिन विधानसभा की बैठकों के बीच तीन महीने के अंतराल का भला क्या औचित्य हो सकता है।

Social Media Corner

सच के हक में...

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता पद्मनाभ बालकृष्ण आचार्य जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। आचार्य जी का संपूर्ण जीवन जनसेवा, विचारधारा और संगठन को समर्पित रहा। उनका जाना संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और पूर्वोत्तर भारत के लिए आपके द्वारा किए गए कार्य अविस्मरणीय हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि परिजनों को संबल प्रदान करें व दिवंगत पुण्यात्मा को श्री चरणों में स्थान दें। ॐ शांति!

(भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के ट्विटर अकाउंट से)

आदिवासी, दलित और ओबीसी समाज का विरोध करना @INCIndia की आदत रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने के लिए कांग्रेस ने पूरे ओबीसी समाज का अपमान किया। कांग्रेस ने देश के पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी का विरोध किया। अब कांग्रेस, देश के पहले दलित मुख्य सूचना आयुक्त का बहिष्कार कर अपनी दलित विरोधी मानसिकता का परिचय दे रही है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

यमराज की पूजा का पर्व है धनतेरस

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर पर 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आह्वान किया जाता है।

धनतेरस का त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए मनाया जाता है। दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदें। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर पर 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है, वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चौक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आह्वान किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन

खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावड़ी, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। धनतेरस को धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश-लक्ष्मी की मूर्ति घर लाई जाती हैं। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मरण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दू धर्म में ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्तान होने से आपस में भाई-बहन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते हैं। धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता है। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रुई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करे हीं, साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोड़कर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा भी है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। देव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होंने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक-दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार के प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेंट करता है, उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं। चूंकि यह समृद्धि का त्योहार है, इसलिए लोग अपने घरों को भी साफ करते हैं, उन्हें एक नया रंग देते हैं और कई तरह से सजाते हैं। धनतेरस हर किसी को समृद्ध और अच्छे स्वास्थ्य का एहसास कराता है। दीपावली धन से ज्यादा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर आधारित त्योहार है। दीपावली एक ऐसा त्योहार है जिसके अपने पर्यावरणीय निहितार्थ हैं। मौसम में बदलाव और दीपपर्व में घनिष्ठ सम्बन्ध है। इसे समझते हुए कृपया दीपावली पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियां न करें।

लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।

चुनाव में ही कांग्रेस को क्यों याद आते हैं मंदिर

भारतीय राजनीति में मुस्लिम तुष्टिकरण को चुनाव जीतने का मंत्र मन जाता रहा है किन्तु 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनने और फिर सुप्रीम कोर्ट द्वारा अयोध्या पर मंदिर के पक्ष में ऐतिहासिक निर्णय दिए जाने के बाद स्थितियों में बड़ा बदलाव आया है। कुछ वर्ष पूर्व तक भारतीय जनता पार्टी की ओर से नारा लगाया जाता था, ह्लरामलला हम आएंगे मंदिर वहीं बनाएंगेह्व और विरोधी दल पलटवार करते हुए कहते थे, ह्लरामलला हम आएंगें मंदिर वहीं बनाएंगें किंतु तारीख नहीं बताएंगेह्व। अब सब कुछ परिवर्तित हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आ जाने के बाद अयोध्या नगरी में दिव्य-भव्य गगनचुम्बी राम मंदिर का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर अग्रसर है। रामलला के विराजमान होने की तिथि भी आ गई है। आगामी 22 जनवरी 2024 को प्रभु श्रीराम अपने अस्थायी मंदिर से नए मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित होने

जा रहे हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव प्रचार में भाजपा के सभी प्रचारक अयोध्या की बात कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में इस वजह से कांग्रेस असहज महसूस कर रही है। वजह यह है कि भापजा की ओर से अब केवल यह कहा जा रहा है कि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में सबसे बड़ी बाधक कांग्रेस ही रही है । प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित बड़े नेता चुनाव सभाओं में जनता-जनार्दन को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित कर रहे हैं । छत्तीसगढ़ में भारतीय जनता पार्टी का चुनाव घोषणापत्र जारी करते हुए शाह ने कहा कि 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन करेंगे। छत्तीसगढ़ में रामलला दर्शन योजना शुरू की जाएगी।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक जनसभा में कहा कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण देश में रामराज्य का आरम्भ होगा, जहां जाति और धर्म के आधार पर कोई भेदभाव नहीं होगा। राजस्थान में भी भाजपा की ओर से समग्र हिन्दुत्व की विचारधारा व उसके विकास को समाहित करते हुए चुनाव प्रचार किया जा रहा है। राजस्थान में नाथ संप्रदाय का बहुत महत्व है और जनसंख्या के आधार पर कुछ सीटों पर वह असरकारी भी है। यही कारण है कि योगी अपना चुनाव अभियान अजमेर में उसी जगह से प्रारम्भ किया जहां पर प्रशासन ने 300 साल पुराने एक शिव मंदिर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तारीख घोषित होने से सेक्युलर दलों में तनाव है और यही कारण है कि उनकी ओर से भी लगातार अजब-गजब बयान आ रहे हैं। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के कारण मुस्लिम समाज को भड़काने का प्रयास किया जा रहा है। हताश कांग्रेस ,सपा, बसपा सहित आदि के नेता कहने लगे हैं कि राम तो सभी के हैं। इस बीच भारत जोड़ो यात्रा के दौरान हिंदू बनाम हिंदुत्व और तपस्वी बनाम पुजारी में घृणित और विकृत मानसिकता के साथ भेद पैदा करने वाले राहुल गांधी अब अपने आप को उदार हिंदू के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं। उनका राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान अचानक केदारनाथ जाना इसी ओर इशारा करता है। राहुल गांधी के बारे में सभी जानते हैं कि वह विदेशों में जाकर हिंदू धर्म का अपमान ही करते हैं। मंदिरों के विषय में विकृत बयानबाजी करते रहे हैं। राहुल गांधी यह तक कह चुके हैं कि हिंदू लोग मंदिरों में लड़कियां छेड़ने जाते हैं। अब राहुल गांधी हिंदू समाज को विभाजित करने के लिए जातिगत जनगणना का अभियान भी चला रहे हैं। जब ज्ञानवापी प्रकरण में हिंदू पक्षकारों ने शिवलिंग मिलने का दावा किया तब कांग्रेस उसे फव्वारा बता रही थी । तमिलनाडु के द्रमुक नेताओं द्वारा सनातन हिंदू समाज के उन्मूलन की बात पर गांधी परिवार को सांप सूंघ गया था। अब अचानक ऐसा क्या हो गया कि राहुल गांधी अपना सारा काम छोड़कर केदारनाथ धाम पहुंच गए। छत्तीसगढ़ की राजनीति में महादेव ऐप का विवाद चल रहा है जिस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि घोटालेबाजों ने महादेव को भी नहीं छोड़ा। संभवतः उनकी इसी बात का असर हुआ और राहुल गांधी केदारनाथ धाम पहुंच गए। मगर राहुल इससे कोई चमत्कार नहीं कर पाएंगे। वैसे भी जब चुनाव आते हैं कांग्रेस नेताओं को तभी मंदिर याद आ जाते है। यह बात देश की जनता अच्छी तरह से जानती है। कर्नाटक चुनाव में भी प्रियंका और राहुल मंदिर दर्शन करने गए थे। कर्नाटक कांग्रेस ने जय बजरंगबली नारे के जवाब में एक हजार हनुमान मंदिर बनवाने का वादा किया था किंतु अभी तक वहां केवल मुस्लिम तुष्टिकरण ही देखने को मिला है। लोग कह रहे हैं कि राहुल गांधी की विदेश यात्राओं की तरह उनके मंदिर दर्शन भी संदिग्ध हैं।

महिला हॉकी की नर्सरी है झारखंड

रूर ऑफ इंडिया के उपनाम से मशहूर झारखंड की रत्नगर्भा भूमि खनिजों के साथ खेल प्रतिभाओं के लिए भी विख्यात है। जनजातीय बहुल झारखंड के आदिवासी महिला हॉकी खिलाड़ियों ने शारीरिक क्षमता, परिश्रम, अनुशासनप्रियता, सहनशीलता व जुनून के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। गत चार दशकों से झारखंड महिला हॉकी की नर्सरी के रूप में प्रसिद्ध है। झारखंड महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी इसकी बानगी है। जहां ओलंपियन सलीमा टेटे 'प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट' बनीं, वहीं फारवर्ड खिलाड़ी संगीता कुमारी देश की ओर से सर्वाधिक छह गोल दाग 'राइजिंग प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट' रहीं। सलीमा सिमडेगा जिले की बड़कीछापर और संगीता करंगागुड़ी गांव की रहनेवाली हैं। टीम में राज्य की पहली महिला हॉकी ओलंपियन हेसल (खूंटी) निवासी निक्की प्रधान और करंगागुड़ी की ब्यूटी डुंगडुंग भी शामिल रहीं। बर्थडे ब्वॉय विराट कोहली के इडेन में 49वें शतक जमाकर सचिन तेंडुलकर के सर्वाधिक शतक के रिकॉर्ड की बराबरी का जश्न देशभर में मन रहा था, तब रांची के मोरहाबादी में हॉकी प्रेमियों का हुजूम उमड़ पड़ा था। सात हजार की क्षमता वाले स्टेडियम में 12 हजार की उपस्थिति और स्टेडियम के बाहर लगभग 20 हजार दर्शकों की भीड़ थी। दर्शकों की दीवानगी देखने लायक थी। हॉकी के एक दिग्गज की टिप्पणी थी कि महिला हॉकी को लेकर ऐसा जुनून दुनिया में और कहीं नहीं है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी फेडरेशन के अध्यक्ष तैयब इकराम व हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री दिलीप तिर्की ने भी दर्शकों की प्रशंसा की। आयोजन को सफल बनाने में झारखंड सरकार ने कोई कसर नहीं छोड़ी। अगले वर्ष जनवरी में हॉकी क्वालिफायर की मेजबानी भी झारखंड को मिली है। इस प्रतियोगिता के आधार पर पेरिस ओलिंपिक के लिए तीन टीमों को प्रवेश दिया जायेगा। झारखंड 'महिला हॉकी की नर्सरी' से महिला हॉकी का मक्का बनने की ओर अग्रसर है। अविभाजित बिहार के जमाने से खूंटी, सिमडेगा गुमला व रांची की महिला हॉकी खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय फलक पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करायी है। इसका उत्कृष्ट उदाहरण राजकीय बालिका उच्च विद्यालय (अब सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस गर्ल्स, बरियातु) है, जहां से पांच दर्जन से अधिक अंतरराष्ट्रीय महिला हॉकी खिलाड़ी निकले हैं। इसमें ओलंपियन निक्की प्रधान, सीनियर टीम की कप्तान सुमराय टेटे व असुंता लकड़ा, जूनियर टीम की कप्तान दयामनी सोय, हेलेन सोय, आसरिता लकड़ा, पुष्पा टोपनो व पुष्पा प्रधान शामिल हैं। हॉकी झारखंड के आदिवासी समाज के जीवन में रचा-बसा है। खूंटी, सिमडेगा, गुमला व रांची के सुदूर ग्रामीण इलाके में भी हॉकी के खस्सी-मुर्गा टूनार्मेंट बड़े पैमाने पर आयोजित किये जाते हैं। विधिवत रूप से महिला हॉकी की शुरूआत 1974-75 से माना जाता है। बिहार सरकार ने खेल प्रतिभाओं को तलाशने-तराशने के लिए राज्य खेल परिषद का गठन किया था। साल 1975-76 में राजकीय बालिका उच्च विद्यालय, रांची और उसुर्लाइन स्कूल, गुमला में आदिवासी लड़कियों के लिए हॉकी प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गयी। कुलवंत सिंह ने पहले बैच के तहत प्रशिक्षण के लिए 33 लड़कियों का चयन किया गया। अखिल भारतीय ग्रामीण खेलकूद, अखिल भारतीय स्कूली खेलकूद और अखिल भारतीय महिला महोत्सव में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा दिखाना प्रारंभ किया, लेकिन हॉकी संघ नहीं होने के कारण इन खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में स्थान नहीं मिल पा रहा था। साल 1982 में दिल्ली एशियाड के बाद अवधेश कुमार, बीएन प्रसाद, मो मोहिउद्दीन, मृदुला सिन्हा और आर लाल चेयरमैन ने बिहार महिला हॉकी संघ की स्थापना की।

युद्धविराम

इजरायल द्वारा गाजा पर बमबारी करने का दूसरा महीना शुरू होने जा है और संयुक्त राष्ट्र ने 2.3 मिलियन आबादी वाली इस छोटी सी भूमध्यसागरीय पट्टी को हजारों बच्चों का मरघट और बाकी बचे लोगों के लिए एक जिंदा नरक कहा है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, 7 अक्टूबर को कम से कम 1,400 इजरायली लोगों की जान लेने वाले हमास के सीमा-पार हमले के बाद शुरू हुए इजरायल के हमले में कम से कम 10,000 लोग मारे गए हैं। मारे गए लोगों में कई महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। इजराइल के हमले से करीब 1.5 मिलियन लोग विस्थापित भी हुए हैं। इजरायल ने एक मिलियन से ज्यादा गाजावासियों को दक्षिण की ओर जाने का आदेश दिया और फिर उस इलाके पर बमबारी जारी रखी। ऊंची-ऊंची इमारतें जमींदोज हो गई हैं और उत्तरी गाजा के आसपास के इलाके मलबे में तब्दील हो गए हैं। शरणार्थी शिविरों, स्कूलों, अस्पतालों और एम्बुलेंसों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। इसको देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने व्यग्रतापूर्वक युद्धविराम और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का सम्मान करने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, बीते चार सप्ताह के दौरान गाजा में मारे गए लोगों में 89 संयुक्त राष्ट्र सहायता कर्मी भी शामिल हैं जो हमारे संगठन के इतिहास के किसी भी तुलनात्मक अवधि मेंह्व सबसे ज्यादा है। इस युद्ध ने दुनिया भर, खासकर अरब की गलियों, में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन को जन्म दिया है। लेकिन इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने युद्धविराम तो दूर, मानवीय विराम की मांग को भी खारिज कर दिया है। इजराइली सैनिकों ने अब घनी आबादी वाले हमास के गढ़ गाजा शहर को घेर लिया है और वे आतंकवादियों के साथ सड़कों पर लड़ाई में मुब्तिला हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

THE PHOTON NEWS

केंद्र सरकार ने 11.5 करोड़ लोगों के पेन कार्ड बंद किए, अब देना होगा जुर्माना

- पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की तारीख 30 जून थी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने 11.5 करोड़ पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं होने की वजह से बंद कर दिए हैं। एक आरटीआई के जवाब में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने बताया कि पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करने की तारीख 30 जून थी। देश में पैन कार्ड की संख्या 70.24 करोड़ तक पहुंच गई थी, इनमें से 57.25 करोड़ लोगों ने पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक कराया था। करीब 12 करोड़ लोगों ने तय समय में आधार को पेन कार्ड से `` लिंक नहीं कराया है। इनमें से 11.5 करोड़ लोगों के कार्ड निष्क्रिय कर दिए गए हैं। यह आरटीआई मध्य प्रदेश के आरटीआई कार्यकर्ता चन्द्रशेखर गौड़ ने दाखिल की थी। बताया गया कि नए पैन कार्ड बनवाते समय ही आधार से लिंक कर दिए जाते हैं। यह आदेश उन लोगों के लिए जारी किया गया है, जिन्होंने 1 जुलाई 2017 से पहले पैन कार्ड बनवाया था। आयकर अधिनियम की धारा 139एए के तहत पैन कार्ड और आधार को लिंक करना अनिवार्य कर दिया गया है। इस आदेश के तहत, जो लोग पैन-आधार लिंक नहीं करा पाते हैं, वे 1000 रुपये का जुर्माना देकर अपना कार्ड दोबारा सक्रिय करा सकते हैं। गौड़ ने कहा कि नया पैन कार्ड बनाने की फीस केवल 91 रुपये है। फिर सरकार इससे अधिक शुल्क क्यों ले रही है। कार्ड दोबारा एक्टिवेट कराने पर लगेगा 10 गुना जुर्माना? लोग इनकम टैक्स रिटर्न भी दाखिल नहीं कर पाएंगे। सरकार को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए। सीबीडीटी के मुताबिक ऐसे लोग इनकम टैक्स रिफंड का दावा नहीं कर पाएंगे। डीमैट खाता नहीं खोला जा सकता है और म्यूचुअल फंड यूनिट खरीदने के लिए 50,000 रुपये से अधिक का भुगतान नहीं किया जा सकता है।

शेयर खरीदने और बेचने के लिए आप 1 लाख रुपये से ज्यादा का भुगतान नहीं कर पाएंगे। वाहन खरीदने पर आपको ज्यादा टैक्स देना होगा। बैंक में एफडी और सेविंग अकाउंट के अलावा कोई खाता नहीं खुलेगा। क्रेडिट और डेबिट कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे। आप बीमा पॉलिसी प्रीमियम के लिए 50,000 रुपये से ज्यादा का भुगतान नहीं कर पाएंगे। प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त पर ज्यादा टैक्स लगेगा।

गेमिंग कंपनी यूनिटी कर सकती है नौकरियों में छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

गेम डेवलपमेंट सॉफ्टवेयर कंपनी यूनिटी ने घोषणा की है कि वह लागत-बचत उपायों के हिस्से के रूप में छंटनी करेगी। कंपनी ने कहा कि कई हफ्ते पहले, उन्होंने उन प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करने के लिए अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का व्यापक मूल्यांकन शुरू किया जो उनके कस्टमर्स के लिए सबसे मूल्यवान हैं। तीसरी तिमाही की आय रिपोर्ट में, यूनिटी ने कहा कि वह सही लागत संरचना का भी मूल्यांकन कर रही है जो अधिक केंद्रित पोर्टफोलियो के साथ संरेखित हो। कंपनी ने कहा, हम तेजी से कार्रवाई कर रहे हैं और अगले कुछ हफ्तों में अंतिम निर्णय लेने की उम्मीद है। हम इस तिमाही के भीतर योजना को शुरू करने की उम्मीद करते हैं और 2024 की पहली तिमाही के अंत से पहले सभी इंटरवेंशन पूरा करेंगे। गेम डेवलपर ने कहा, इस कदम में संभवतः कुछ प्रोडक्ट पेशकशों को बंद करना, हमारे कार्यबल को कम करना और हमारे ऑफिस फुटप्रिंट को कम करना शामिल होगा। कंपनी ने कहा कि इन इंटरवेंशन के सटीक समय का अनुमान लगाना मुश्किल है, यह चौथी तिमाही या पूरे साल 2023 के लिए मार्गदर्शन प्रदान नहीं कर रहा है। सितंबर में, यूनिटी ने एक नए मूल्य निर्धारण मॉडल की घोषणा की जिसे डेवलपर्स से प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा। अक्टूबर में, यूनिटी के सीईओ जॉन रिकसिटिलो ने अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की और गेमिंग कम्युनिटी के आक्रोश के बाद कंपनी ने अपने मूल्य

निर्धारण मॉडल में संशोधन किया। कंपनी ने कहा, बोर्ड एक स्थायी सीईओ की पहचान करने के लिए एक लीडिंग एग्जीक्यूटिव सर्च फर्म की सहायता से एक व्यापक खोज प्रक्रिया शुरू करेगा। कंपनी ने कहा, बोर्ड एक स्थायी सीईओ की पहचान करने के लिए एक व्यापक खोज प्रक्रिया शुरू करेगा।

इस दिवाली ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड का उपयोग करके पिनकोड पर खरीदारी कर सकते हैं यूजर

नई दिल्ली:

ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) पर विकसित एक स्थानीय शॉपिंग ऐप पिनकोड ने शुक्रवार को घोषणा की कि ग्राहक ऐप पर नए लॉन्च किए गए ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड का उपयोग करके त्योहारी खरीदारी के अपने अनुभव को बेहतर बना सकते हैं। पहली बार, पिनकोड ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड की पेशकश कर रहा है, जो यूजरों को इस दिवाली खरीदारी करने का एक सहज और सुविधाजनक तरीका प्रदान कर रहा है। ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड परिवर्तनीय मूल्यों वाला एक प्रीपेड रुपे कार्ड है। संगठन अपनी विभिन्न आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें अपने कर्मचारियों को वितरित कर सकते हैं। पिनकोड के सीईओ विवेक लोहचेब ने कहा, ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड हमारे यूजरों को विभिन्न श्रेणियों में स्थानीय दुकानों से उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला में से चुनने की आजादी देता है। हमारे यूजर अब ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड के साथ खरीदारी करने, उपहार देने और जश्न मनाने की आजादी के साथ पिनकोड ऐप पर दिवाली की भावना को अपना सकते हैं।

यह अभिनव पेशकश यूजरों के ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड को प्रीपेड रुपे डेबिट कार्ड की तरह बना देती है, जिससे कार्ड पर लोड की गई निर्दिष्ट राशि के लिए लेनदेन संभव हो जाता है। विशेष रूप से, इसमें कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा नहीं है, जिससे यूजरों को अपनी उत्सव की खरीदारी का अधिकतम लाभ उठाने के लिए लचीलापन और स्वतंत्रता मिलती है। ओएनडीसी के एमडी और सीईओ टी. कोशी ने कहा, इस त्योहारी सीज़न में, हमारा उद्देश्य पूरे देश में यूजरों को एक अद्वितीय खरीदारी अनुभव प्रदान करना है जो न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाता है बल्कि घरेलू ब्रांडों को भी बढ़ावा देता है और छोटे विक्रेताओं का समर्थन करता है। ओएनडीसी समान पहुंच और ऑनलाइन कारोबार में आगे बढ़ने की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को लेकर दृढ़ है।

पिनकोड ऐप पर ओएनडीसी गिफ्ट कार्ड का उपयोग किसी भी श्रेणी की खरीदारी के लिए किया जा सकता है, जो यूजरों के लिए व्यापक खरीदारी अनुभव सुनिश्चित करता है - चाहे वह भोजन, किराना, इलेक्ट्रॉनिक्स या फैशन हो, कार्ड ढेर सारे विकल्प प्रदान करता है।

ब्लैक बॉक्स ने नए उत्कृष्टता केंद्र के साथ भारत में उपस्थिति मजबूत की

नई दिल्ली।

एक विश्वसनीय आईटी समाधान प्रदाता ब्लैक बॉक्स लिमिटेड (पूर्व में एजीसी नेटवर्क्स) ने बेंगलुरु में अपने नए उत्कृष्टता केंद्र के उद्घाटन की घोषणा की है। ब्लैक बॉक्स प्रौद्योगिकी और खुदरा क्षेत्र में काम करता है तथा एस्सार के प्रमुख निवेशों में से एक है।यह अत्याधुनिक सुविधा एक महत्वपूर्ण उन्नयन का प्रतिनिधित्व करती है, जो कर्मचारियों को सहयोग और व्यावसायिक संचालन के अनुकूलन के लिए एक अद्वितीय वातावरण प्रदान करती है। प्रभावशाली 50 हजार वर्ग फुट में फैली इस सुविधा में अत्याधुनिक आइएंडडी प्रयोगशालाएं, कमांड सेंटर, क्लाइंट-अनुरूप ऑफशोर डिलीवरी सेंटर और समर्पित गोष्ठि कक्ष हैं, जो सभी टीमों और क्षेत्रों में टीम वर्क को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इस नई सुविधा की शुरूआत के साथ, ब्लैक बॉक्स अपने सेवा पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है। उसकी सेवाओं में कार्यक्रम प्रबंधन, समाधान अभियांत्रिकी और प्रबंधित सेवाएं शामिल हैं। कंपनी ने एक वैश्विक रिसेपॉन्स सेंटर के रूप में सेवा करते हुए, अपने मूल्यवान ग्राहकों के लिए सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला सुनिश्चित की है। नए केंद्र पर टिप्पणी करते हुए ब्लैक बॉक्स लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक और ब्लैक बॉक्स कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष एवं सीईओ संजीव वर्मा ने कहाः हम डिजिटल बुनियादी ढांचे के समाधान में उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ब्लैक बॉक्स में यह रोमांचक समय है क्योंकि हम इसके लिए तत्पर हैं। इस रणनीतिक केंद्र से हम अपने वैश्विक ग्राहकों को सेवा दे रहे हैं। यह उत्कृष्टता केंद्र कर्मचारियों को अपने कार्यों को अधिक कुशलता से करने और ग्राहक उत्कृष्टता का समर्थन करने में सक्षम बनाएगा। अपनी वैश्विक विस्तार योजनाओं के हिस्से के रूप में, कंपनी भारत में 500 अतिरिक्त नौकरियां पैदा करेगी और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों के लिए अपनी सेवाओं को बढ़ाएगी। नए केंद्र से निकट अवधि में कंपनी के मार्जिन में लगभग 50 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की उम्मीद है। ब्लैक बॉक्स आधुनिक व्यवसायों की लगातार बढ़ती मांगों के साथ सहजता से तालमेल बिठाते हुए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, एंटरप्राइज नेटवर्किंग और डिजिटल सहयोग में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करता है। कंपनी डेटा सेंटर सेवाओं, नेटवर्किंग समाधान और साइबर सुरक्षा पेशकश जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए कमर कस रही है।

निवेशकों को स्मॉल और मिड कैप शेयरों में सावधानी बरतने की जरूरत

नई दिल्ली-

मिड और स्मॉल-कैप रैली आंशिक रूप से खुदरा निवेश से प्रेरित है और चूंकि इस व्यापक बाजार में मूल्यांकन अधिक है, इसलिए निवेशकों को कुछ सावधानी बरतनी होगी। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने ये बात कही है। एसएंडपी 500 में 8-दिवसीय बढ़त का सिलसिला फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के एक कठोर बयान से रुक गया कि फेड जरूरत पड़ने पर नीति को कड़ा करने में संकोच नहीं करेगा।उन्होंने कहा कि यह चिंता कि दरें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं शेयर बाजारों के लिए एक बाधा के रूप में बनी रहेगी, लेकिन इसे नीचे खींचने की संभावना नहीं है। भारतीय बाजार की बनावट से संकेत मिलता है कि गिरावट पर खरीदारी की रणनीति काम करती रहेगी। संवत 2080 में, आकर्षक मूल्यांकन और प्रभावशाली वृद्धि के कारण वित्तीय स्थिति अच्छा रहने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र में निरंतर एफआईआई बिकवाली, जो इस क्षेत्र को प्रभावित कर रही है, केवल अस्थायी होगी। उन्होंने कहा कि 2 साल की अवधि वाले निवेशकों के लिए, प्रमुख निजी बैंक और 3 या 4 पीएसयू बैंक अच्छे रिटर्न की संभावना दिखाते

हैं।शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 135 अंक गिरकर 64,697 पर है। एमएंडएम 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट के साथ टॉप पर है। टाइटन और एचसीएल टेक में 1 फीसदी की गिरावट है।

रुपया 83.40 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर, फेड के कॉमेंट से यूएसडी मजबूत

नई दिल्ली । भारतीय रुपया शुक्रवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमेन जेरोम पॉवेल के बयान के बाद अमेरिकी डॉलर मजबूत हो गया। करेंसी डीलरों के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक, जो आम तौर पर उतार-चढ़ाव को कंट्रोल करने के लिए कदम उठाता है, आरबीआई ने शुक्रवार को कुछ नहीं किया। दोपहर 1ः55 बजे भारतीय करेंसी 83.40 रुपये प्रति अमेरिकी डॉलर पर कारोबार कर रही थी। पिछला रिकॉर्ड निचला स्तर 83.29 रुपये था। डीलर्स कह रहे हैं कि रुपया 83.50 प्रति डॉलर तक पहुंच सकता है क्योंकि बाजार में डॉलर की कमी है। बाजार जानकारों ने कहा कि डॉलर की कमी और आयातकों द्वारा लगातार खरीदारी के कारण यूएसडी से आईएनआर विनिमय दर 83.32 के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। बाजार में चल रही खरीदारी और नकद डॉलर की कमी के साथ, जानकारों का सुझाव है कि यह जोड़ी जल्द ही 83.50 तक पहुंच सकता है। कुछ बाजार सहभागियों के अनुसार, भारतीय रुपया संभवतः 84 प्रति डॉलर तक पहुंचने से पहले कुछ समय के लिए 83.50 प्रति डॉलर पर रुक सकता है।

धनतेरस के दिन सोने और चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । धनतेरस के दिन शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। गुरुवार को दोनों के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई थी। लेकिन बाद में ये तेजी के साथ बंद हुए। सोने के वायदा भाव 60,200 रुपये और चांदी के वायदा भाव 71,000 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव शुक्रवार को गिरावट के साथ खुले थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 49 रुपये की गिरावट के साथ 60,233 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 101 रुपये की गिरावट के साथ 60,181 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 60,238 रुपये के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,181 रुपये के भाव पर निचला स्तर छू लिया। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 215 रुपये की गिरावट के साथ 70,998 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 154 रुपये की गिरावट के साथ 71,059 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 71,172 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 70,974 रुपये प्रति किलो के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 1964.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1969.80 डॉलर था। फिलहाल यह 5.40 डॉलर की गिरावट के साथ 1964.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

पिछले एक साल में सोने ने 21 फीसदी का रिटर्न दिया है

नई दिल्ली।

मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट कंपनी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले एक साल में सोने ने 21.84 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी पर रिटर्न 21.05 फीसदी रहा है। अक्टूबर में, भारतीय शेयर बाजारों ने नकारात्मक रुझान दिखाया। निफ्टी50 इंडेक्स में 2.84 प्रतिशत की गिरावट आई, मिड-कैप 150 इंडेक्स में 3.80 प्रतिशत की गिरावट आई। रियल्टी को छोड़कर सभी क्षेत्रों का प्रदर्शन लाल निशान में रहा। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 6 फीसदी की गिरावट देखी गई। अमेरिका में, एसएंडपी 500 और नास्दक 100 दोनों में अक्टूबर 2023 में 2 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसमें हेल्थकेयर और कंज्यूमर सेक्टर का सबसे बड़ा योगदान था। वैश्विक स्तर पर, उभरते और विकसित दोनों बाजारों में क्रमशः 4 प्रतिशत और 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ नकारात्मक प्रदर्शन देखा गया। दक्षिण कोरिया में 7 प्रतिशत की सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जबकि स्विट्जरलैंड 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ विकसित बाजारों में सबसे आगे रहा। बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिम, अमेरिका से कम मांग और मिश्रित चीनी डेटा के कारण अक्टूबर के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में 11 प्रतिशत की गिरावट आई। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच, सोने और चांदी की कीमतों में क्रमशः 7 प्रतिशत और 1 प्रतिशत की वृद्धि के साथ कीमती धातुएं हरे रंग में थीं। बिटकॉइन और एथेरियम जैसी क्रिप्टोकरेंसी क्रमशः 29 प्रतिशत और 9 प्रतिशत की दर से बढ़ीं।

कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन उतार-चढ़ाव के बीच हरे रंग पर बंद हुआ बाजार

मुंबई ।

ग्लोबल मार्केट से मिले नकारात्मक रुझानों के चलते कारोबारी हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार दिन के ज्यादातर समय नुकसान में रहा, लेकिन एचडीएफसी बैंक, एनटीपीसी, एक्सिस बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एलएंडटी में अंतिम दौर की खरीददारी से बाजार को हरे निशान पर बंद होने में मदद मिली। दोनों फ्रंटलाइन इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में अंतिम समय में हल्की बढ़त देखी गई। शुक्रवार के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 72.48 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 30 अंक की बढ़त दर्ज हुई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में क्रमशः 0.33 प्रतिशत और 0.38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 72.48 अंक बढ़त के साथ 64,904.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,014.06 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 64,580.95 तक आया। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के निफ्टी में भी 30.05 अंक की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 19,425.35 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,451.30 की ऊंचाई तक गया और नीचे में 19,329.45 तक आया।

अक्टूबर में इक्विटी फंडों में तीसरा सबसे ज्यादा मासिक प्रवाह देखा गया

नई दिल्ली। भारत के इक्विटी म्यूचुअल फंड में अक्टूबर में 19,957 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जो सितंबर में 14,091 करोड़ रुपये था और साल 2023 में इक्विटी फंड में तीसरा सबसे बड़ा मासिक प्रवाह देखा गया। यह बात एचडीएफसी (हस्-।।ष्टस्नष्ट) सिक्योरिटीज खुदरा अनुसंधान प्रमुख दीपक जसानी ने कही। कई फंडों द्वारा एकमुश्त निवेश और नए एसआईपी पर प्रतिबंध को दरकिनार करते हुए लघु और मध्य-कैप श्रेणियों ने लगभग 7,000 करोड़ रुपये का योगदान दिया। उन्होंने कहा कि अक्टूबर में म्यूचुअल फंड उद्योग में एसआईपी का योगदान 16,928 करोड़ रुपये रहा, जो सितंबर में 16,420.06 करोड़ रुपये था।अक्टूबर के महीने में इक्विटी बाजारों में जोखिम-मुक्त भावना का अनुभव जारी रहा, सूचकांक 19,000 के स्तर से नीचे गिर गया। मोतीलाल ओसवाल एएमसी के मुख्य व्यवसाय अधिकारी अखिल चतुर्वेदी ने कहा कि इस गिरावट के बावजूद इक्विटी म्यूचुअल फंडों ने लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखा और सितंबर में 14,091 करोड़ रुपये के मुकाबले 19,957 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण शुद्ध प्रवाह दर्ज किया। स्मॉल कैप में 4,495 करोड़ रुपये का बड़ा प्रवाह देखा गया, इसके बाद 3,895 करोड़ रुपये का विषयगत/क्षेत्रीय फंड आया। आर्बिट्राज फंडों और मल्टी-एसेट फंडों के नेतृत्व में हाइब्रिड फंडों में स्वस्थ शुद्ध प्रवाह का अनुभव जारी रहा। उन्होंने कहा, यह प्रवृत्ति बाजार में प्रचलित जोखिम-मुक्त भावना को दर्शाती है, निवेशक पूंजी सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपने निवेश में विविधता लाना चाहते हैं।

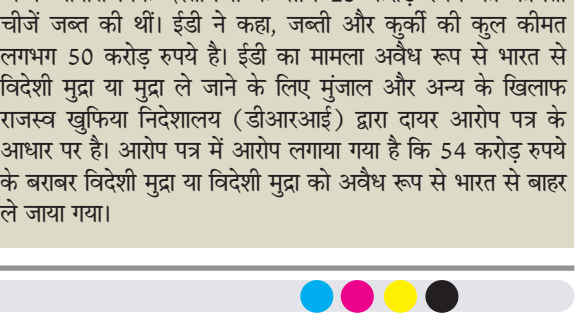

ईडी ने हीरो मोटोकॉर्प के सीएमडी व चेयरमैन पवन मुंजाल की तीन संपत्तियां जब्त कीं

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को हीरो मोटो कॉर्प के सीएमडी और चेयरमैन पवन मुंजाल के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए कहा कि उसने दिल्ली में स्थित 24.95 करोड़ रुपये की तीन अचल संपत्तियों को जब्त कर लिया। ईडी ने कहा कि मुंजाल की तीन संपत्तियां धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत कुर्क की गईं। ईडी की जांच में पाया गया कि मुंजाल ने अन्य व्यक्तियों के नाम पर विदेशी मुद्रा या विदेशी मुद्रा जारी की और उसके बाद उसका उपयोग विदेश में अपने निजी खर्च के लिए किया। ईडी ने कहा, एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी द्वारा विभिन्न कर्मचारियों के नाम पर अधिकृत डीलरों से विदेशी मुद्रा निकाली गई और उसके बाद मुंजाल के रिलेशनशिप मैनेजर को सौंप दी गई। इसमें कहा गया है कि रिलेशनशिप मैनेजर अपनी निजी या व्यावसायिक यात्राओं के दौरान मुंजाल के निजी खर्च के लिए गुप्त रूप से ऐसी विदेशी मुद्रा या नकद या कार्ड में ले जाता था। ईडी ने कहा, उदारीकृत प्रेषण योजना के तहत प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 2.5 लाख अमेरिकी डॉलर की सीमा को खत्म करने के लिए यह तरीका अपनाया गया था। ईडी ने इससे पहले 1 अगस्त को मुंजाल और संबंधित संस्थाओं या व्यक्तियों के संबंध में तलाशी अभियान चलाया था और डिजिटल साक्ष्य और अन्य आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ 25 करोड़ रुपये की कीमती चीजें जब्त की थीं। ईडी ने कहा, जब्ती और कुर्की की कुल कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये है। ईडी का मामला अवैध रूप से भारत से विदेशी मुद्रा या मुद्रा ले जाने के लिए मुंजाल और अन्य के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) द्वारा दायर आरोप पत्र के आधार पर है। आरोप पत्र में आरोप लगाया गया है कि 54 करोड़ रुपये के बराबर विदेशी मुद्रा या विदेशी मुद्रा को अवैध रूप से भारत से बाहर ले जाया गया।

ईडी ने मेट टेक्नोलॉजीज द्वारा फर्जी कॉल सेंटर धोखाधड़ी में कुणाल गुप्ता की 67.23 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को कहा कि उसने मेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और अन्य द्वारा कॉल सेंटर धोखाधड़ी के मामले में कुणाल गुप्ता, उनके परिवार के सदस्यों, कंपनियों और उनके सहयोगियों की 67.23 करोड़ रुपये की चल और अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी की कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत है। वित्तीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गई संपत्तियां 35 बैंक खातों में शेष राशि, 14 कारों और 12 अचल संपत्तियों (कुल मूल्य 61.84 करोड़ रुपये) के रूप में हैं और अचल संपत्तियों में एक रिसॉर्ट, कोलकाता और बेंगलुरु में वाणिज्यिक कार्यालय या फ्लैट या अपार्टमेंट या भूमि, गोवा में एक विला, 10 शामिल हैं। एजेंसी की जांच से पता चला कि उक्त कंपनी के प्रतिनिधियों ने अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भोले-भाले निवासियों को निशाना बनाया। ईडी ने कहा, वैध व्यवसायों के प्रतिनिधियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए, उन्होंने फर्जी तकनीकी सहायता प्रस्तावों, भ्रामक वेबसाइट बिक्री और नकली मोबाइल ऐप्स के माध्यम से नकली ऋण प्रस्तावों के माध्यम से व्यक्तियों को धोखा दिया, पीड़ितों को पर्याप्त भुगतान के लिए मजबूर किया और 126 करोड़ रुपये की अपराध आय अर्जित की।

ईडी ने कहा,गुप्ता अपनी कंपनी के कार्यालय परिसर में फर्जी कॉल सेंटर चलाने का मास्टरमाइंड था। वह अवैध सट्टेबाजी और ऑनलाइन जुआ गतिविधियों में भी शामिल है, यह पता चला कि दागी धन को कंपनियों के एक जटिल नेटवर्क के माध्यम से पेश किया गया, स्तरित किया गया और अंततः लॉन्डर किया गया, जिसका स्वामित्व और नियंत्रण गुप्ता और उनके परिवार के सदस्यों, उनकी कंपनी के कर्मचारियों और उनके द्वारा किया गया था। ईडी ने कहा कि अपराध की आय का वास्तव में उपयोग किया गया और होटल, क्लब और कैफे सहित आतिथ्य क्षेत्र के माध्यम से बेदाग के रूप में पेश किया गया।

इससे पहले, गुप्ता को इस साल 10 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था और ईडी ने उनके आवासीय और वाणिज्यिक परिसरों, उनके प्रमुख कर्मचारियों और उनकी कंपनियों पर भी तलाशी ली थी।

ईडी का मामला बिधाननगर पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर पर आधारित है, जिसमें मेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश सहित गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है।

डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन 17.6 फीसदी बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। देश का कुल डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन चालू वित्त वर्ष के दौरान 9 नवंबर तक बढ़कर 12.37 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 17.59 प्रतिशत की वृद्धि है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को ये आंकड़ा जारी किया। डायरेक्ट टैक्स कलेक्शन, रिफंड को छोड़ कर, 10.60 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 21.82 प्रतिशत अधिक है। यह कलेक्शन वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर के कुल बजट अनुमान का 58.15 प्रतिशत है। सकल कॉर्पोरेट इनकम टैक्स (सीआईटी) कलेक्शन 7.13 प्रतिशत की दर से बढ़ा है जबकि पर्सनल इनकम टैक्स (पीआईटी) 28.29 प्रतिशत बढ़ा है। सीआईटी कलेक्शन में शुद्ध वृद्धि 12.48 प्रतिशत है और पीआईटी में 31.77 प्रतिशत है। 1 अप्रैल से 9 नवंबर के दौरान 1.77 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया है।

फूड

चेन्नई जाएं तो इडली डोसा के अलावा इन स्ट्रीट फूड्स का भी लें मजा

चेन्नई जिसे एक समय में मद्रास के नाम से भी जाना जाता था। यह तमिलनाडु की राजधानी है और साउथ इंडिया के सबसे बड़े शहरों में से एक। चेन्नई को भारत की सबसे सुरक्षित शहर के रूप में जाना जाता है। बता दें कि यह भारत की स्वास्थ्य राजधानी के रूप में भी जानी जाती है। चेन्नई में सिर्फ बेस्ट टूरिस्ट स्पॉट ही नहीं, बल्कि यहां खाने-पीने के लिए टेस्टी स्ट्रीट फूड भी है। शानदार पारंपरिक मसालों से भरपूर यहां के स्वादिष्ट व्यंजनों को यदि आपने एक बार चक लिया तो आपको इसके स्वाद हमेशा याद रहेंगे। यहां जानें का या घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां मिलने वाले इन फेमस स्ट्रीट फूड का स्वाद जरूर लें। तो चलिए जानते हैं, चेन्नई के फेमस स्ट्रीट फूड के बारे में। यह तमिलनाडु का क्लासिक और टेस्टी स्ट्रीट फूड है। अंडा कोथू परोटा बचे हुए पराठे और अंडे के साथ कुछ मसालेदार प्याज, टमाटर और दूसरी सब्जियों का इस्तेमाल कर बनाया जाता है। चेन्नई की सड़कों में आपको कही भी आसानी से कोथू परोटा का स्वाद चखने को मिल जाएगा। यह संतरा या नारंगी रंग की नूडल्सहोती है, जिसे कई तरह के वेजिटेबल्स के साथ बनाया जाता है। चेन्नई के बर्मा बाजार में बहुत आसानी से मिलने वाले इस स्ट्रीट फूड को इसकी इश बाजार में लोकप्रियता के कारण बर्मी फूड के नाम से भी जाना जाता है। चटपटी और टेस्टी डिश बच्चों को खूब पसंद आएगी। चेन्नई के विदुथलाई नगर में यह मसाला सुंडल बहुत ही ज्यादा लोकप्रिय है। चना से आपने छोले से लेकर चाट तक कई तरह के डिश खाए होंगे, लेकिन सफेद चना से तैयार इस सुंडल में कोकोनट, कच्चे आम और लोकल मसालों का उपयोग किया जाता है। चेन्नई के फेमस स्ट्रीट फूड होने के कारण इसके स्टॉल हर कहीं आसानी से मिल जाएंगे। रवा से लेकर मसाला और मूंग तक कई तरह के डोसा का स्वाद आप सभी ने चखा होगा, लेकिन चेन्नई जाएं तो इस पोडी डोसाको जरूर खाएं। यह चेन्नई का फेमस स्ट्रीट फूड है, जिसे ब्रेकफास्ट या लंच के तौर पर खाया जाता है। इस डोसा में एक खास तरह का मसाला जिसे पोड़ी कहा जाता है उसे मिलाकर इस डोसा को परोसा जाता है। इसे उबले हुए चावल के नूडल्स से बनाया जाता है। अन्य नूडल्स की तरह इसे सॉस ये वेजिटेबल्स के साथ नहीं बल्कि इसे कोकोनट मिल्क और करी के साथ परोसा जाता है। अगर आपको यह स्टोरी अच्छी लगी हो तो इसे फेसबुक पर शेयर और लाइक जरूर करें।

फैशन

कैट-आई सनग्लासेस

कैट-आई सनग्लासेस हैं बॉलिवुड की पसंद!

लाइफस्टाइल से जुड़े ट्रेंड्स और फैशन बदलते रहने के साथ-साथ कुछ समय बाद वापसी भी करते हैं। नब्बे के दशक में छोटे-छोटे सनग्लासेस का दौर था और उसमें कैट-आई सनग्लासेस परवान पर थे। धीरे-धीरे समय बदला और सनग्लासेस के आकार में बदलाव आया। वर्ष 2017-18 तक आते-आते ऐसे सनग्लासेस फैशन में आ गए, जो आंखों के अलावा उनके आसपास के काफी हिस्से को ढंकने का काम करते हैं। अब 2019 में फिर से 90 के दशक के कैट-आई सनग्लासेस ट्रेंड में हैं, जिन्हें बॉलिवुड अभिनेत्रियां ट्रेंडी लुक तैयार करने के लिए पहन रही हैं। आइए, बॉलिवुड सेलेब्स के कुछ फोटोज के जरिए देखते हैं कि कैट-आई सनग्लासेस, जो ट्रेंड में हैं। वैसे तो नाम से ही पता चल रहा है कि कैटी आईज शेप होने के कारण इस सनग्लासेस को कैट-आई सनग्लासेस नाम दिया गया है। यह सनग्लासेस पॉइंटेड चिन शेप वाले फेस पर अधिक सूट करते हैं। हालांकि अगर आपका चेहरा लंबा, राउंड या डायमंड शेप का है, तब भी आप इस तरह के सनग्लासेस इस्तेमाल कर सकती हैं। आपको बस, कैट आई सनग्लासेस के अलग-अलग साइजेस और रंगों के साथ प्रयोग करना होगा। इसलिए ट्राय किए बिना सनग्लासेस न खरीदें। वाइट कलर के आउटफि ट के साथ आलिया ने वाइट फ्रेम वाला कैट-आई सनग्लासेस पहना है। पीले रंग के फ्रेम वाले कैट-आई सनग्लासेस में अनुष्का शर्मा। प्रियंका चोपड़ा जोनस ने सफेद रंग का चौड़े फ्रेम वाला कैट-आई सनग्लासेस पहना है। प्रियंका जैसा लुक

ट्राय करने के लिए आप इस तरह के सनग्लासेस का चुनाव कर सकती हैं। कंगना ने बेसिक वाइट शर्ट और मिनी स्कर्ट के साथ वाइट फ्रेम वाला कैट-आई सनग्लासेस पहना है। ग्रे कलर के मोनोक्रोम लुक के साथ प्रियंका ने ब्लैक कैट-आई सनग्लासेस चुना है। ये सनग्लासेस उन्हें बढ़िया लुक दे रहे हैं। दीपिका पादुकोन ने अपनी ड्रेस से मैच करता हुई कैट-आई सग्लासेस पहना है। हार्ट शेप के फेस पर यह चश्मा काफी जंचेगा। पैंट सूट के साथ प्रियंका चोपड़ा जोनस ने पिंक सनग्लासेस चुना है।

हेल्थ

प्रदूषण के कारण बढ़ रहा है हार्ट अटैक का खतरा

राजधानी दिल्ली-एनसीआर में पिछले एक हफ्ते से वायु प्रदूषण का स्तर काफी तेजी से बढ़ता हुआ देखा जा रहा है। मंगलवार को भी राष्ट्रीय राजधानी के ज्यादातर हिस्सों में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 400 के पार बना रहा। इस तरह की प्रदूषित हवा में सांस लेने को सेहत के लिए कई प्रकार से हानिकारक माना जाता रहा है। प्रदूषित हवा का संपर्क सांस की समस्याओं से लेकर, डायबिटीज और कई अन्य गंभीर क्रोनिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढाने वाली हो सकती है। वायु प्रदूषण के कारण होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जानने के लिए किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि ये हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा स्थितियों का भी कारक हो सकती है। डॉक्टर्स कहते है, जिन लोगों को पहले से ही हृदय से संबंधित समस्याएं रही हैं, उनमें ये 'जहरीली हवा' हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाने वाली हो सकती है। इतना ही नहीं वायु प्रदूषण के कारण हृदय रोग के नए मरीजों के मामले भी बढ़ते देखे गए हैं। हृदय रोगों के विशेषज्ञ कहते हैं, प्रदूषण का हृदय स्वास्थ्य पर अल्पकालिक और दीर्घकालिक दोनों तरह के दुष्प्रभाव हो सकते है। हवा में मौजूद सूक्ष्म कण पीएम 2.5, फेफड़ों और रक्तप्रवाह में चले जाते हैं। इससे न सिर्फ इंफ्लामेशन का खतरा होता है साथ ही गंभीर स्थितियों में इसके कारण हृदय रोग, हार्ट अटैक, स्ट्रोक, फेफड़ों की समस्याएं विकसित हो सकती हैं। किसी भी प्रकार के सूक्ष्म कणों जैसे नाइट्रोजन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड के संपर्क के कारण समय के साथ क्रोनिक बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। हार्ट.ओआरजी की रिपोर्ट के अनुसार वायु प्रदूषकों के हल्के स्तर के संपर्क में रहने से भी दिल का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। इतना ही नहीं एक घंटे भी प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से भी ये जोखिम काफी बढ़ जाता है। अध्ययन में पाया गया कि वायु प्रदूषकों के किसी भी स्तर के संपर्क में आने से क्रोनिक कोरोनरी सिंड्रोम की समस्या हो सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगा। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन दी दू थ झ ञ द दो चा ची

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 3001

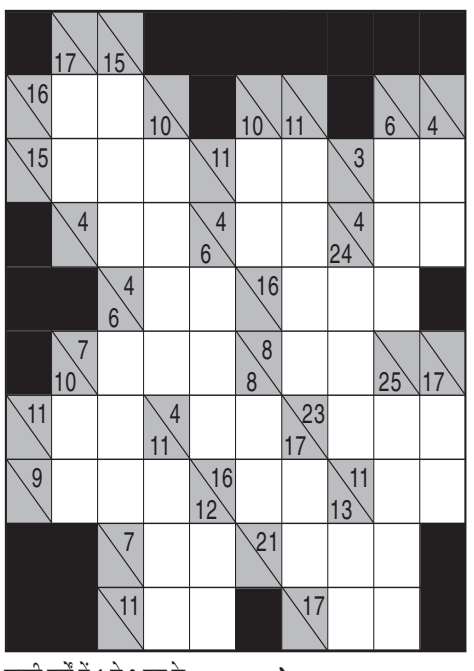

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

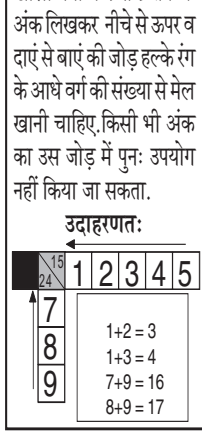

काकुरो - 3000 का हल

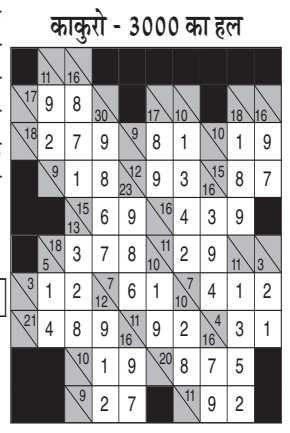

हंसी के फव्वारें

तुम्हारे घर में किसका शासन चलता है ?

अपनी जगह सभी शासन करते हैं.

वह कैसे ?

मेरी पत्नी बच्चों पर शासन करती है, बच्चे नौकरों को डांटते रहते हैं और मैं कुत्ते-बिल्लयों को झिड़कता रहता हूँ.

□ □ □

मोहन तुम आजकल स्कूल में कैसे चल रहे हो ?

मोहन बोला- वाह पापाजी, मैं कभी आपसे आपके ऑफिस के बारे में बात करता हूँ ?

□ □ □

थका हुआ पति: आज शाम का घूमना तो रद्द करो.

पत्नी: आप तो सवेरे से ही कह रहे थे मैं तो तभी से मेकअप कर रही थी अब पूरा हुआ तो आप मना करने लगे.

□ □ □

दस साल के एक लड़के का दांत निकालने के बाद डॉक्टर ने उसके बाप से कहा-लाओ पांच रुपये.

पांच रुपये ? मगर आपने तो पहले कहा था कि आप दांत उखाड़ने का एक रुपया लेते हैं.

ठीक है, मगर आपके लड़के की चिल्लाहट सुनकर दांत उखड़वाने के लिए आये हुए मेरे चार रोगी भी तो चले गये.

फिल्म वर्ग पहेली- 3001

ऊपर से नीचे:-

१. सुनील, सुष्मिता, नम्रता की 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली फिल्म-३
२. 'बोल गोरी बोल' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
३. फिल्म 'बाबुल' में दिलीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
४. 'यारा ओ यारा इश्क ने मारा' गीत वाली अमिताभ, मौसमी की फिल्म-३
५. धर्मेन्द्र, जीनत अमान की 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'शारदा' में राज कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-२
१०. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
११. 'खोया है तूने जो' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
१३. 'चिनाई चुन चुन' गीत वाली फिल्म-३
१४. फरदीन खान, उर्मिला की फिल्म-३
१५. वसंत चौधरी, मोतीलाल, साधना की 'ओ सजना बरखा बहार' गीत वाली फिल्म-३
१६. संजयदत्त, नम्रता शिरोडकर की 'मेरी दुनिया है' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'जीने की तमन्ना हो' गीत वाली फिल्म-३
२०. वी. शांताराम की 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'नाजुक सी कली थी' गीत वाली अजय, मनीषा, करिशमा की फिल्म-४
२३. 'दिल जंगली कबूतर' गीतवाली फिल्म-३
२४. नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२७. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. 'तुम्हें और क्या' गीत वाली राजेंद्र कुमार, सायरा की फिल्म-२,३,१,२
६. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैं ने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक बच्चन, बिपाशा बसु की फिल्म-३
९. संजयदत्त, विवेक मुशरान, मनीषा कोइराला की 'आँखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मार ओडारी नी कुकिए' गीत वाली मनोज बाजवेयी, उर्मिला की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, अमीषा की 'जो पल्लू गिरा दिया' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली सनी देओल, अमीषा पटेल की फिल्म-३
१८. मनोजकुमार, आशा की 'लो आ गई उनकी' गीत वाली फिल्म-१,३
२१. 'कमसिन कली हूँ' गीत वाली नाना पाटेकर, पुरू राजकुमार, अनुपमा वर्मा की फिल्म-२
२५. 'पाप दी ग्रेट' में किशनकुमार के साथ नायिका कौन थी ?-३
२६. 'छोड़ दे जवानी में' गीत वाली राजेश खन्ना, राखी की फिल्म-४
२७. कमल सदाना, दिव्या की 'दिल चीर के देख' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'एक लड़की दिल से गई' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२

फिल्म वर्ग पहेली- 3000

ह	म	तु	म		बं	दि	श		जं
स्ती		म	हा	रा	जा		रा	जा	जी
	दी		न		र		बी		र
दी	वा	ना		जी	न	त		क	
	र		अं	त		ला	वा	रि	स
आ		दा	दा		जो	श		श्मा	
क्रो	ध		ज	मी	र		अ		इं
श		आ		रा		ज	मा	न	त
	म	ह	ल		जीं		न		का
दो	स्त		क्ष्य		स	पू	त		म

सूडोकु -3001

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3000 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 3001

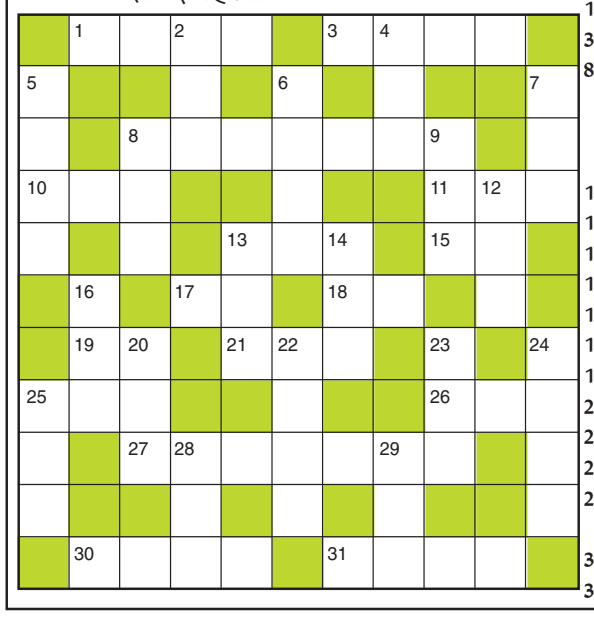

बाएँ से दाएँ

1. बादलों की गड़गड़ाहट-4
3. नीरस, रस विहीन-4
8. नेपाल की इस नायिका ने फिल्म 'सौदागर' से अपना कैरियर शुरु किया था-3,4
10. कंठस्थ करना-3
11. जुड़वा-3
13. उक्ति,काव्य कृति-3
15. आने वाला दिन-2
17. पर,पराया,दूसरा-2
18. हाथ-2
19. कविता लिखने वाल-2
21. बजाने वाला-3
25. कक्ष,रूम-3
26. ठिकाना,नीड़-3
27. हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री-5,2
30. अभिप्राय-4
31. आतंकित होना-4

ऊपर से नीचे

2. तरुणाई,लड़कपन-3
4. सहायता,आधार-3
5. बीताना,यापन करना-4
6. दिखावा,पाखंड-4
7. जरुरत,स्वार्थ-3
8. राजी करना-3
9. योग्य-3
12. मसलना-3
13. इस चौथ को सुहागिन पति की रक्षा हेतु उपवास रखती हैं-3
14. सुगंध,लास-3
16. रोकड़ राशि-3
20. रुकना, स्थिर होना-3
22. विजय दशमी -4
23. भोर,सवेरा-3
24. सना हुआ,तर-4
25. छल,धोखा-3
28. अनुकृति-3
29. श्रंगार -3

शब्द पहेली -3000 का हल

अ	ति	आ	व	श्य	क		का	रा	वा	स
ज	ल		र		म	छ	ली		र	मा
र		अ	दा	का	र		न	र		धा
अ	र	मा	न		बं	द		ज	मी	न
म		न		म	द	म	स्त		रा	
र	ज	त	प	ट		क	र	म	ज	ला
	प		ट	क	रा	ना		स		ल
मु	ना	दी		ना	ग		द	ल	ह	न
ला		प	री		गा	ड़ी	वा	न		पा
का	का		त	न	य		घ		न	ल
त	र	सा	ना		न	ग	र	भ	व	न

पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचे और भारत से मुकाबला करे: दादा

विश्वकप का ये सबसे रोमांचक मैंच होगा

नई दिल्ली । एक ओर जहां भारतीय टीम विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल में पहुंच गई है, तब दूसरी ओर पाकिस्तान की जान अटकी हुई है। बदले हुए समीकरण में बाबर सेना का टॉप-4 में पहुंचना मुश्किल लग रहा है। उधर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली ने कहा कि वह चाहते हैं कि पाकिस्तान विश्व कप 2023 के सेमीफाइनल के लिए क्वॉलिफाइ करे और भारत के खिलाफ मुकाबले में उतरे। दादा ने कहा, मैं चाहता हूं कि पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचे और भारत के खिलाफ रोमांचक मुकाबला हो। इससे बड़ा सेमीफाइनल नहीं हो सकता। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पाकिस्तान अपना आखिरी मैच शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगा, उन्हें यह मैच बड़े अंतर से जीतना होगा। विरोधियों के आधार पर भारत के सेमीफाइनल की तारीख और स्थान भी बदल जाएगा। अगर यह न्यूजीलैंड या अफगानिस्तान के खिलाफ है, तब भारत का सेमीफाइनल 15 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, लेकिन अगर पाकिस्तान क्वॉलिफाइ करता है, तब भारत 16 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डंस में सेमीफाइनल खेलेगा। यही सबसे बड़ा कारण है कि दादा भारत बनाम पाकिस्तान सेमीफाइनल चाहते हैं। गांगुली ने कहा कि वह भारत की संभावनाओं को बर्बाद नहीं करना चाहते क्योंकि वे पूरे टूर्नामेंट में शानदार क्रिकेट खेल रहे हैं।

इंग्लैंड को भारतीय कोच की डिमांड का पोस्टर दिखने पर रवि शास्त्री से मांगा जवाब

नई दिल्ली ।

दर्शक दीर्घा में बैठे एक व्यक्ति ने जब इंग्लैंड की टीम को भारतीय कोच की डिमांड वाला पोस्टर दिखाया तो कांमेंटेटर इयोन मोर्गन ने रे वि शास्त्री से कोच बनने का आग्रह किया। इस पर उन्होंने कामेंट्री बॉक्स में ही रे वि शास्त्री से जवाब भी मांगा। दरअसल आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान जब इंग्लैंड की टीम पुणे के मैदान पर नीदरलैंड्स के सामने थीं तो दर्शक दीर्घा में एक व्यक्ति के हाथ में पकड़ा पोस्टर चर्चा में आ गया। क्योंकि इंग्लैंड गत चैंपियन हैं और इस विश्व कप से पहले ही बाहर हो चुकी है। ऐसे में यह पोस्टर जिस में इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से भारतीय कोच रखने की अपील की गई थी, चर्चा में रहा है। यह पोस्टर जब ऑन एयर हुआ तो कांमेंटेटर भी इस पर बात करने से खुद को रोक नहीं पाए। इस दौरान इयोन मोर्गन के साथ तब कॉमेंट्री बॉक्स में रवि शास्त्री बैठे थे। मोर्गन ने उक्त पोस्टर देखकर

हामी भरी और अपने साथी कमेंटेटर से इस पर राय भी जाननी चाहिए। इसके अलावा मोर्गन ने यह भी जानने की कोशिश की कि क्या रवि शास्त्री बतौर भारतीय इंग्लैंड क्रिकेट टीम को कोचिंग देना पसंद करेंगे। हालांकि इस पर रवि शास्त्री ने कहा कि हमको बुलाओ। हम सबको बुलाओ। हम हिंदी सिखाएगा। मेरे कहने का मतलब है कि आपका स्वागत है। मैं टीम को हिंदी सिखाऊंगा और और सुंदर क्रिकेट भी। कोई प्रॉब्लम नहीं। बता दें कि पुणे के मैदान पर आमने सामने हुई दोनों ही टीमें (इंग्लैंड और नीदरलैंड्स) खिताबी दौड़ से बाहर हैं लेकिन विश्व कप में पाकिस्तान को छोड़कर शीर्ष सात स्थानों पर रहने वाली टीमें चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई करेगी। गत चैम्पियन टीम इस मैच से पहले 10वें पायदान पर थी लेकिन बड़ी जीत के बाद इंग्लैंड ने तालिका में 7वें स्थान पर पहुंच कर अपनी दावेदारी मजबूत कर ली है।

जोकोविच एटीपी फाइनल्स में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने के लिए तैयार

नई दिल्ली,

दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच रविवार से शुरू होने वाले आगामी एटीपी फाइनल्स में रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराने के लिए तैयार हैं। जोकोविच खुद को एक उच्च जोखिम वाली स्थिति में पाते हैं, टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक छह खिताब के लिए रोजर फेडरर के साथ बराबरी पर हैं। सिर्फ एक और खिताब जीतने के साथ 36 वर्षीय खिलाड़ी इवेंट के इतिहास में सबसे सम्मानित खिलाड़ी के रूप में अकेले खड़े हो जाएंगे। सर्बियाई महान खिलाड़ी, जिन्होंने गुरुवार को पाला एल्पिटौर में प्रशिक्षण लिया, पाला एल्पिटौर में ग्रीन ग्रुप के प्रमुख हैं। सीज़न के समापन में उनका मुकाबला घरेलू पसंदीदा जानिक सिनर, स्टेफ़ानोस सितसिपास और होल्गर रूण से होगा। 24 बार का ग्रैंड स्लैम चैंपियन अपना रिकॉर्ड-विस्तारित आठवां एटीपी ईयर-एंड नंबर 1 सम्मान हासिल करने की कगार पर हैं । दो साल पहले, उन्होंने पीट सम्प्रास के छह साल के नंबर 1 स्थान पर रहने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, जिससे इतिहास में सबसे अधिक साल के अंत में शीर्ष रैंकिंग के लिए उनकी स्थिति मजबूत हो गई। क्या उन्हें इस साल फिर से यह उपलब्धि हासिल करनी चाहिए, एटीपी फाइनल के एक सप्ताह बाद जोकोविच एटीपी रैंकिंग के इतिहास में विश्व नंबर 1 पर 400 सप्ताह तक पहुंचने वाले पहले खिलाड़ी बन जाएंगे। 300 सप्ताह का आंकड़ा छूने वाले एकमात्र अन्य व्यक्ति फेडरर (310) हैं। जोकोविच अपने 98वें टूर-लेवल खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, एक ऐसी जीत जो उन्हें जिमी कॉनर्स (109) और फेडरर (103) के साथ 100 टूर-लेवल क्राउन के साथ खिलाड़ियों के विशेष क्लब में प्रवेश करने की दो जीत के भीतर लाएगी।

अपने प्रदर्शन से सभी को चकित करने वाली अफगान टीम से प्रभावित दिखे विवियन रिचर्ड्स

मुंबई ।

वेस्टइंडीज के दिग्गज बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स का कहना है कि क्रिकेट विश्व कप के दौरान अफगान टीम ने अपने प्रदर्शन से सभी को चकित कर दिया है। विवियन ने कहा कि मेरे लिए इस विश्व कप का एक मुख्य आकर्षण अफगानिस्तान को देखना है। अगर उन्हें 250 से अधिक का स्कोर मिलता है, तब उनके पास जो गेंदबाजी इकाई है, उसका मतलब है कि वे हर समय खेल में बने रह सकते हैं। रिचर्ड्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार पारी खेलकर अफगानिस्तान को भले ही जीत से वंचित कर दिया हो लेकिन उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया है। रिचर्ड्स ने युवा शुभमन गिल की भी काफी प्रशंसा कर कहा कि वे खिलाड़ी हैं जो 'स्टाइल के साथ बल्लेबाजी करते हैं और 'उन खिलाड़ियों में से एक हैं जिनके पास सभी बड़े शॉट् हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह की 'मानसिकता के साथ भारतीय खिलाड़ी विश्व कप में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, वे इस तरह खेलते हुए खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने रोहित शर्मा की टीम से आग्रह किया कि वे नकारात्मक विचार मन में लाना बंद करें कि एक खराब मैच सामने आ सकता है। रिचर्ड्स का मानना है कि

पाकिस्तान अब भी सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अब भी नॉकआउट चरण में जगह बना सकता है लेकिन मैं यह सोचने से खुद को नहीं रोक सकता कि उनके पास जो प्रतिभा है, उसे देखते हुए उन्हें पहले ही अपना स्थान पक्का कर लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने लिए चीजों को कठिन बना लिया है - मुझे लगता है कि वे तालिका में अपनी स्थिति से कहीं अधिक प्रतिभाशाली टीम हैं।

विराट कोहली की मानसिक ताकत,उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग करती : विवियन रिचर्ड्स

दुबई ।

महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स ने भारतीय खिलाड़ी विराट कोहली की तारीफों के पुल बांधकर कहा कि उनकी मानसिक मजबूत उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है और वह मुश्किल से मुश्किल स्थिति से भी बाहर आ जाते हैं। कोहली ने हाल ही में अपने 35वें जन्मदिन पर सचिन तेंदुलकर के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर 49वां एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। वह मौजूदा विश्व कप में आठ मैचों में 543 रन के साथ रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। नवंबर 2019 से कोहली लगभग तीन साल तक शतक नहीं जड़ पाए और यहां तक कि पिछले साल एशिया कप में अफगानिस्तान के खिलाफ अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाने से पहले उन्होंने खेल से ब्रेक भी लिया। रिचर्ड्स ने कहा कि विराट एक उत्साही खिलाड़ी हैं और जो चीज उन्हें बाकी लोगों से अलग करती है, वह उनकी मानसिक ताकत है। अतीत में जब मैंने उनसे बातचीत की है और हमने चीजों पर चर्चा की है, उनकी मानसिक ताकत हमेशा स्पष्ट रही है। वेस्टइंडीज के इस महान खिलाड़ी ने कहा कि विराट इस विश्व कप से पहले कुछ कठिन दौर से गुजरे होंगे और कुछ लोग इतने हिम्मत वाले भी थे कि उन्हें बाहर करने की मांग कर रहे थे। रिचर्ड्स ने कहा कि बहुत सारे प्रतिभाशाली खिलाड़ी आए हैं लेकिन उनमें सबसे ऊपर आप विराट कोहली को ही पाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं विराट का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, मैं लंबे समय से हूं, और अब भी यह दिखा रहा है कि क्यों उसे महान सचिन जैसे सर्वकालिक महान खिलाड़ियों में से एक के रूप में जाना जाता है। कोहली जब 1,021 दिन तक शतक नहीं लगा पाए तब आलोचकों ने कहा कि उनके सुनहरे दिन पीछे छूट गए है। लेकिन यहां विश्व कप में उन्होंने शानदार फॉर्म दिखाई है जिससे यह विश्वास पैदा हुआ है कि महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में 2011 की सफलता के बाद भारत इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी को दोबारा जीत सकता है। रिचर्ड्स ने कहा कि कोहली ने फिर साबित कर दिया है कि फॉर्म अस्थायी होती है और स्तर स्थायी होता है। उन्होंने इस स्थिति से उबरने में मदद करने के लिए सहयोगी स्टाफ और टीम प्रबंधन को श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि सहयोगी स्टाफ और उनका समर्थन करने वाले सभी लोगों को श्रेय दिया जाना चाहिए। उनके फॉर्म के बारे में बहुत कुछ कहा गया था लेकिन वह अपने खेल में शीर्ष पर वापस आ गए हैं।

क्रिकेट विश्व कप 2023 में अब तक लगे सबसे ज्यादा सिक्सर

महज 40 मुकाबलों में लगे 516 छक्के

मुंबई ।

क्रिकेट विश्व कप 2023 बड़े शॉट के लिए जाना जाएगा। इस दौरान विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। अब तक यह रिकॉर्ड 2015 क्रिकेट विश्व कप के नाम पर था, जब 463 छक्के जड़े गए थे। लेकिन इंग्लैंड बनाम नीदरलैंड मैच के साथ ही महज 40 मुकाबलों में ही क्रिकेट विश्व कप 2023 की यह संख्या 516 तक पहुंच गई है। इस दौरान दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर सबसे ज्यादा चौके और छक्के लगाने वाली टीम बन गई है। टीम इंडिया की ओर से भले ही रोहित शर्मा सर्वाधिक 22 छक्के लगा चुके हैं लेकिन टीम इंडिया 54 छक्कों के साथ इस लिस्ट में काफी नीचे नजर आ रही है।

विश्व कप में लगे अब तक छक्के

साल 2023 विश्वकप में अबतक 516 छक्के लग चुके हैं। जबकि अभी विश्वकप में कई महत्वपूर्ण मुकाबले होना बाकी है। वहीं साल 2019 विश्वकप में 357 छक्के लगे थे। साल 2015 विश्वकप में 463 गगनचुंबी छक्के लगे थे।

साल 2011 में 258 सिक्सर मारे गए। साल 2007 में 373 छक्के लगे। साल 2003 में 266 छक्के लगे। साल 1999 विश्वकप में 153 छक्के मारे गए।

(आंकड़े 40 मैचों तक)

विश्व कप 2023 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में 22 छक्कों के साथ ग्लेन मैक्सवेल, ऑस्ट्रेलिया हैं। वहीं 22 छक्के भारतीय कप्तान रोहित शर्मा भी लगा चुके हैं। डेविड वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी 20 छक्के लगा चुके हैं। 18 छक्के क्विंटन डीकॉक, दक्षिण अफ्रीका के नाम है। पाकिस्तान के खिलाड़ी 18 छक्के फखर जमां के नाम पर है।

किस टीम ने लगाए कितने छक्के

43 छक्क इंग्लैंड के नाम, 66 छक्के न्यूजीलैंड के नाम दर्ज, 54 छक्के पाकिस्तान के नाम, 37 छक्के बांग्लादेश के नाम, 36 छक्के अफगानिस्तान,

82 छक्के साऊथ अफ्रीका, 54 छक्के भारत, 76 छक्के ऑस्ट्रेलिया, 24 छक्के नीदरलैंड्स और 42 छक्के श्रीलंका के नाम दर्ज है।

वहीं, चौकें लगाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया की टीम सर्वाधिक 215 चौके लगा चुकी है। इसके बाद न्यूजीलैंड (214), दक्षिण अफ्रीका (212), फिर भारत (198) का नाम आता है। पाकिस्तान (193), इंगलैंड (181), श्रीलंका (180) बांग्लादेश (162), अफगानिस्तान (158) तो नीदरलैंड 144 चौके लगा चुकी है।

टूर्नामेंट के दौरान दक्षिण अफ्रीकी हिटर पूरे जोश में हैं। द.अफ्रीका के बल्लेबाजों ने पहले ही टूर्नामेंट के एक संस्करण में एक टीम द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्कों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। 2019 में इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने 76 छक्के उड़ाए थे। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज अभी से 82 छक्के लगाकर इस तोड़ चुके है। ऑस्ट्रेलिया (76), न्यूजीलैंड (66) और भारत (54) का भी इस लिस्ट में नाम है।

विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले प्लेयर में 49 छक्कों के साथ क्रिस गेल शीर्ष पर है। वहीं रोहित शर्मा 44 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर, 43 छक्के ग्लेन मैक्सवेल के नाम, 37 छक्के एबी डीविलियर्स, 37 छक्के डेविड वॉर्नर के नाम पर, 31 छक्के रिकी पोंटिंग के नाम पर।

सचिन तेंदुलकर के नाम पर विश्व कप में बतौर बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है, लेकिन वह विश्व कप में सिर्फ 27 छक्के ही लगा पाए हैं। सौरव गांगुली ने 21 वीरेंद्र सहवाग 18 छक्के लगा चुके हैं। टॉप 10 में सिर्फ एक ही भारतीय रोहित शर्मा केरूप में मौजूद है जोकि इस विश्व कप में इस लिस्ट में टॉप पर आ सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वनडे विश्व कप में 50 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज बने ट्रेंट बोल्ट

बेंगलुरु । एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ खेलकर ट्रेंट बोल्ट आईसीसी वनडे विश्व कप में 50 विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले गेंदबाज बने हैं। टिम साउदी 38 विकेट के साथ इस सूची में दूसरे स्थान पर हैं। बोल्ट अब ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क के बाद वनडे विश्व कप इतिहास में 50 या अधिक विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज हैं, जो 19.74 पर 59 विकेट के साथ चार्ट में सबसे आगे हैं। स्टार्क से पहले पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज वसीम अकरम के नाम यह रिकॉर्ड था। अकरम ने 23.83 की औसत से 55 विकेट लिए। इस तरह बोल्ट बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के इस विशिष्ट क्लब में शामिल होने के लिए चामिंडा वास (49) को पीछे छोड़ गए। बोल्ट 50 से अधिक वनडे विश्व कप विकेट लेने वाले कुल छठे गेंदबाज बने। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्राथ 18.19 की औसत से 71 विकेट के साथ सबसे आगे हैं। श्रीलंका के स्पिन जादूगर मुथैया मुरलीधरन 19.63 की औसत से 68 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लसिथ मलिंगा के नाम 56 विकेट हैं जबकि स्टार्क के नाम 59 विकेट हैं। अकरम 55 विकेट के साथ सूची में पांचवें और बोल्ट 52 विकेट के साथ छठे स्थान पर हैं। मौजूदा विश्व कप में बोल्ट ने अब तक 9 मैच खेलकर 11 विकेट लिए हैं। ट्रेंट बोल्ट ने श्रीलंका के खिलाफ तीन विकेट हासिल कर कहा कि हमने विकेट के बारे में जो सोचा, विकेट उससे थोड़ा अलग था। विश्वास है कि हम बाहर जा सकते हैं और इसका पीछा कर सकते हैं।

नाओमी ओसाका दिसंबर में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में वापसी करेंगी

ब्रिस्बेन। पूर्व विश्व नंबर 1 टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका अपनी बेटी को जन्म देने के छह महीने बाद दिसंबर में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के जरिये 2024 में वापसी करने के लिए तैयार हैं। 26 वर्षीय जापानी ने इस साल की शुरुआत में जनवरी में अपनी गर्भावस्था की घोषणा की और जुलाई में अपनी बेटी शाई को जन्म दिया। चार बार की प्रमुख चैंपियन ने सितंबर 2022 में टोक्यो में टोरे पैन पैसिफिक के बाद से डब्ल्यूटीए टूर पर कोई टूर्नामेंट नहीं खेला है। 31 दिसंबर से शुरू होने वाला डब्ल्यूटीए 500 इवेंट ब्रिस्बेन, ओसाका का नए सीज़न का पहला टूर्नामेंट होगा। ओसाका ने कहा, मैं कोर्ट पर वापस आने और प्रतिस्पर्धा करने को लेकर वास्तव में उत्साहित हूं। मुझे हमेशा ब्रिस्बेन में अपना सीज़न शुरू करना पसंद है और वापसी का इंतजार नहीं कर सकती। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल एक शानदार टूर्नामेंट है और यह मुझे इस गर्मी में शानदार वापसी के लिए तैयार करेगा। ओसाका की वापसी के साथ ही, ब्रिस्बेन अंतर्राष्ट्रीय आयोजकों ने दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन अजारेंका के महिला डब्ल्यूटीए 500 टूर्नामेंट में शामिल होने की पुष्टि की है, जिससे मुख्य ड्रॉ में खिलाड़ियों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। वर्ल्ड नंबर 22 अजारेंका ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में जीत-हार का शानदार रिकॉर्ड 15-2 का बनाया है, उन्होंने 2009 और 2016 में खिताब जीता था।

मैक्सवेल की तूफानी पारी ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में विश्वास ला दिया

पूर्व कप्तान रिंकी पोंटिंग मैक्सवेल के हुए मुरीद

मुंबई । ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर और पूर्व कप्तान रिंकी पोंटिंग का मानना है कि अफगानिस्तान के खिलाफ ग्लेन मैक्सवेल की शानदार पारी से ऑस्ट्रेलियाई टीम को काफी विश्वास मिलेगा और यह विश्व कप में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। मैक्सवेल ने चोट से उबरकर अफगानिस्तान के खिलाफ सिर्फ 128 गेंदों (21 चौकों और 10 छक्कों) में नाबाद 201* रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में पहुंचने में मदद की। 292 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही ऑस्ट्रेलियाई टीम का स्कोर एक समय 91/7 था। लेकिन मैक्सवेल और कप्तान पैट कमिंस ने हार के जबड़े से जीत छीन ली। पोंटिंग ने कहा, मैं बहुत सारे मैच खेल हूं और मैंने कभी ऐसा कुछ नहीं देखा है और अगर मैं फिर कभी ऐसा कुछ देखूंगा तब मुझे बहुत आश्चर्य होगा। यह सबसे उल्लेखनीय चीज थी जो आपने क्रिकेट में शायद कभी देखी हो। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के लिए विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने का बहुत बड़ा मतलब है। इस अविश्वसनीय जीत ने विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की लगातार छठी जीत दर्ज की और टूर्नामेंट के निर्णायक स्थान के लिए अगले सप्ताह एक रोमांचक सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के साथ पांच बार के चैंपियन का मुकाबला तय कर दिया। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पोंटिंग को लगता है कि अफगानिस्तान के खिलाफ मैक्सवेल की वीरता ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना विजयी क्रम जारी रखने के लिए उत्प्रेरक साबित हो सकती है और उन्हें यह विश्वास प्रदान करेगी कि वे आगे बढ़ सकते हैं और एक और विश्व कप खिताब जीत सकते हैं। पोंटिंग ने कहा, जितनी भी महान टीमों के साथ मैंने खेला है और जितनी भी महान टीमों के साथ मैं रहा हूं, उनका हमेशा यह विश्वास रहा है कि वे कहीं से भी जीत सकते हैं और वस्तुतः कहीं भी, यहां तक कि विश्व कप अभियान भी जिसमें मैं खेला था।

एलन डोनाल्ड छोड़ेंगे बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद

पुणे। दक्षिण अफ्रीका के महान तेज गेंदबाज एलन डोनाल्ड ने मौजूदा 2023 पुरुष वनडे विश्व कप में टीम के अभियान के बाद बांग्लादेश के तेज गेंदबाजी कोच का पद छोड़ने का फैसला किया है। डोनाल्ड को जुलाई 2022 में इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया था और टीम के साथ उनका आखिरी मैच शनिवार को एमसीए स्टेडियम में अपने अंतिम विश्व कप लीग मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगा। एलन डोनाल्ड ने कहा कि शुरू में उन्हें एक साल के विस्तार से कोई आपत्ति नहीं थी, लेकिन अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताने के कारण उन्होंने यह पद छोड़ने का फैसला किया। विश्व कप के दौरान मैंने मौखिक रूप से अनुबंध स्वीकार कर लिया था। हालांकि, मैंने कोई अनुबंध साइन नहीं किया लेकिन मैं एक साल के विस्तार के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के लिए ढाका वापस जाने के लिए तैयार था। मैं इसे पूरा करने और देखने के लिए उत्साहित था कि हम इस तेज गेंदबाजी समूह को और भी आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने डोनाल्ड के हवाले से कहा, विश्व कप में मेरे पास इस पर विचार करने के लिए समय था। मैंने सोचा था कि 12 महीने एक लंबा समय लगता है। कार्यक्रम बहुत व्यस्त दिखता है। बेहतर होगा कि मैं अपने परिवार के बारे में सोचना शुरू कर दूं।

बीमार उमा भारती ने कहा, अब मैं नहीं करुंगी कोई चुनावी सभा

–सभी प्रत्याशियों की जीत की कामना करुंगी

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा की 230 सीटों के लिए 17 नवंबर को मतदान होना है। जिसके लिए 15 नवंबर को शाम 5 बजे प्रचार थम जाएगा। बीजेपी और कांग्रेस ने चुनाव प्रचार अभियान में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की चुनावी सभा को लेकर गुरुवार को सागर जिले में बड़ी हलचल हो गई। जहां उमा भारती के सभा में न पहुंचने से बीजेपी प्रत्याशी और कार्यकर्ताओं की टेंशन बढ़ गई। दरअसल, सुरखी विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत ने ऐलान किया था कि पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती प्रचार करने आ रही हैं। लेकिन, उमा सभा में नहीं पहुंची और उन्होंने इसकी वजह भी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बताई है। हालांकि, उमा भारती ने मोबाइल के माध्यम से अपना भाषण दिया। उमा ने लिखा, आज सागर जिले की सुरखी विधानसभा से जो तकनीकी कठिनाई आई की स्टार प्रचारक अश्विनी वैष्णव जी वहां थे और मैं मोबाइल से भोपाल से उस सभा में भाषण कर रही थी। श्री वैष्णव जी ने वहां पहुंचकर अपना बड़प्पन दिखाया अन्यथा गोविंद सिंह जी को लाभ की जगह हानि पहुंच गई होती। उन्होंने कहा, मेरा झांसी में इलाज चल रहा था। मुझे यहां बुलबा लिया गया और फिर मैं प्रचार में पहुंच भी नहीं सकी। मुझे बुलाने वाले उम्मीदवारों ने सर्वत्र मेरे आने की चर्चा भी कर दी,अब मैं उनके लिए चिंतित हूं कि सुरखी जैसा सब जगह ना हो जाए। अब मुझे आगे किसी उम्मीदवार को संकट में नहीं डालना इसलिए, अब मेरी कोई सभा नहीं होगी। सिर्फ भगवान से सबकी विजय के लिए प्रार्थना होगी। मैं स्वयं से वचनबद्ध हूं कि देश का, राज्य का और मोदी जी का कभी अहित नहीं करूंगी। उमा ने बताया, 15 तारीख को दोपहर को टीकमगढ़ पहुंच जाऊंगी क्योंकि 17 को सुबह अपने गांव में वोट डालना है। बता दें कि बीजेपी ने बीते दिन एक पत्र जारी कर बताया था कि सुरखी विधानसभा के बिलहरा में भाजपा के समर्थन में उमा भारती जनसभा करेंगी। वे सुरखी के बिलहरा में पुलिस चौकी ग्राउंड में भाजपा प्रत्याशी गोविंद सिंह राजपूत के समर्थन में आमसभा को संबोधित करने वाली थी।

कुमार विश्वास की सुरक्षा में लगे सीआरपीएफ के तीनों कमांडो हटे, डीजी ने दिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश

गाजियाबाद। मशहूर कवि कुमार विश्वास की सुरक्षा में तैनात तीनों कमांडो को सीआरपीएफ ने हटा दिया है। इसी के साथ कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश भी दिये गये हैं। यह कार्रवाई कुमार विश्वास के काफिले और एक डॉक्टर के बीच हुए झगड़े के बाद की गई है। पिछले दिनों कुमार विश्वास ने सोशल मीडिया पर उनके काफिले पर हमला करना बताया था, जबकि डॉक्टर ने पुलिस को उनके साथ की गई मारपीट की सूचना दी थी। इसके बाद सीआरपीएफ ने कुमार विश्वास की सुरक्षा में लगे तीनों कमांडो को हटा लिया और इन्क्वारी के आदेश दे दिये। हटाए गए कमांडो की जगह नए कमांडो तैनात किये गये हैं। जानकारी अनुसार सीआरपीएफ ने कुमार विश्वास की सुरक्षा में तैनात कमांडो को हटा दिया है। इनकी जगह नए कमांडो तैनात भी कर दिए गए हैं। सीआरपीएफ महानिदेशक एसएल थाओसेन ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश भी दिये हैं। डीजी का कहना है कि प्रथम दृष्टया कमांडो द्वारा मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन नहीं करना पाया गया है। गौरतलब है कि सीआरपीएफ ने यह कार्रवाई गाजियाबाद में कुमार विश्वास के काफिले से कार निकालने को लेकर हुए विवाद के मद्देनजर लिया है। डॉक्टर पल्लव बाजपेई का आरोप है कि उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने पीटा था। इस मामले में गाजियाबाद पुलिस ने दोनों पक्षों की एफआईआर दर्ज की है। जानकारी अनुसार दोनों ही मामलों में आरोपी अज्ञात दर्शाए गए हैं। खास बात यह है कि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कुमार विश्वास से इस पूरे प्रकरण में सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा है।

मनीष सिसोदिया को धनतेरस पर मिली बड़ी खुशखबरी, बीमार पत्नी से मिलने की मिली इजाजत

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसौदिया को शनिवार सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक छह घंटे के लिए अपनी बीमार पत्नी सीमा सिसौदिया से मिलने की अनुमति दी गई है। राष्ट्रीय राजधानी

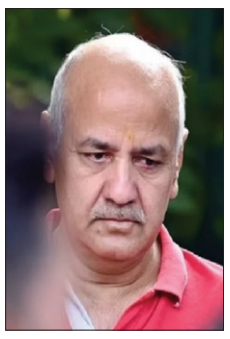

में राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एमके नागपाल ने शुक्रवार को यह अनुमति दी। यह तब हुआ जब सिसोदिया ने गुरुवार को पांच दिनों की अवधि के लिए एक आवेदन दायर कर ऑटोइम्यून डिसऑर्डर और मल्टीपल स्केलेरोसिस से पीड़ित अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति मांगी थी। पूर्व मंत्री को आखिरी बार इस साल जून में अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई थी। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 में भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सिसोदिया वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद हैं। वह दो मामलों में केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय की गिरफ्त में हैं और दोनों में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया गया है। उन्हें पहले 27 फरवरी को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था, और फिर 9 मार्च को सीबीआई की एफआईआर से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के एक दिन बाद उन्होंने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था।

विपक्षी नेताओं को भी राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में किया जाएगा आमंत्रित

- राजनीतिक विचारधारा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा

इलाहाबाद । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में किए जाने वाले राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में विपक्ष के नेताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस संबंध में जल्?द ही कांग्रेस और समाजवादी पार्टी सहित विपक्षी नेताओं को विशेष रूप से पूजे गए चावल (अक्षत) दिए जाएंगे। सूत्रों के मुताबिक विहिप अगले साल एक जनवरी से एक राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत राजनीतिक संगठनों से संपर्क करना शुरू कर देगी, जो पार्टी लाइन से ऊपर उठकर होगा। विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने कहा कि राजनीतिक विचारधारा के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा। हर इच्छुक व्यक्ति को, चाहे उनकी

राजनीतिक संबद्धता कुछ भी हो, पवित्र अक्षत के साथ आमंत्रित किया जाएगा। विहिप सूत्रों ने कहा कि संगठन को साधु-संतों ने यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि राम मंदिर का उद्घाटन एक गैर-राजनीतिक कार्यक्रम रहे। विहिप के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह राम भक्तों का मंदिर है, एक राष्ट्र मंदिर है। विपक्षी नेताओं, मुख्य रूप से कांग्रेस के नेताओं द्वारा यह सवाल उठाए जाने के बाद कि क्या राम मंदिर का उद्घाटन एक भाजपा कार्यक्रम बन जाएगा, कुछ दिनों बाद यह घटनाक्रम काफी महत्वपूर्ण हो गया है। यह तब हुआ जब संतों और राम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र के कई अधिकारियों ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और मंदिर के उद्घाटन के लिए निमंत्रण दिया। 5 नवंबर को अयोध्या से रवाना किए गए अक्षत कलश विहिप की 45 प्रांतों, संगठनात्मक राज्य इकाइयों तक पहुंच चुके हैं। यहां से उन्हें पुनर्वितरित किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि यह कवायद दिसंबर के अंत तक पूरी हो जाएगी, इसके बाद विहिप और उससे जुड़े समूह घरों तक पहुंचना शुरू कर देंगे। अभियान कम से कम 5 लाख गांवों और 60 करोड़ से अधिक लोगों को कवर करेगा। विहिप ने 2021 के राम जन्मभूमि निधि समर्पण अभियान के समान अभियान चलाने की योजना बनाई है, जब उसने राम मंदिर के निर्माण के लिए हजारों करोड़ की धनराशि एकत्र की थी। सूत्रों ने कहा कि संघर्ष के दिनों में अपना योगदान देने वाले कार सेवकों के परिवारों और अदालतों में लड़ाई लड़ने वाले वकीलों तक पहुंचने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर प्रहार, बोले-वह लाखों का सूट पहनते हैं, मैं सिर्फ सफेद टी-शर्ट में हूं

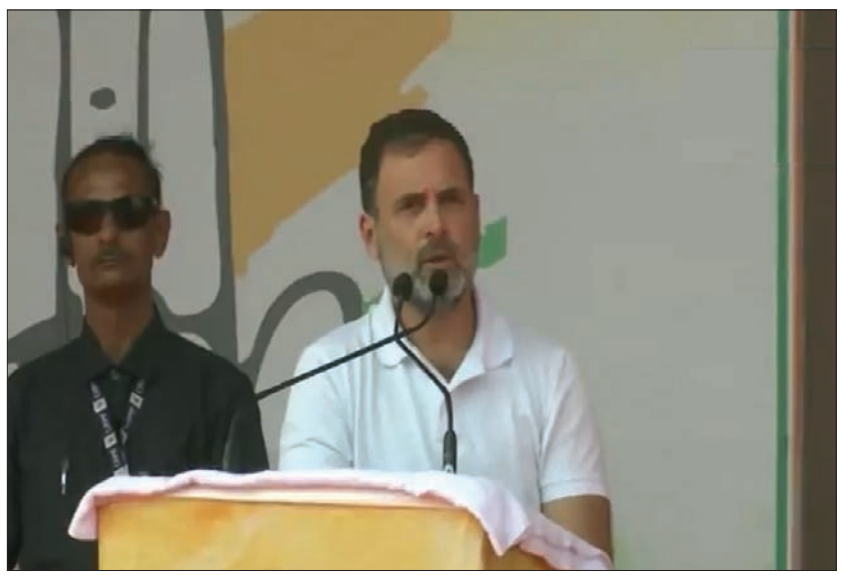

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रचार करने के लिए आज राहुल गांधी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि नोटबंदी, जीएसटी ने छोटे-मध्यम व्यवसाइयों और व्यापारियों को नुकसान पहुंचाया जिससे देश में भारी बेरोजगारी पैदा हुई। उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश में कर्ज के कारण 18 साल में करीब 18,000 किसानों ने आत्महत्या की। राहुल ने कहा कि भाजपा की सरकार आई और उन्होंने छोटे व्यापारियों पर आक्रमण शुरू कर दिया। जीएसटी टैक्स नहीं है बल्कि ये छोटे व्यापारियों, किसानों के खिलाफ हथियार है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान में पहली बार किसान टैक्स दे रहा है... भाजपा सरकार आपसे यानी गरीबों से जीएसटी लेती है और पूरा का पूरा पैसा 3-4 उद्योगपतियों को पकड़ा देती है।

राहुल ने कहा कि 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान मैं युवाओं से पूछता था कि आपने क्या पढ़ाई की है और क्या कर रहे हो? वे कहते थे- इंजीनियरिंग की है, मेडिकल किया है, लीगल स्ट्डीज की है, लेकिन बेरोजगार हैं। जहां भी बीजेपी की सरकार है, वहां युवा बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे स्टेशन पर मुझे एक युवा कुली मिला। मैंने उससे पूछा कि कुली बनने से पहले तुम्हारा सपना क्या था? उसने कहा- मैं इंजीनियर बनना चाहता, सिविल इंजीनियरिंग की है, डिग्री ली है, हजारों रुपए खर्च किए हैं। लेकिन मुझे रोजगार नहीं मिला, इसलिए कुली का काम कर रहा हूं। यह इस देश की सच्चाई है। उन्होंने कहा कि रोजगार बड़े उद्योगपति नहीं देते, रोजगार छोटे व्यापारी देते हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पहले हिन्दुस्तान में लाखों छोटे-छोटे यूनिट हुआ करते थे, जिससे लाखों युवाओं को रोजगार मिलता था। नरेंद्र मोदी जी ने छोटे व्यापारियों पर नोटबंदी और जीएसटी लगाकर आक्रमण करना शुरु कर दिया। जीएसटी टैक्स नहीं है, यह छोटे व्यापारियों को खत्म करने का हथियार है। उन्होंने कहा कि देश के दलित, आदिवासी, ओबीसी और सामान्य वर्ग के गरीब लोग जीएसटी देते हैं। मोदी सरकार गरीबों से जीएसटी लेकर बैंक का पूरा पैसा 3-4 उद्योगपतियों को सौंप देती है। सतना में एक रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा, 'मैंने पीएम मोदी का भाषण सुना, वह हर भाषण में हर जगह कहते थे कि मैं ओबीसी समुदाय से हूं, वह बार-बार यह कहकर प्रधानमंत्री बन गए। वह एक दिन में कम से कम 1 सूट पहनते हैं लाखों रुपये की कीमत। क्या आपने मोदी जी को अपने कपड़े दोहराते हुए देखा है? मैं यह एक ही सफेद शर्ट पहनता हूं। क्या आप जानते हैं कि जैसे ही मैंने जाति आधारित जनगणना के बारे में बोलना शुरू किया, उनके भाषणों से जाति क्यों गायब हो गई। जब से मैंने इसके बारे में बोलना शुरू किया, मोदी ने शुरू कर दिया यह कहते हुए कि भारत में कोई जाति नहीं है।

संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर से शुरू होने वाले सत्र के दौरान होगी 15 बैठकें

नई दिल्ली । संसद का शीतकालीन सत्र चार दिसंबर से नई संसद भवन में शुरू होगा। 22 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र के दौरान 15 बैठकें होंगी। केंद्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी देते हुए बताया ?कि सत्र में 19 दिनों के दौरान 15 बैठकें होंगी। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ लगे 'पैसे लेकर प्रश्न पूछने के आरोपों से जुड़े मामले में लोकसभा की आचार समिति की रिपोर्ट भी इस सत्र के दौरान सदन में पेश की जाएगी। समिति ने मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की अनुशंसा की है। प्रमुख आपराधिक कानूनों के स्थान पर लाए गए तीन प्रमुख विधेयकों पर सत्र के दौरान विचार किए जाने की संभावना है। गृह मामलों की स्थायी समिति ने हाल ही में तीन विधेयकों पर अपनी रिपोर्ट को स्वीकारा है। संसद में लंबित एक अन्य प्रमुख विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित है। मानसून सत्र में पेश किए गए इस विधेयक को सरकार ने विपक्ष और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के विरोध के बीच संसद के विशेष सत्र में पारित करने पर जोर नहीं दिया। सरकार इस विधेयक के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों के दर्जे को कैबिनेट सचिव के बराबर लाना चाहती है। वर्तमान में उन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर का दर्जा प्राप्त है।

'जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं हो सकता', प्रमोद कृष्णम बोले- कांग्रेस के कुछ नेताओं को राम और हिंदू शब्द से दिक्कत

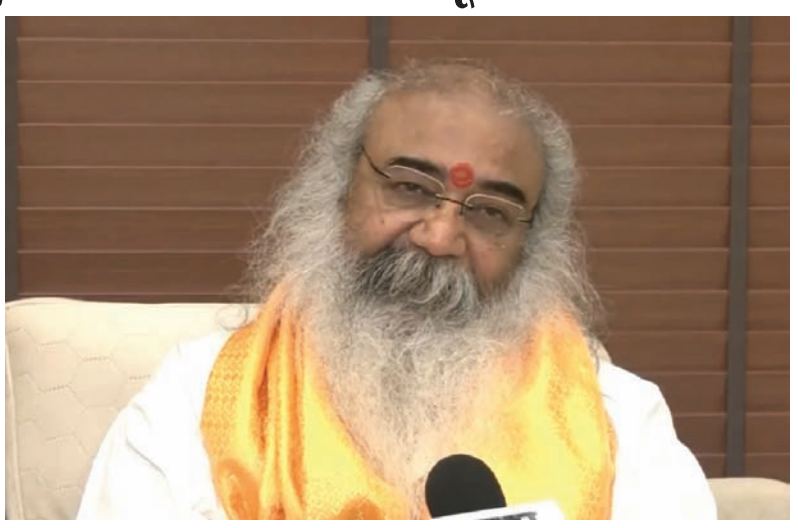

नई दिल्ली (एजेंसी)। राम मंदिर में 22 जनवरी 2024 को प्राण प्रतिष्ठा होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होंगे। इन सब के बीच कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जो राम से नफरत करता हो वो हिंदू नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि राम मंदिर को रोकने के जो प्रयास हुए हैं उसे सारी दुनिया जानती है... राम से नफरत कौन करता है और राम के प्रति श्रद्धा किसकी है? मुझे नहीं लगता कि इस रहस्य पर कोई परदा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि कांग्रेस का हिस्सा होने का मतलब ये नहीं है कि सच को सच और झूठ को झूठ न कहा जाए। मैंने महसूस किया है कि कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जिन्हें राम मंदिर से ही नहीं राम से भी नफरत है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह देश का सौभाग्य है कि हम राम मंदिर के उद्घाटन के साक्षी बनेंगे। स्टार प्रचारक ना बनाए जाने को लेकर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि नाराजगी का कोई कारण नहीं है। हो सकता है उन्हें (कांग्रेस) हिंदुओं के समर्थन की जरूरत ना हो या किसी हिंदू धर्म गुरू को स्टार प्रचारक बनाने का जो मकसद होता है उन्हें उसमें कोई कमी नजर आ रही हो। ये पार्टी का निर्णय है। इंडिया गठबंधन पर उन्होंने कहा कि गठबंधन के एक साथ आने का मुख्य कारण मोदी और भाजपा सरकार को हटाना था। अफसोस की बात है कि अफसोस की बात है कि विपक्ष यह भूल गया है कि उसे अब देश से नफरत होने लगी है जबकि वह नरेंद्र मोदी से इतनी नफरत करता है।

बिहार के मुख्यमंत्री के महिलाओं पर अपमानजनक बयान और जीतन राम मांझी पर उनकी टिप्पणी पर कांग्रेस के आचार्य कृष्णम कहते हैं, 'नीतीश कुमार ने राज्य विधानसभा में महिलाओं की गरिमा को तार-तार कर दिया और इंडिया गठबंधन के किसी भी नेता ने इसके खिलाफ कुछ नहीं कहा।' विडंबना यह है कि विपक्ष अपनी गलतियों के लिए मोदी को दोषी ठहराना चाहता है और उनकी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहता...नीतीश कुमार ने महिलाओं की गरिमा को तार-तार किया और भारत की संस्कृति पर काला धब्बा लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी परिवार के बिना कांग्रेस की कोई पहचान नहीं है। संपूर्ण विपक्ष और इंडिया गठबंधन के पास प्रियंका गांधी से अधिक लोकप्रिय कोई दूसरा नेता नहीं है। अगर कांग्रेस नरेंद्र मोदी को कड़ी टक्कर देना चाहती है तो प्रियंका गांधी को पीएम उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए।

दिल्ली प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट का सवाल, हमारे दखल पर ही एक्शन क्यों होता है?

–केजरीवाल सरकार ने कहा आपके निर्देश का इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को लेकर शुक्रवार 10 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि जब हम दखल देते हैं, तभी एक्शन क्यों लिया जाता है? इससे पहले केजरीवाल सरकार ने ऑड-ईवन के फायदे गिनाते हुए कोर्ट के निर्देश पर इसे लागू करने की बात कही। इस पर कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पिछले 6 साल से क्या कर रहे थे, वो तो शायद भगवान ने दिल्ली वालों की प्रार्थनाएं सुन लीं और रात में बारिश हो गई।

दिल्ली सरकार को फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट की डबल बेंच ने कहा कि हम नतीजे देखना चाहते हैं। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की डबल बेंच ने दिल्ली सरकार से पूछा कि पिछले 6 साल से आप क्या कर रहे थे। शायद भगवान ने दिल्ली के लोगों की प्रार्थनाएं सुन लीं। इसलिए गुरुवार रात बारिश हो गई। कोर्ट को दिल्ली सरकार के वकील ने ऑड-ईवन के फायदे गिनाए। सरकार की तरफ से वकील ने कहा कि हमारे पास एक स्टडी है, जिससे स्पष्ट होता है कि ऑड-ईवन से प्रदूषण कम करने में मदद मिलती है। हम इसे कोर्ट के निर्देश पर लागू करेंगे। इस पर जस्टिस कौल का कहना था कि इससे सुप्रीम कोर्ट के आदेश का क्या लेना-देना है? आप वही करेंगे, आपको जो करना है। सुप्रीम कोर्ट में अब इस मामले को लेकर 21 नवंबर को सुनवाई होगी। वकील ने कोर्ट को बतलाया कि पराली जलाने की घटनाओं पर एनजीटी ने स्वतः संज्ञान लिया है। इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि बारिश का इंतजार करने के अलावा पराली जलाने से रोकने के लिए क्या किया जा रहा है? अगर कोई पराली जलाता है तो उसे सब्सिडी नहीं मिलेगी...ऐसा कुछ करना होगा। प्रदूषण मामले में अदालत काफी गंभीर नजर आई है। जस्टिस अमानुल्लाह ने अपनी टिप्पणी में यहां तक कहा है कि प्रदूषण फैलाने के मामले में सामूहिक जुर्माना या संपत्ति की कुर्की भी की जा सकती है।

6 माह बाद भी नहीं पता चला सीमा जासूस हैं की नहीं

–जांच एजेंसियों रिपोर्ट का कर रही इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान से 4 बच्चों के साथ आई सीमा हैदर जासूस है या नहीं, 6 माह बाद भी इसकी जांच ही चल रही है। अब तक न सीमा के मोबाइल फोन की फोरेंसिक रिपोर्ट आई, न ही कोई टेस्ट हुआ है। जांच एजेंसियों ने 4 पेज का एक डॉक्यूमेंट पाकिस्तान, नेपाल और दुबई भेजा है। तीनों देशों के सरकारें इनका वेरिफिकेशन करेंगी, उसके बाद भारत में जांच आगे बढ़ेगी।

बात दें कि जांच एजेंसियों की ओर से सीमा को क्लीन चिट नहीं मिली है, लेकिन वे पति सचिन के साथ जिंदगी जी रही हैं। सीमा बताती हैं कि टीवी शो बिग बॉस और द कपिल शर्मा शो से उनके पास ऑफर आया था। कुछ फिल्में भी ऑफर हुई थीं।

सीमा नेपाल के रास्ते 10 मई, 2023 को भारत आई थीं। गैरकानूनी तरीके से भारत आने की वजह से पुलिस ने 4 जुलाई को उन्हें अरेस्ट कर लिया था। पाकिस्तानी होने की वजह से खुफिया एजेंसियां भी जांच में शामिल हो गईं। एक्सपर्ट्स ने शक जताया था कि कुछ ही दिनों में जैसे सीमा भारतीय तौर तरीकों में रच-बस गई है, वैसा मजबूत ट्रेनिंग से ही हो सकता है। तब सकुचाई सी दिखने वाली सीमा अब कॉन्फिडेंट यूट्यूबर बन चुकी हैं। उनका यू-ट्यूब चैनल मोनेटाइज हो गया है। 9 लाख सब्सक्राइबर हैं। यूट्यूब से एक बार 55 हजार रुपए मिले भी हैं।

अपने खिलाफ चल रही जांच से बेफिक्र सीमा सचिन और उनके परिवार के साथ रबूपुरा में रह रही हैं। सचिन के घर में उनका अलग कमरा बन गया है। ये पूरे घर में सबसे शानदार है। हम घर पहुंचे, तब देखा कि लाल रंग की चुनरी, पीले रंग का लहंगा, माथे पर बिंदी लगाए, सजी-संवरी सीमा 4 महीने पहले की सीमा से काफी अलग हैं। सीमा हमें अपने कमरे में ले गईं। ये कमरा पहले नहीं था। एक दीवार पर राधा-कृष्ण की फोटो लगी है। दूसरी दीवार पर एडवोकेट एपी सिंह, पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो है। अलमारियों में क्रॉकरी, मूर्तियां और सीमा के गहने रखे हैं।

8 पूर्व नौसैनिकों की सजा-ए-मौत के खिलाफ ऊपरी अदालत पहुंचा भारत

–विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने कतर की कैद में मौजूद 8 पूर्व नौसैनिकों की सजा-ए-मौत के खिलाफ कतर की ऊपरी अदालत में अपील दायर कर दी है। इसकी जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने दी। बागची के मुताबिक इसके अलावा भारत को इन सैनिकों से मुलाकात के लिए दूसरा कॉन्स्यूलर एक्सेस भी मिल गया है। भारत सरकार कतर के लगातार संपर्क में है। कतर में जिन 8 पूर्व नौसेना अफसरों को मौत की सजा दी गई है उनके नाम हैं, कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश।

बागची के मुताबिक भारत को मामले में दूसरी बार कॉन्स्यूलर एक्सेस मिला है। भारत सरकार इस मामले में कतर की अथॉरिटीज के संपर्क में है। कतर में 'कोर्ट ऑफ फर्स्ट इन्सटेंस' ने यह सजा सुनाई थी। यह फैसला गोपनीय रखा गया है और इस सिर्फ आरोपियों की लीगल टीम के साथ शेयर किया गया है। भारत ने सजा के खिलाफ वहां की हायर कोर्ट में अपील दायर कर दी है। कतर में तीन तरह की कानूनी निजाम है। कोर्ट ऑफ फर्स्ट इन्सटेंस ने यह सजा सुनाई थी। जिस निचली अदालत कहा जा सकता है। इसके बाद द अपील कोर्ट होता है। इन कोर्ट को हमारे हाईकोर्ट्स की तरह देखा जा सकता है। तीसरी और सर्वोच्च अदालत कोर्ट ऑफ कंसेशन है जिसे सुप्रीम कोर्ट कहा जा सकता है। बहरहाल, इसके अलावा कतर के नेशनल डे (18 दिसंबर) को यहां के अमीर कई आरोपियों की सजा माफ करते हैं।

हालांकि, मामले की गंभीरता, संवेदनशीलता और गोपनीयता को देखकर यह मामला पहले अदालतों में ही खत्म होगा। इसके बाद अगर जरूरी हुआ तब भारत टॉप लेवल पर कतर के शाही परिवार के सामने उठा सकता है। ये भारतीय एक साल से कतर की अलग-अलग जेलों में कैद हैं। कतर की इंटेलिजेंस एजेंसी के स्टेट सिक्योरिटी ब्यूरो ने इंडियन नेवी के 8 पूर्व अफसरों को 30 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया था। हालांकि भारतीय दूतावास को सितंबर के मध्य में पहली बार इनकी गिरफ्तारी के बारे में बताया गया। 30 सितंबर को इन भारतीयों को अपने परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी देर के लिए टेलीफोन पर बात करने की मंजूरी दी गई।

सांसदी बचना मुश्किल, गलती पर गलती करती रहीं महुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोपों का सामना कर रही टीएमसी सांसद महुआ मोहत्री की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं है। उनकी सांसदी जाना लगभग तय माना जा रहा है। उन्होंने जिस तरह से गलती पर गलती की है उसे देखकर नहीं लगता कि उनके बच निकलने के कोई चांस हैं। बीजेपी के सांसद निशिकांत दुबे ने टीएमसी की सांसद मोइत्रा पर संसद में सवाल पूछने के लिए हीरानंदानी समूह के सीईओ दर्शन हीरानंदानी से रिश्वत लेने का आरोप लगाया है. उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मोइत्रा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति गठित करने का आग्रह किया था। एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष विनोद सोनकर ने बताया कि 'रिपोर्ट स्वीकार कर ली गई है। कुछ सदस्यों ने उन्हें बचाने की कोशिश की लेकिन बहुमत रिपोर्ट को अपनाने के पक्ष में था। अब रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को भेजी जा रही है।' सोनकर ने कहा कि छह सदस्यों ने मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश के पक्ष में और चार सदस्यों ने विरोध में मतदान किया। पैनल की सदस्य भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी के मुताबिक पंजाब के पूर्व सीएम और भाजपा नेता अमरिंदर सिंह की पत्नी कांग्रेस सांसद परनीत कौर ने मोइत्रा के निष्कासन के पक्ष में मतदान किया। परनीत कौर पर सोनकर ने कहा कि 'जो लोग सच्चाई के लिए हमारे साथ हैं, मैं उनका स्वागत करता हूं। संसद की गरिमा बचाने के लिए यह अच्छा संकेत है। यह उनका स्वागत योग्य कदम है।' फरवरी में कौर को कांग्रेस ने इस आरोप में निलंबित कर दिया था कि वह पंजाब में भाजपा की मदद कर रही थीं। उनके पति अमरिन्दर सिंह और बेटी जय इंदर कौर पिछले साल भाजपा में शामिल हुए थे। बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने भी कहा कि परनीत कौर ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि 'पंजाब हमेशा भारत की पहचान और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खड़ा रहा है। आज फिर कैप्टन अमरिन्दर सिंह जी और कांग्रेस पार्टी की सांसद परनीत कौर जी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए कोई समझौता नहीं किया। भारत पंजाब के बहादुर लोगों का हमेशा आभारी था, है और रहेगा।' गौरतलब है कि 2 नवंबर को महुआ मोइत्रा कथित 'कैश-फॉर-क्वेरी' मामले में लोकसभा आचार समिति के सामने पेश हुईं और बाद में यह कहते हुए बैठक से बाहर चली गईं कि सवाल 'स्क्रिप्टेड और गंदे' थे। लोकसभा की आचार समिति ने महुआ मोइत्रा के खिलाफ 'कैश फॉर क्वेरी' आरोपों की जांच के मामले में उन्हें सांसद पद से निष्कासित करने की सिफारिश की है। उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि संसदीय पैनल ने कहा है कि महुआ मोइत्रा का आचरण 'अनैतिक और जघन्य' प्रकृति का था।

गाजा में संघर्ष-विराम की मांग पर मीडियाकर्मियों ने प्रदर्शन किया

गाजा । गाजा में तत्काल संघर्ष-विराम की मांग को लेकर न्यूयॉर्क स्थित द न्यूयॉर्क टाइम्स के कार्यालय की लॉबी में फलस्तीन समर्थकों ने प्रदर्शन कर इजराइल-हमास युद्ध की निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाए जाने का आरोप लगाया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी मीडिया संस्थान के मैनहट्टन कार्यालय में एकत्र हुए। इनमें से कई लोग इमारत के प्रांगण में आ गए और एक घंटे से अधिक समय तक धरना दिया। यह प्रदर्शन मीडियाकर्मियों के राइटर्स ब्लॉक नामक एक समूह के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में मारे गए हजारों फलस्तीनियों का उल्लेख किया जिनमें कम से कम 36 पत्रकार शामिल हैं। उन्होंने एक छद्म समाचार पत्र- द न्यूयॉर्क वॉर क्राइम्स के संस्करण बांटे, जिसमें मीडिया पर नरसंहार को वैध बनाने में संलिप्तता का आरोप लगाया गया और टाइम्स के संपादकीय बोर्ड से संघर्ष-विराम का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने की मांग की है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इस प्रदर्शन के दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं। इससे पहले भी अमेरिका में विभिन्न समूहों ने गाजा में जारी इजराइल के हमलों के खिलाफ प्रदर्शन किए हैं। हमास शासित गाजा प्रशासन के अनुसार गाजा में युद्ध के दौरान 10 हजार 800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हमास ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध छिड़ गया।

अवैध रुप से ब्रिटेन की यात्रा करने गये भारतीयों की वापसी होगी आसान

लंदन। भारत और ब्रिटेन के बीच बेहतर हो रहे रिश्तों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा है। दोनों देश एक दूसरे के साथ मिलकर प्रगति का मार्ग प्रशस्त करने के प्रयास में लगे हैं। ऐसे ही प्रयासों के चलत ब्रिटेन सरकार ने भारत को सुरक्षित देशों की विस्तारित सूची में शामिल करने की योजना पेश की है, जिससे देश से अवैध रूप से यात्रा करने वाले भारतीयों की वापसी की प्रक्रिया तेज हो जाएगी। साथ ही ब्रिटेन में शरण मांगने की उनकी संभावना खत्म हो जाएगी। हाउस ऑफ कॉमंस में रखे गए मसौदा कानून में भारत और जॉर्जिया को सूची में जोड़े जाने वाले देशों के रूप में शामिल किया गया है। गृह कार्यालय ने कहा कि भारतीय और जॉर्जियाई नौकाओं का आगमन पिछले वर्षों में बढ़ गया है, जबकि इन देशों के व्यक्तियों पर उत्पीड़न का कोई स्पष्ट खतरा नहीं है। इसने कहा, इन देशों को सुरक्षित मानने का मतलब यह होगा कि यदि कोई व्यक्ति इनमें से किसी देश से अवैध रूप से आता है, तो हम ब्रिटिश शरण प्रणाली में उनके दावे को स्वीकार नहीं करेंगे। ब्रिटेन द्वारा सुरक्षित समझे जाने वाले अन्य देशों में अल्बानिया और स्विट्जरलैंड, यूरोपीय संघ (ईयू) और यूरोपीय आर्थिक क्षेत्र (ईईए) से जुड़े देश शामिल हैं। देश की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने कहा, हमें सुरक्षित देशों से ब्रिटेन की खतरनाक और अवैध यात्रा करने वाले लोगों को रोकना चाहिए। उन्होंने कहा, इस सूची का विस्तार करने से हमें उन लोगों को अधिक तेजी से हटाने में मदद मिलेगी जिनके पास यहां रहने का अधिकार नहीं है। यह एक स्पष्ट संदेश भेजता है कि यदि आप अवैध रूप से यहां आते हैं, तो आप नहीं रह सकते। हम अपने प्रवासन अधिनियम में उपाय करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो अवैध प्रवासन के खिलाफ लड़ाई में एक भूमिका निभाएगा।ब्रिटेन के गृह कार्यालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य देश की इमीग्रेशन या आव्रजन प्रणाली को मजबूत करना और सुरक्षा संबंधी निराधार दावे करने वाले लोगों को प्रणाली का दुरुपयोग करने से रोकना है।

नेपाल सरकार को नुकसान के आरोप में भारतीय से 5.54 करोड़ नेपाली रुपये चुकाने की मांग

काठमांडू। नेपाल सरकार के स्वामित्व वाली जमीन के एक टुकड़े का मालिकाना हक लेने के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने और सरकारी खजाने को 5.4 करोड़ नेपाली रुपये से अधिक का नुकसान पहुंचाने के आरोप में एक भारतीय नागरिक के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कमीशन फॉर इन्वेस्टिगेशन ऑफ अब्यूज ऑफ ऑथोरिटी ने अनूप मेहरा के खिलाफ एक मामला दर्ज कर 5.54 करोड़ नेपाली रुपये चुकाने की मांग की है। मेहरा ने अपने पक्ष में एक फर्जी दस्तावेज तैयार करने और जमीन का मालिकाना हक लेने के लिए नवलपारसी के भूमि सुधार कार्यालय के प्रमुख को प्रभावित किया था। इसके बाद उसने जमीन के टुकड़े को तीसरे पक्ष को बेच दिया। सीआईएए में सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाने वाले भ्रष्टाचार में शामिल होने के आरोप में मेहरा के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। हालांकि भारतीय नागरिक अभी फरार है।

अमेरिका में फलस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन इजराइल-हमास जंग पर निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाने का आरोप

न्यूयॉर्क। गाजा में तत्काल संघर्ष-विराम की मांग को लेकर न्यूयॉर्क में द न्यूयॉर्क टाइम्स के कार्यालय की लॉबी में फलस्तीन समर्थकों ने प्रदर्शन किया तथा इजराइल-हमास जंग पर निष्पक्ष खबरें नहीं दिखाने का आरोप लगाया। सैकड़ों प्रदर्शनकारी मीडिया के मैनहट्टन कार्यालय में एकत्र हुए। इनमें से कई लोग इमारत के प्रांगण में आ गए और एक घंटे से अधिक समय तक धरना दिया। यह प्रदर्शन मीडियाकर्मियों के राइटर्स ब्लॉक नामक समूह के नेतृत्व में किया गया। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में मारे गए हजारों फलस्तीनियों का जिक्र किया जिनमें 36 पत्रकार हैं। उन्होंने एक छद्म समाचार पत्र- द न्यूयॉर्क वॉर क्राइम्स के संस्करण बांटे जिसमें मीडिया पर नरसंहार को वैध बनाने में लिप्तता का आरोप लगाया और टाइम्स के संपादकीय बोर्ड से संघर्ष-विराम का सार्वजनिक रूप से समर्थन करने की मांग की है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि बृहस्पतिवार को किए गए इस प्रदर्शन के दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं। इससे पहले भी अमेरिका में विभिन्न समूहों ने गाजा में जारी इजराइल के हमलों के खिलाफ प्रदर्शन किए हैं। हमास शासित गाजा प्रशासन के अनुसार गाजा में युद्ध के दौरान 10 हजार 800 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हमास ने इजराइल पर 7 अक्टूबर को हमला किया था जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध छिड़ गया। हमास के हमलों में इजराइल में कम से कम 1 हजार 400 लोगों की अब तक मौत हुई है।

दुनिया में ब्रिटेन की महिलाएं सबसे बड़ी शराबी

लंदन। चेंज यूके के मुख्य कार्यकारी डॉक्टर रिचर्ड पाइपर ने कहा, सरकार को शराब पर नियंत्रण के लिए नए उपाय करने की जरूरत है। सरकार शराब से होने वाले नुकसान से लोगों को बचाए।ब्रिटेन में महिलाएं सबसे ज्यादा शराब पीती हैं। एक बार में वह 6 पेग तक शराब पी जाती हैं। शराब पीने वालों में 55 फ़ीसदी पुरुष है। 45 फ़ीसदी महिलाएं शराब का सबसे ज्यादा सेवन करती हैं। इतनी शराब दुनिया के और किसी अन्य देश में महिलाओं द्वारा नहीं पी जाती है। ओसीडी की रिपोर्ट के अनुसार केवल पांच देश जिसमे अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान और ऑस्ट्रेलिया स्वास्थ्य की दृष्टि से अपनी जीडीपी का सबसे ज्यादा खर्च करते हैं।रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में स्वास्थ्य की देखभाल के लिए बहुत कम खर्च किया जाता है।ब्रिटेन में नर्सों को कम वेतन मिलता है। अस्पताल में पर्याप्त बेड उपलब्ध नहीं है। चिकित्सा उपकरण भी कम है। जिसके कारण ब्रिटेन के लोगों को पर्याप्त स्वास्थ्य सेवा नहीं मिल पा रही है।

दुबई में पूजा कराने के लाखों रुपए की दक्षिणा वसूल कर रहे हैं पंडित

दुबई। भारतीय पंडितों की विदेश में बड़ी मांग हो रही है।सबसे ज्यादा मांग दुबई से आ रही है। भारतीय परंपरा और रीति रिवाज से पूजा करने के लिए पंडित विदेश जा रहे हैं। दुबई में पूजा पाठ संपन्न करने के लिए भारतीय पंडित लाखों रुपए की दक्षिणा वसूल कर रहे हैं। दुबई की दूरी कम है, दो दिन के अंदर पूजा कराकर वापस भी आ जाते हैं। यजमान खुद वीजा और हवाई जहाज के टिकट भेज देते हैं।भारतीय पंडित वहां जाकर बढ़िया खाते पीते,रहते हुए पूजा पाठ कराकर लाखों रुपए की दक्षिणा लेकर वापस आते हैं।

पंडितों का सोना प्रेम- दुबई में दीपावली पर सोने की मांग 50 फीसदी तक बढ़ जाती है। जो पंडित वहां पर पूजा कराने जाते हैं। वह दक्षिणा के पैसे से सोना खरीद कर ले आते हैं। इस साल 500 से अधिक पंडित दीपावली की पूजा करने दुबई जाएंगे। इसके अलावा अन्य देशों में भी दीपावली की पूजा के लिए बड़ी संख्या में पंडित गए हुए हैं।पहले पूजा करने के लिए उत्तर भारत के पुजारी और पंडित जाते थे। लेकिन अब दक्षिण भारत के भी पंडित भी दुबई और अन्य देशों में पूजा करने के लिए जा रहे हैं। इसके लिए जो प्रवासी भारतीय हैं, वह एडवांस में पंडितों को बुक कर लेते हैं।

कम्बोडियन राजा नोरोडोम सिहामोनी (सी) ने कंबोडिया के नोम पेन्ह में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान स्वतंत्रता स्मारक के अंदर औपचारिक विजय अग्नि जलाई।

10 भारतीय-अमेरिकियों ने राज्य और स्थानीय चुनावों में जीत हासिल की

वाशिंगटन। अमेरिका में रह रहे 10 भारतीय-अमेरिकियों ने स्थानीय चुनावों में शानदार जीत हासिल की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार देश के अलग-अलग हिस्सों में हुए स्थानीय व राज्य स्तर के चुनावों में यह जीत मिली है। इनमें से ज्यादातर भारतवंशी डेमोक्रेट पार्टी से संबंधित हैं। यह जीत अमेरिका की राजनीति में भारतीय समुदाय के बढ़ते दबदबे को दर्शाती है। जानकारी के अनुसार सुहास सुब्रमण्यम भी वर्जीनिया की सीनेट के लिए फिर से चुने गए हैं। वह दो बार 2019 और 2021 में हाउस ऑफ डेलीगेट्स के लिए निर्वाचित हुए थे। ह्यूस्टन में जन्मे सुब्रमण्यम पूर्ववर्ती ओबामा प्रशासन के दौरान व्हाइट हाउस में प्रौद्योगिकी नीति सलाहकार रहे थे। इसी तरह व्यापार क्षेत्र के दिग्गज कन्नन श्रीनिवासन भारतीय-अमेरिकियों के प्रभुत्व वाले लाउडन काउंटी क्षेत्र से वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स के लिए चुने गए हैं। वहीं, न्यू जर्सी से भी तीन भारतीय-अमेरिकियों ने जीत हासिल की है। न्यू जर्सी में भारतीय-अमेरिकी विन गोपाल और राज मुखर्जी राज्य सीनेट के लिए चुने गए हैं। इनके अलावा बलवीर सिंह न्यू जर्सी के बर्लिंगटन काउंटी बोर्ड ऑफ काउंटी कमिश्नर में फिर से निर्वाचित हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार पेनसिल्वेनिया में नील मुखर्जी (डेमोक्रेट) ने मोंटोगोमेरी काउंटी कमिश्नर, जबकि इंडियाना में भारतीय-अमेरिकी चिकित्सक डॉ. अनिता जोशी ने कार्मेल सिटी काउंसिल सीट की वेस्ट डिस्ट्रिक्ट सीट पर जीत हासिल की है। जब?कि गैर-लाभकारी लैंड बैंक के सीईओ अरुणन अरुलमपालम को कनेक्टिकट में हार्टफोर्ड के मेयर के रूप में चुना गया है। अरुणन जिम्बाब्वे से अमेरिका आए थे। चुनावों में जीत हासिल करने के बाद सभी 10 भारतीय-अमेरिकियों ने अपने क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए काम करने की बात कही है।

इजरायल-गाजा में युद्धग्रस्त मानवीयता के लिए संघर्ष विराम लागू

-प्रतिदिन 4 घंटे संघर्ष विराम से वांछित बंधकों को सुरक्षित निकालने का मिलेगा अवसर

-अमरीकी राष्ट्रपति और इजरायली प्रधानमंत्री के गहन चिन्तन पश्चात संघर्ष विराम निर्णय महत्वपूर्ण : जॉन किर्बी

वाशिंगटन (एजेंसी)। युद्धग्रस्त इजरायल उत्तरी गाजा में मानवीय राहत के उद्देश्य से सैन्य अभियानों में प्रतिदिन 4 घंटे का संघर्ष विराम का निर्णय लिया गया है। इजरायल उत्तरी गाजा के चयनित क्षेत्रों में सैन्य अभियानों में प्रतिदिन 4 घंटे का संघर्ष विराम शुरू करेगा, जहां उसकी सेनाएं संयुक्त राष्ट्र और अन्य एजेंसियों से मानवीय सहायता एन्क्लेव में भेजने की अनुमति देने के लिए हमास से जमकर लड़ रही हैं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि इस रोक का उद्देश्य घिरे क्षेत्र में मानवीय सहायता पहुंचाना और नागरिकों को युद्ध क्षेत्र से भागने की अनुमति देना है।राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि इजरायल तीन घंटे पहले ही संघर्ष विराम के समय की घोषणा करेगा।किर्बी ने इसे सही दिशा में उठाया कदम बताते हुए कहा कि इजरायलियों ने आज से शुरू हो रही इस रोक अवधि को लेकर आश्वस्त किया कि इस दौरान इन क्षेत्रों में किसी तरह का सैन्य अभियान नहीं होगा । चार घंटे के ठहराव की अनुमति देने का इजरायल का महत्वपूर्ण निर्णय प्रशासन द्वारा लंबे प्रयासों के बाद आया ताकि मानवीय सहायता मिल सके और लोग सुरक्षित रूप से बाहर निकल सकें। किर्बी ने कहा कि संघर्ष विराम से हमास द्वारा बंधक बनाए बंधकों को सुरक्षित निकालने का मौका मिलेगा। राष्ट्रपति जो बाइडेन और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच गहन चर्चा के बाद घिरे क्षेत्र में प्रतिदिन मानवीय ठहराव के इजरायली निर्णय को महत्वपूर्ण पहल बताया गया। मीडिया की खबरों में कहा गया है कि दोनों सरकारों में नौकरशाही पदानुक्रम के शीर्ष स्तर पर अनुवर्ती चर्चाएं भी हुईं। किर्बी ने कहा कि हम इजरायलियों से नागरिक हताहतों की संख्या को कम करने और उन संख्याओं को कम करने के लिए हर संभव प्रयास करने का आग्रह कर रहे हैं। वे नागरिकों को नुकसान के रास्ते से बाहर निकलने के लिए कुछ घंटों के लिए सांस लेने की जगह प्रदान करेंगे। इजरायल बार-बार नागरिकों को दक्षिणी गाजा में जाने की चेतावनी दे रहा है, क्योंकि वह उत्तर में लक्ष्यों पर हमला कर रहा है, लेकिन दक्षिणी गाजा भी उनके लिए कोई सुरक्षित क्षेत्र नहीं है और दैनिक जीवन के लिए आवश्यक वस्तुओं की वहां भारी कमी है।युद्ध शुरू होने के बाद से नागरिक बड़ी संख्या में गाजा छोड़ने में असमर्थ हैं। रिपोर्टों में कहा गया है कि विदेशी नागरिकों के समूहों और कुछ घायल फिलिस्तीनियों को हाल ही में एन्क्लेव से बाहर जाने की अनुमति दी गई थी। अमेरिका यह देखना चाहेगा कि जब तक गाजा में मानवीय सहायता आवश्यक स्तर पर बनी रहेगी, तब तक रोजाना रोक जारी रहेगी।राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि वह तीन दिनों से मानवीय विराम की वकालत कर रहे हैं।

भारत और अमेरिका के बीच टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में इजराइल, चीन और कनाडा पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच शुक्रवार को हुई 'टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में ना सिर्फ इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध का जिक्र हुआ, बल्कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन से जारी विवाद और कनाडा से चल रहे तनाव को लेकर भी चर्चा हुई। विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने इसकी जानकारी दी। विदेश सचिव ने कहा, दोनों देशों के बीच मिडिल ईस्ट के हालात पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी राय रखी। हमारा रुख साफ है, जो चर्चा के दौरान भी आया कि द्वि-राष्ट्र समाधान (टू स्टेट्स सॉल्यूशन) बातचीत और शांति के साथ होना चाहिए। भारत इजरायल पर आतंकी हमले की निंदा करता है। आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। दूसरी तरफ गाजा में भारत ने मानवीय सहायता भी भेजी है।

क्वात्रा ने चीन विवाद पर चर्चा पर कहा, चीन की आचार संहिता को लेकर क्षेत्रीय परिप्रेक्ष्य में दोनों पक्षों के बीच विस्तृत रूप से वार्ता हुई। भारत-कनाडा विवाद पर उन्होंने कहा, कनाडा के मुद्दे पर हमारे सभी साझेदार देशों के साथ चर्चा अलग-अलग समय पर होती रहती है। हमारी चिंता सुरक्षा को लेकर है। आप लगातार पन्नू के वीडियो देख रहे हैं, जो भारतीयों की सुरक्षा से संबंधित होते हैं। सुरक्षा संबंधित मुद्दे हम लगातार उठाते रहते हैं। टू प्लस टू' मंत्रिस्तरीय वार्ता में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने किया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया।

पुराने रिश्तों का पुनरोद्धार, 12 साल बाद हुई भारत-मलेशिया संयुक्त आयोग की बैठक, मिले दोनों देशों के विदेश मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर और मलेशिया के विदेश मंत्री जाम्ब्री अब्द कादिर के बीच भारत-मलेशिया संयुक्त आयोग की बैठक 7 नवंबर को हुई। इसने हाल के वर्षों में कई अड़चनों के बाद भारत-मलेशिया संबंधों को फिर से पटरी पर ला दिया। पूर्व विदेश मंत्री सैफुद्दीन अब्दुल्ला ने आसियान के साथ भारत की साझेदारी के 30 साल पूरे होने के अवसर पर जून 2022 में विशेष भारत-आसियान विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। चूंकि मलेशिया की आंतरिक राजनीति प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के तहत स्थिर हो गई है, इसलिए साझेदारी का एक बड़ा इरादा स्पष्ट है।

पिछली बैठक 2011 में होने के बाद से 12 वर्षों के अंतराल के बाद, संयुक्त आयोग की छठी बार बैठक हुई है। महामारी के कारण कुछ देरी को शायद माफ कर दिया गया है, लेकिन कहीं न कहीं ध्यान भटक गया है और विचारों में भिन्नता है। इसलिए जेसीएम जुड़ाव की पुनर्स्थापना और पुराने संबंधों का पुनरुद्धार है। मलेशिया आसियान के मूल सदस्यों में से एक है और लाओस के बाद 2025 में आसियान की अध्यक्षता करेगा। यह दुनिया की समस्याओं, जैसे यूक्रेन संकट, इज़राइल-हमास की आवर्ती समस्या, सीओपी28 जैसे उभरते अन्य कार्यात्मक मुद्दे और एसडीजी प्राप्त करने की धीमी प्रगति पर विचारों का आदान-प्रदान करने का एक अच्छा अवसर था।

मूलतः, भारत और मलेशिया को भारत-आसियान रूब्रिक से बाहर निकलने और आसियान प्लस जुड़ाव की आवश्यकता है। रूस और हमास पर यूएनजीए प्रस्तावों पर, मलेशिया और भारत एक ही पृष्ठ पर नहीं हैं, हालांकि उनका इरादा समान है। मलेशिया विश्व स्तर पर सबसे बड़ी पीआईओ आबादी में से एक है, लगभग 2.75 मिलियन, जो मलैया की आबादी का 9 प्रतिशत है। मलेशिया में लगभग 2,25,000 भारतीय प्रवासी रहते हैं, जिनमें अधिकतर आईटी पेशेवर, इंजीनियर और डॉक्टर हैं। इसने मलेशिया को हमेशा भारतीय नीति में एक विशेष स्थान दिया है।

अब जागा कनाडा, बढ़ाई एयरपोर्ट की सुरक्षा

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानी गुरवतवंत पन्नू की धमकी के बाद कनाडा सरकार जागी और उसने एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। वैसे कनाडा इस तरह की सुरक्षा व्यवस्था पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देता है। लेकिन इस बार उसने खालिस्तान समर्थक गुरवतवंत सिंह पन्नू की धमकी के बाद भारत ने इस मामले को गंभीरता से लिया था और कनाडाई अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठाया था।

अब कनाडा ने भारत को बताया है कि पन्नू की धमकी को बेहद गंभीरता से लिया गया है और एयरपोर्ट पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कनाडा के मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमारे उड्डयन विभाग ने इस धमकी पर गंभीरता से विचार किया है और सिक्योरिटी पार्टनर्स के साथ बात करके एयरपोर्ट और विमानों की सुरक्षा में इजाफा किया गया है।इसी बीच टोरंटो स्टार ने रिपोर्ट किया है कि रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस को इस धमकी की जांच करने का आदेश दिया गया है। आरसीएमपी ने सभी धमकियों सेबहुद गंभीरता से लिया है। ओटावा में भारत के हाई कमिश्नर संजय कुमार वर्मा ने भी कहा है गुरपतवंत सिंह पन्नू ने गंभीर अपराध किया है और उसे सजा मिलनी कनाडा सरकार को गंभीरता से विचार करके ऐक्शन लेना चाहिए।

खालिस्तानी सिख फॉर जस्टिस चीफ पन्नू का कहना है कि उसने कोई धमकी नहीं दी है और ना ही उसके वीडियो में हिंसा की कोई बात कही गई। उसने कहा, आरसीएमपी को आतंकी धमकियों की जांच करने का पूरा अधिकार है। उसने कहा कि एयर इंडिया

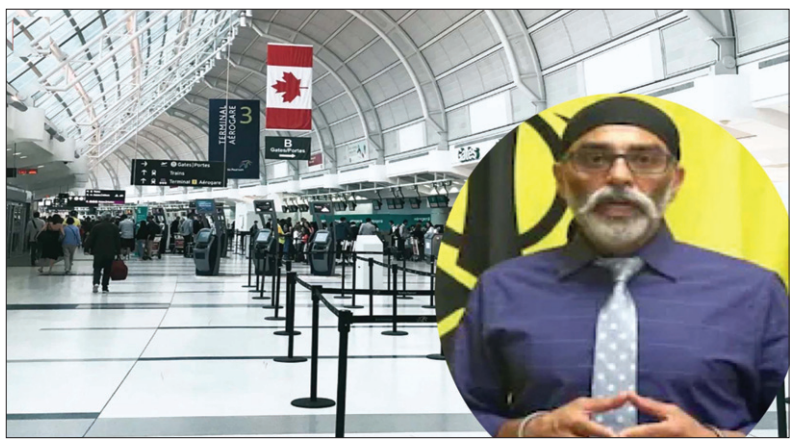

को बायकॉट करने के लिए कहा गया था ताकि भारत पर असर पड़े। अगर यह आतंक है तो एजेंसियों को जांच करने दिया जाए। सब सामने आ जाएगा। बता दें कि कनाडा के टोरंटो और वैनकूवर एयरपोर्ट्स से नई दिल्ली के लिए एयर इंडिया के विमानों का संचालन होता है।

गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो जारी करके 19 नवंबर को एयर इंडिया के विमान को उड़ाने की धमकी दी थी। पन्नू ने कहा था कि कोई भी सिख 19 नवंबर को एयर इंडिया के फ्लाइट से सफर ना करे। उस दिन वैश्विक नाकेबंदी की जाएगी और विमान को नहीं चलने दिया जाएगा। उसने कहा था कि एयर इंडिया के विमान में सफर करने से उनकी जान को खतरा है। उसने कहा था कि 19 नवंबर को इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट को भी बंद किया जाएगा। हालांकि इससे कनाडा में एयर इंडिया के विमान को पहले भी निशाना बनाया जा चुका है। इसलिए इस धमकी को बेहद गंभीरता से लिया गया है। 23 जून 1985 को एयर इंडिया फ्लाइट 182 में बम विस्फोट हुआ था। इसके बाद 329 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद से ही कनाडा और भारत के संबंधों में खटास आनी शुरू हो गई थी। इस विमान ने मॉन्ट्रियल शहर से उड़ान भरी थी। यह पहले लंदन जाने वाला था और वहां से दिल्ली होकर मुंबई पहुंचने वाला था। इसका नाम सम्राट कनिष्क था। हालाकि आयरलैंड हवाई क्षेत्र में ही इसे बम से उड़ा दिया गया। इसमें सवार 22 हवाई यात्री भारत के थे। वहीं 280 लोग भारतीय मूल के कनाडाई नागरिक थे।

अब कतर में रहे हमास के आकाओं पर इजरायल की नजर

दोहा। गाजा पट्टी में हमास के ठिकानों पर इजरायली सेना लगातार बमबारी कर रही है। हमास के खात्मे के लिए इजरायली ग्राउंड फोर्स ऑपरेशन भी चला रही है। वहीं, दूसरी ओर इजरायल की कोशिश हमास द्वारा गाजा में बंधक बनाए गए नागरिकों को छुड़ाने की भी है। इसके लिए इजरायल की निगाहें कतर पर टिकी हैं। अमेरिकी सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) और इजरायली एजेंसी मोसाद के चीफ ने दोहा में कतर के पीएम से मुलाकात की। खास बात ये है कि कतर में ही हमास पॉलिटिकल हेड इस्माइल हनियेह ने भी शरण ले रखी है।

अफगान शरणार्थियों पर हो रहे जुल्मों को छुपाने के लिए पाकिस्तान ने चला दांव

इस्लामाबाद (एजेंसी)। झूठ बोलने और सत्य को नकारने में माहिर पाकिस्तान ने अब अफगान शरणार्थियों पर हो रहे जुल्मों को छुपाने के लिए एक नया दांव चला है। पाकिस्तान ने यूएन को आतंकी हमले का अलर्ट भेजा है।

पाकिस्तान में अफगानिस्तान से लगे बॉर्डर और खैबर के आदिवासी जिले में आम नागरिक पर हो रहे अत्याचारों की कहीं पोल ना खुल जाए, इस डर के चलते पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र के रिफ्यूजी कमीशन को आतंकी हमले का अलर्ट दिखाकर आने से रोका है।

पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर अफगानिस्तान ने भी कड़ी नाराजगी जाहिर की है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनवा इलाके समेत विभिन्न इलाकों में अफगानिस्तान के शरणार्थी नागरिकों और खैबर जिले के आदिवासी नागरिकों पर हो रहे अत्याचार को लेकर संयुक्त राष्ट्र की रिफ्यूजी हाई कमीशन की एक टीम वहां का दौरा कर असली जमीनी हालात का आकलन करना चाहती थी।

पाकिस्तान में अफगानिस्तान के शरणार्थियों पर हो रहे अत्याचारों को लेकर अफगानिस्तान लगातार विरोध जताता आ रहा है. यहां तक की पाकिस्तान के अनेक बुद्धिजीवी भी पाकिस्तान की इस नई चाल को लेकर परेशान हैं. उनके धार्मिक संगठनों ने भी इस बात को लेकर नाराजगी जाहिर की थी कि जब 40 साल से पाकिस्तान में रह रहे अफगानिस्तान के रिफ्यूजी खतरा नहीं बने तो वह अचानक अब खतरा कैसे बन गए। यूनाइटेड नेशन हाई कमीशन फॉर रिफ्यूजी ने पाकिस्तान सरकार को बताया था कि उनकी एक टीम पाकिस्तान के विभिन्न इलाकों का दौरा कर शरणार्थियों के बारे में वास्तविक स्थिति का आकलन करना चाहती है।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि लिहाजा संयुक्त राष्ट्र की इस टीम को खैबर में आने से रोका जाए। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय ने यह पत्र पाकिस्तान के विदेश सचिव को भी भेजा. जिससे संयुक्त राष्ट्र को तत्काल इस बारे में जानकारी देकर उनकी टीम को आने से रोक दिया जाए। इसके साथ ही पाकिस्तान के इरादों की पोल खुल गई। जिसके जरिए वह चाहता है कि उसके देश में मुस्लिम शरणार्थियों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, वो विश्व के सामने नहीं आने पाए।

यूनाइटेड नेशन कमीशन के इस रूख को देखते हुए पाकिस्तान प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। क्योंकि आए दिन वहां पर इस तरह के वीडियो सामने आते रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि शरणार्थियों पर पाकिस्तान फौजी और पुलिस लगातार अत्याचार कर रही है। बूढों और बच्चों को भी नहीं बख्शा जा रहा है। यूनाइटेड नेशन हाई

कमीशन फॉर रिफ्यूजी के आगमन को देखते हुए पाकिस्तान प्रशासन ने अपनी पुरानी चाल चली और आनन-फानन में खतरे का एक अलर्ट जारी कर दिया। पाकिस्तान के आंतरिक मंत्रालय द्वारा जारी इस अलर्ट में कहा गया है कि यह पता चला है कि संयुक्त राष्ट्र की एक टीम खैबर जिले का दौरा करना चाहती है। लेकिन खैबर जिले में आतंकवादियों द्वारा सरकारी प्रतिष्ठानों तथा अन्य सॉफ्ट जगहों को टारगेट किया जा सकता है।

मैंने वह काम किया जिसने मुझे एक ठोस आधार दिया, कृष के बाद फिल्में चुनने लगी थीं प्रियंका

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा एक्सर सुर्खियों में छाई रहती हैं। देसी गर्ल से ग्लोबल आइकन बनने तक का सफर तय करने वालीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा आज दुनिया के सामने एक मिसाल हैं। प्रियंका अपनी प्रोफेशनल लाइफ के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को बैलेंस करना भी बखूबी जानती हैं। 2000 में प्रियंका मिस वर्ल्ड बनी थीं और इसके तुरंत बाद 2002 में ही तमिल फिल्म थमिजान से उन्होंने एक्टिंग में अपना डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों की तरफ अपना रुख किया। प्रियंका ने खुलासा किया कि 2006 की फिल्म क्रिश के बाद से वह प्रोजेक्ट चुनने लगी थीं।

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में जियो मामी फिल्म फेस्टिवल के दौरान भूमि पेडनेकर के साथ बातचीत में अपने करियर को लेकर बात की है। उन्होंने खुलासा किया कि कैसे आलोचकों की प्रशंसा ने एक अभिनेत्री के रूप में उनकी स्थिति सुरक्षित की। भूमि ने प्रियंका से जब फिल्मों को चुनने की स्थिति में आने के समय के बारे में पूछा तो इसपर प्रियंका ने कहा, कई फिल्मों के बाद। मुझे लगता है कि शायद कहीं न कहीं पहले कृष के आसपास। इससे पहले हमेशा होता था, हे भगवान, मैं अगला क्या करने जा रही हूं? मेरे पास कौन सा अवसर आने वाला है? जो मेरे पास आया, मैंने उसमें से चुन लिया। देसी गर्ल ने आगे कहा, पहले कृष के बाद, क्योंकि मैंने अभी-अभी एतराज भी किया था, मैंने वह काम किया था जिसने मुझे एक ठोस आधार दिया। मुझे आलोचनात्मक प्रशंसा मिली। मेरे पास ऐसे लोग थे जो मुझसे कहते थे कि मैं अपना काम जानती हूं। हालांकि मुझे नहीं पता था कि मैं अपना काम जानती हूं, लेकिन वह बिल्कुल स्पष्ट समय था, जब मैंने ऐसे काम की तलाश शुरू की वह मेरे लिए चुनौती रही।

प्रियंका चोपड़ा के लिए सबसे खास क्षण वो रहा, जब उन्होंने मधुर भंडारकर निर्देशित फिल्म फैशन की। इस फिल्म के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। फैशन के दौरान कई लोगों ने उन्हें इस फिल्मों को करने से मना किया था।

प्रियंका ने बताया, फैशन वह समय था जब मैंने यह निर्णय लिया। क्रिश के आसपास ही मधुर सर और मेरी मुलाकात हुई थी। उस समय मुझसे कहा गया था कि लड़कियां महिला प्रधान भूमिकाएं अपने करियर के अंत में या फिर राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए करती हैं। तुम्हारी तो अभी शुरुआत हुई है। आपने अभी-अभी कृष और ऐतराज की है, आपके पास कई अवसर हैं। आप यह फिल्म क्यों कर रही हैं।

कंगना रणौत के काम की मुरीद हुईं अभिनेत्री अंशुल चौहान

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रणौत ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने दम पर पहचान बनाई है। उनकी किसी भी फिल्म में उनका एक्टिंग टैलेंट साफ नजर आता है। अब हाल ही में, कंगना की फिल्म तेजस रिलीज हो चुकी है और इस फिल्म को दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन करने में कामयाब नहीं हुई है। अब फिल्म की को-स्टार अंशुल चौहान ने अभिनेत्री का तारीफों के पुल बांधे हैं। फिल्म तेजस में कंगना के अपोजिट नजर आने वाली अभिनेत्री अंशुल ने अपने हालिया इंटरव्यू में कंगना रणौत के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने और बहुत कुछ के बारे में बात की है। अंशुल ने कहा उनको लेकर मेरे दिमाग में कई धारणाएं थी, लेकिन जब मैं सेट पर गई तो मैंने उन्हें इसके बिल्कुल विपरीत देखा। मैंने मन ही मन सोचा कि यह इतनी कूल होकर बात क्यों कर रही हैं। एक या दो दिन मेरे सामने दिखावा कर सकती हैं, लेकिन उन्होंने कभी इस बात का एहसास नहीं होने दिया कि वह कितनी सीनियर हैं। अंशुल ने आगे कहा, कंगना सेट पर तैयार होकर आती थीं और बहुत अनुशासित थीं। उनकी सभी लाइनें उनके द्वारा तैयार की गई थीं और उनके पास देने के लिए बेहतरीन सुझाव भी होते थे। वह इतनी सहयोगी है कि वह आपको कभी भी कम महसूस नहीं करवाएंगी और सच में अगर आप किसी समस्या का सामना कर रहे हैं तो वह आपको सहज बनाने वाली पहली व्यक्ति होंगी।

नील नितिन मुकेश ने ओटीटी पर की खुलकर बात

बॉलीवुड के दिवंगत गायक मुकेश के पोते और अभिनेता नील नितिन मुकेश ऐसा स्टार किड्स में से हैं, जो इंडस्ट्री में अपना सिक्का चलाने में नाकाम रहे। न्यूयॉर्क, शॉर्टकट रोमियो, प्रेम रतन धन पायो और साहो जैसी फिल्मों में काम करने के बावजूद नील नितिन मुकेश अपनी छाप छोड़ने में असफल रहे हैं। फिल्मों से काफी दूरी बना चुके नील नितिन मुकेश इन दिनों आगामी ओटीटी पर जल्द प्रसारित होने जा रहे रियलिटी शो ग्लैम फेम में जज की भूमिका निभाने के लिए सुर्खियों में हैं। ऐसे में अब नील नितिन मुकेश ने ओटीटी और फिल्मों की दुनिया के बारे में खुलकर बात की और बताया कि आखिर दोनों में काम कर रहे स्टार्स की ग्रोथ में क्या अंतर है।

ओटीटी की दुनिया दिन-ब-दिन बड़ी होती जा रही है। जिस तरह कभी टीवी पर नए-नए सीरियल्स प्रसारित हुआ करते थे, उसी तरह से अब आए दिन ओटीटी पर नई वेब सीरीज और शो दस्तक देते हैं। ओटीटी के दर्शकों में हुए इजाफे ने कई फिल्मी सितारों का ध्यान भी उसकी तरफ आकर्षित किया और उन्हें उसमें काम करने के लिए उत्साहित भी किया। आज तक कई सितारे ओटीटी के कंटेंट और अपनी प्रतिभा को दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म के तौर पर इसके बारे में बात कर चुके हैं। अब इन सेलेब्स में नील नितिन मुकेश का नाम भी शामिल हो गया है। नील नितिन मुकेश, जो जल्द ही सनी लियोनी और ईशा देओल के साथ ओटीटी रियलिटी शो ग्लैम फेम में बतौर जज नजर आएंगे उन्होंने एक बातचीत के दौरान शो और ओटीटी के बदलते रुझान के बारे में बात की। बता दें, ग्लैम फेम एक ऐसा रियलिटी शो होगा जो पूरे देश में फैले मॉडल्स के सपनों को पूरा करने का वादा करता है। आज के दौर में जब दुनिया में ओटीटी का बोलबाला है तो यह शो किस तरह से कंटेस्टेंट्स की मदद करेगा, इस पर अभिनेता ने कहा, आज ओटीटी का जमाना है। ओटीटी पर बहुत सारे शो आ रहे हैं, हम ट्रेंड देख रहे हैं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए नील नितिन मुकेश ने कहा, हम फिल्मी सितारे संघर्ष कर रहे हैं और ओटीटी सितारे प्रगति कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। आज हर कोई उस मंच पर रहना चाहता है जहां वह बड़ी संख्या में दर्शकों तक पहुंच सके। यदि कंटेस्टेंट किसी कास्टिंग डायरेक्टर या निर्देशक के साथ काम करने में सक्षम हैं, तो यह सच में उनके जीवन को बदल सकता है। नील ने इस बातचीत में शो के बारे में भी बात की और बताया कि उनका इसमें काम करने का अनुभव कैसा रहा।

थलाइवर 171 में खलनायक की भूमिका में दिखेंगे राघव लॉरेंस

लोकेश कनगराज तमिल फिल्मों के सुपरहिट निर्देशकों में से एक हैं। हाल ही में उनकी फिल्म लियो ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की है। इस फिल्म के बाद से वह रजनीकांत के साथ नई फिल्म बनाने वाले हैं। फिल्म की सफलता के बाद वह अपना पूरा ध्यान थलाइवर 171 पर केंद्रित कर रहे हैं। इस फिल्म के प्री-प्रोडक्शन काम शुरू हो चुका है। इस बीच रजनीकांत की इस नई फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राघव लॉरेंस को थलाइवर 171 में खलनायक की भूमिका के लिए संपर्क किया गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो लोकेश कनगराज ने कथित तौर पर थलाइवर 171 के लिए राघव लॉरेंस को खलनायक के रूप में लाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि एससीयू के तहत तीन फिल्में कैथी, विक्रम और लियो देने के बाद लोकेश कनगराज की थलाइवर 171 एक स्टैंडअलोन फिल्म है। इसलिए माना जा रहा है कि निर्देशक फिल्म के लिए नए कलाकारों के साथ टीम बना सकते हैं।

सिनेमाघरों में धूम मचाने के बाद नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है लियो

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की फिल्म दशहरा से पहले 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने 330 करोड़ का नेट कलेक्शन कर लिया है। वहीं वर्ल्डवाइड 577.55 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है। फिल्म का बजट 300 करोड़ रुपए था और बॉक्स ऑफिस आंकड़ों के मुताबिक ये फिल्म जमकर लाभ कमा रही है। वहीं, अब थलापति विजय ने अपने प्रशंसकों को बड़ा सरप्राइज देने की प्लानिंग कर ली है। मेकर्स फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज करने जा रहे हैं। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में विजय थलापति के अलावा संजय दत्त, अर्जुन, तृषा, गौतम वासुदेव मेनन, मैसस्किन, मैडोना सेबेस्टियन और जॉर्ज मैरीन अहम रोल में हैं। सिनेमाघरों में धूम मचाने के बाद यह फिल्म इसी महीने ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। स्ट्रीमिंग अपडेट्स के मुताबिक लियो 21 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। वैसे कोई भी फिल्म मेकर्स सिनेमाघरों में रिलीज के चार हफ्ते बाद ही ओटीटी पर रिलीज करते हैं, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक थलापति विजय और लोकेश कनगराज दिवाली पर अपने फैंस को सरप्राइज देने का प्लान कर रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अब इस फिल्म को 16 नवंबर को ही रिलीज करने की तैयारी की जा रही है। हालांकि अभी तक मेकर्स या नेटफ्लिक्स की ओर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वहीं सामने आ रही खबरों के अनुसार, फिल्म के ओटीटी वर्जन पर दर्शकों को कुछ अनदेखे सीन भी देखने को मिलेंगे। 'लियो' की फ्लैशबैक स्टोरी के दौरान कुछ और सीन एड होंगे। यानी की ओटीटी वर्जन में दर्शकों के लिए कुछ सरप्राइज प्लान किए गए हैं।

आमिर खान से मदद नहीं लेना चाहते दर्शील सफारी

साल 2007 में आई फिल्म तारे जमीन पर तो हर किसी को याद ही होगी! इस फिल्म में ईशान नंदकिशोर अवस्थी का किरदार निभाने वाले दर्शील सफारी ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म में बाल कलाकार के रूप में नजर आए दर्शील सफारी अब बड़े हो गए हैं। हाल ही में, 26 वर्षीय अभिनेता हुकस-बुकस को लेकर चर्चा में हैं। इसमें दर्शील सफारी ने सचिन तेंदुलकर प्रशंसक की भूमिका निभाई। इस बीच, अब एक्टर ने एक मीडिया बातचीत में करियर में आने वाली चुनौतियों को लेकर बात की। दर्शील सफारी ने खुलासा किया कि वह आमिर खान से मदद क्यों नहीं लेते? एक बातचीत के दौरान दर्शील सफारी ने अपने करियर को लेकर बताया, जैसा कि मैंने पहले अपनी पढ़ाई पूरी करने और फिर थिएटर में जाने का फैसला किया, तो लोगों ने मान लिया कि मैंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ दी है।

दर्शील नहीं अपनाना चाहते शॉर्टकट

अभिनेता ने आगे कहा, सच कहूं तो मेरे लिए यह आसान नहीं था। मैं कभी भी शॉर्टकट नहीं अपनाना चाहता था। वर्षों तक थिएटर में रहने के बाद, मैंने फैसला किया कि मैं स्क्रीन पर वापसी करना चाहता हूं। मैंने ऑडिशन देना शुरू किया और सौ से अधिक ऑडिशन दिए, जिसमें मैं केवल कुछ ही पास कर पाया।

आमिर से मदद के लिए बोलते हैं लोग

दर्शील सफारी ने इस बात का खुलासा किया कि कुछ लोग उन्हें आमिर खान से मदद लेने को कहते हैं। अभिनेता ने इस का जवाब देते हुए कहा, जो लोग यह बात बोलते हैं, वह सब मुझे संघर्ष करते हुए नहीं देख सकते। दर्शील ने बताया कि यहां तक कि जब ट्रेलर आया तो लोगों ने पूछा कि क्या मैंने आमिर खान को भेजा है? लेकिन मेरा मानना है कि अगर मैंने अच्छा काम किया, तो यह उन तक स्वाभाविक रूप से पहुंचेगा।

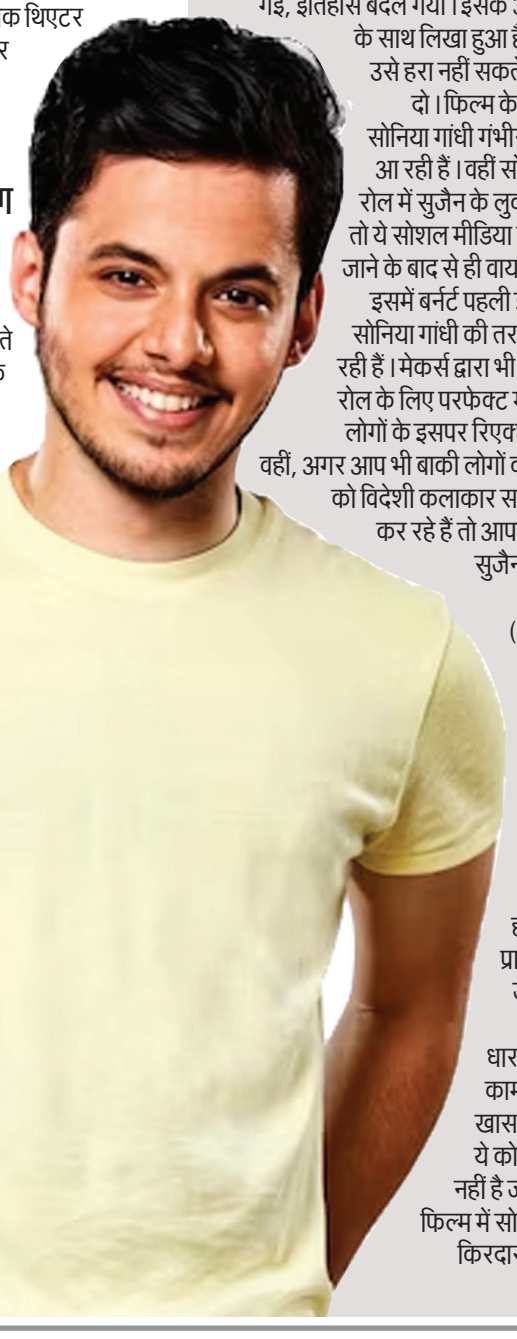

बड़े पर्दे पर सोनिया गांधी के रोल में दिखेंगी जर्मन अभिनेत्री सुजैन बर्नर्ट

साउथ अभिनेता ममूटी अपनी आगामी फिल्म 'यात्रा 2' को लेकर चर्चा में बने हुए है। 'यात्रा 2' 2019 में रिलीज हुई 'यात्रा' का सीक्वल है। लगभग चार साल बाद, निर्देशक माही वी राघव फिल्म का सीक्वल लेकर वापस आ गए हैं। ये एक पॉलिटिकल फिल्म थी जिसे रिलीज होने के बाद काफी लोकप्रियता मिली थी। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट आने जा रहा है। इसमें सोनिया गांधी के रोल को भी शामिल किया गया है। कई सारी फिल्में आपने देखी होंगी जिसमें देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को फीचर किया गया होगा। लेकिन इस फिल्म में उनकी बहू सोनिया गांधी के किरदार को दिखाया गया है। यात्रा 2 फिल्म को लेकर कुछ समय पहले ही फिल्म से स्टार्स का फर्स्ट लुक सामने आया था। अब फिल्म से सोनिया गांधी का लुक भी रिवील कर दिया गया है। इस रोल को एक्ट्रेस सुजैन बर्नर्ट प्ले करेंगी। वे कई सारी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उनके पति अखिल मिश्रा भी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं और वे आमिर खान की फिल्म 3 इडियट्स में भी नजर आए हैं हाल ही में एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में अखिल का निधन हो गया। फिल्म के द्वारा सोशल मीडिया पर लुक शेयर किया गया है जिसके साथ कैप्शन में लिखा है- वे अचानक मिले, नियती ढह गई, इतिहास बदल गया। इसके अलावा पोस्टर के साथ लिखा हुआ है- 'अगर तुम उसे हरा नहीं सकते तो बर्बाद कर दो। फिल्म के इस पोस्टर में सोनिया गांधी गंभीर मुद्रा में नजर आ रही हैं। वहीं सोनिया गांधी के रोल में सुजैन के लुक की बात करें तो ये सोशल मीडिया पर शेयर किए जाने के बाद से ही वायरल हो रहा है। इसमें बर्नर्ट पहली झलक में हूबहू सोनिया गांधी की तरह ही दिखाई दे रही हैं। मेकर्स द्वारा भी सुजैन को इस रोल के लिए परफेक्ट माना जा रहा है लोगों के इसपर रिएक्शन आ रहे हैं। वहीं, अगर आप भी बाकी लोगों की तरह सुजैन को विदेशी कलाकार समझने की भूल कर रहे हैं तो आपको बता दें, कि सुजैन कई भारतीय भाषाओं जैसे (हिंदी, बंगाली, मराठी) को बोलने में माहिर हैं। इतना ही नहीं इस फिल्म को साइन करने से पहले वो नो प्रॉब्लम, हनीमून ट्रैवल्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी कई हिंदी फिल्मों और धारावाहिकों में भी काम कर चुकी हैं। खास बात यह है कि ये कोई पहला मौका नहीं है जब सुजैन, इस फिल्म में सोनिया गांधी का किरदार निभा रही हैं।